MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 06 मार्च, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-8 | अंक-63

रन बरसे
इंग्लैंड को हराया, अब न्यूज़ीलैंड से फ़ाइनल

मुंबई, 05 मार्च (एजेंसियां)। टी20 विश्व कप 2026 का खिताबी मुकाबला न्यूजीलैंड और भारत के बीच खेला जाएगा। वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए दूसरे सेमीफाइनल में भारतीय टीम ने कमाल का प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड को रोमांचक हार के लिए मजबूर कर दिया। इसके साथ ही टी20 विश्व कप 2022 के सेमीफाइनल में इंग्लैंड से मिली हार का एक और बार बदला ले लिया, जो ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड में खेला गया था। भारत ने पहले बैटिंग करते हुए संजू सैमसन के शानदार 89 रनों के दम पर 253 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया, जिसके जवाब में इंग्लैंड के लिए जैकेब बेथल ने शानदार शतक जड़ा। इंग्लैंड को आखिरी ओवर में 30 रनों की जरूरत थी, जबकि शिवम दुबे ने मैच भारत को 7 रनों से जितवा दिया।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच टी20 विश्व कप का खिताबी मुकाबला 8 मार्च को दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। न्यूजीलैंड ने साउथ अफ्रीका को पहले सेमीफाइनल में 9 विकेट से हराया था, जबकि वह मुकाबला कोलकाता के ईडन गार्डंस स्टेडियम में खेला गया था।

इससे पहले टॉस हारने वाली भारतीय टीम ने आक्रामक बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 20 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर 253 रनों का पहाड़ जैसा स्कोर खड़ा किया। पारी के आकर्षण ओपनर संजू सैमसन रहे। उन्होंने महज 42 गेंदों में 211.90 की स्ट्राइक रेट से 89 रनों की विस्फोटक पारी खेली। इस दौरान 8 चौके और 7 गगनचुंबी छक्के उड़ाए। हालांकि, वह शतक पूरा नहीं कर सके। अभिषेक शर्मा के फेल होने पर बैटिंग करने उतरे ईशान किशन (18 गेंदों में 39 रन, 4 चौके, 2 छक्के) संजू सैमसन का बखूबी साथ दिया और 97 रनों की साझेदारी की। कप्तान सूर्या 11 रन बनाकर आउट हुए।

संजू के अलावा शिवम दुबे ने 25 गेंदों में 4 छक्कों की मदद से 43 रन बनाए। डेथ ओवर्स में हार्दिक पंड्या (12 गेंदों में 27 रन) और तिलक वर्मा (7 गेंदों में 3 छक्कों के दम पर 21 रन) ने तेज पारियां खेलकर टीम को 250 के पार पहुंचाया। दूसरी ओर, इंग्लैंड के प्रमुख तेज गेंदबाज बहुत महंगे साबित हुए। जोफ्रा आर्चर (1 विकेट) ने 4 ओवर में 61 रन लुटाए , जबकि सैम करन ने 4 ओवर में 53 रन दिए और कोई विकेट नहीं मिला। इंग्लैंड की तरफ से स्पिनर्स का प्रदर्शन कुछ बेहतर रहा। विल जैक्स (40 रन देकर 2 विकेट) और आदिल रशीद (41 रन देकर 2 विकेट) ही भारतीय बल्लेबाजों पर थोड़ा अंकुश लगा पाए। बड़े लक्ष्य के आगे इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही। उसके दो विकेट जल्दी गिर गए। ओपनर फिल साल्ट (5) और हैरी ब्रूक (7)

▶10 पर

कई राज्यपाल इधर-उधर
शुक्ला तेलंगाना संधू दिल्ली के

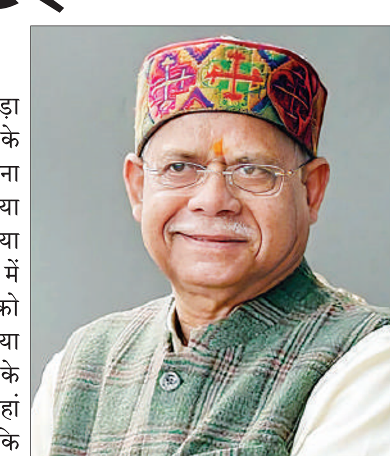
शिव प्रताप शुक्ला

नई दिल्ली, 05 मार्च (एजेंसियां)। कई राज्यों में बड़ा उलटफेर हुआ है। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना को लद्दाख का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। वहीं, दिल्ली में तरनजीत सिंह संधू को उपराज्यपाल बनाया गया है। ऐसे ही कई राज्यों के राज्यपालों को यहां से वहां किया गया है। बता दें कि दिल्ली के नए राज्यपाल तरनजीत सिंह संधू अमेरिका में भारत के पूर्व राजदूत रह चुके हैं। लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होते ही उन्होंने केंद्र की सत्ताधारी पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली थी। तरनजीत सिंह संधु को दिल्ली का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। शिव प्रताप शुक्ला को तेलंगाना का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। वर्तमान में वे हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल हैं। तेलंगाना के राज्यपाल जिश्नु देव वर्मा को महाराष्ट्र का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। नंद किशोर यादव को नगालैंड का राज्यपाल बनाया गया है। लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) सैयद अता हसनैन को बिहार का राज्यपाल नियुक्त किया गया। तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि अब से पश्चिम बंगाल के नए राज्यपाल होंगे। केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर तमिलनाडु के राज्यपाल का काम संभालेंगे।

तरनजीत सिंह संधु | जिश्नु देव वर्मा | वीके सक्सेना

लद्दाख के राज्यपाल कविंद्र गुप्ता को हिमाचल प्रदेश का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। दिल्ली के राज्यपाल वीके सक्सेना को लद्दाख का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

उड़ान भरते ही गायब हुआ सुखोई एसयू-30

गुवाहाटी, 05 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय वायुसेना का एक सुखोई एसयू-30 एमकेआई फाइटर जेट गुरुवार शाम को असम में लापता हो गया। फाइटर जेट ने जोरहट से उड़ान भरी थी और शाम 7.42 बजे के बाद रडार से उसका संपर्क टूट गया। विमान का पता लगाने के लिए भारतीय वायु सेना ने सर्च और रेस्क्यू मिशन शुरू किया है।

भारतीय वायुसेना ने अपने एक्स हैंडल पर खोए हुए फाइटर जेट का अपडेट शेयर करते हुए लिखा, हमारे एक एसयू-30 एमकेआई के लापता होने की खबर है। एयरक्राफ्ट ने असम के जोरहाट से उड़ान भरी थी और आखिरी बार शाम 7.42 बजे रडार के संपर्क में आया था। आगे की जानकारी का पता लगाया जा रहा है। एक सर्च और रेस्क्यू मिशन शुरू किया गया है।एसयू-30 एमकेआई भारतीय वायुसेना का सबसे ताकतवर और भरोसेमंद मल्टी-रोल फाइटर जेट माना जाता है। इसे 2000 के दशक की शुरुआत में भारतीय वायुसेना में शामिल किया गया था। यह रूस के सुखोई डिजाइन ब्यूरो द्वारा विकसित किया गया है। भारतीय वायुसेना इस फाइटर जेट का विशेष रूप से कस्टमाइज संस्करण इस्तेमाल करती है, जिसमें एमकेआई का अर्थ है मॉडर्नाइज्ड, कमर्शियल और इंडियन।

यह विमान हवा से हवा, हवा से जमीन और समुद्री लक्ष्यों पर हमला करने में सक्षम है।

इसकी सबसे बड़ी खासियत इसकी सुपरमैन्यूवरबिलिटी, लंबी मारक क्षमता और दो इंजन वाला शक्तिशाली डिजाइन है। सुखोई एसयू-30 एमकेआई ब्रह्मोस मिसाइल जैसी सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ले जाने में भी सक्षम है, जिससे इसकी स्ट्राइक कैपेसिटी कई गुना बढ़ जाती है।इसमें आधुनिक एवियोनिक्स, मल्टी-फंक्शन रडार, थ्रस्ट वेक्टर कंट्रोल और लंबी दूरी तक उड़ान की क्षमता है। यह लड़ाकू विमान भारतीय वायुसेना की रीढ़ माना जाता है और देश की वायु सुरक्षा व सामरिक ताकत में इसकी भूमिका बेहद अहम है।

तुम्हारा सुप्रीम हम चुनेंगे!

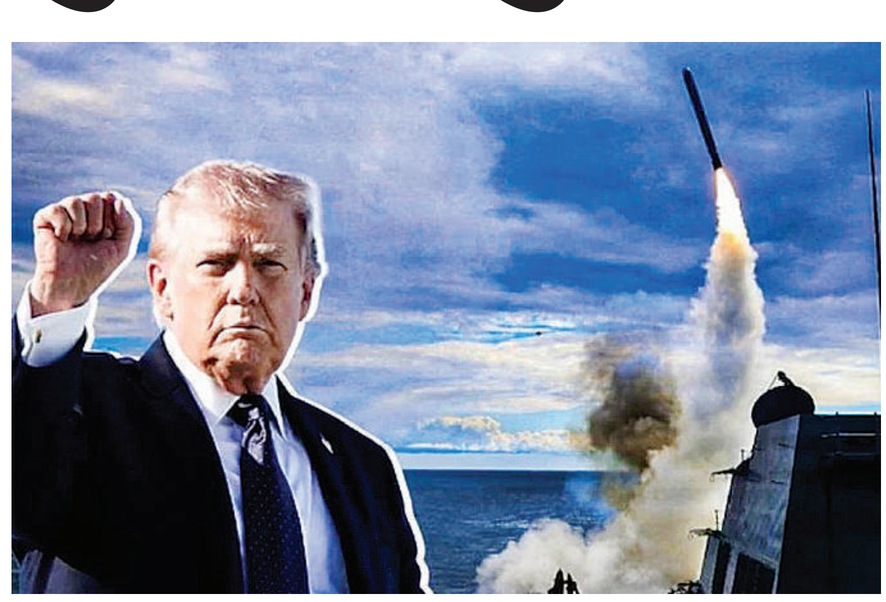

वाशिंगटन/तेहरान, 05 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के अगले सर्वोच्च नेता के चयन में खुद की व्यक्तिगत भागीदारी की जरूरत जताई है। एक्सियोस को दिए एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि वे ईरान के नए सुप्रीम लीडर की नियुक्ति में शामिल होना जरूरी समझते हैं, ठीक वैसे ही जैसे उन्होंने वेनेजुएला में डेल्सी रोड्रिगेज के मामले में किया था।

▶10 पर

खूब पछताएगा अमेरिका
डेना का बदला लिया ईरान ने

नई दिल्ली, 05 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने अपने युद्धपोत आईआरआईएस डेना पर हुए हमले का बदला लेने का दावा किया है। ईरान ने कहा कि उसने उत्तरी पर्स्यूएन गल्फ में एक अमेरिकी तेल टैंकर को निशाना बनाया, जिसके बाद जहाज में भीषण आग लग गई।

ईरानी सरकारी मीडिया के अनुसार यह हमला उस घटना के बाद हुआ जब हिंद महासागर में ईरानी युद्धपोत पर हमला हुआ था। इसके बाद आईआरजीसी ने गुरुवार को बयान जारी कर कहा कि उसकी नौसेना ने उत्तरी खाड़ी में एक अमेरिकी तेल टैंकर को सफलतापूर्वक निशाना बनाया। हालांकि इस दावे पर अभी तक अमेरिका की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

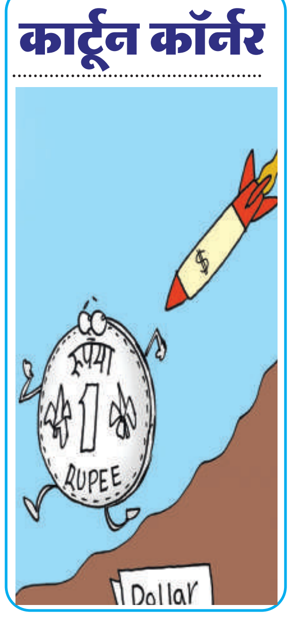

मौसम हैदराबाद
अधिकतम : 23°
न्यूनतम : 21°

बिहार में बीजेपी सीएम
नीतीश राज्यसभा में, शाह की उपस्थिति में नया नेता शीघ्र

पटना, 05 मार्च (एजेंसियां)। गुरुवार का दिन बिहार प्रदेश में सियासत का एक अभूतपूर्व और ऐतिहासिक अध्याय के रूप में दर्ज हो गया। राज्य के संसदीय इतिहास में यह पहला अवसर था, जब तीन अलग-अलग राजनीतिक दलों के राष्ट्रीय अध्यक्षों ने एक साथ राज्यसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस गौरवपूर्ण क्षण के दौरान केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की विशेष उपस्थिति ने इस पूरे घटनाक्रम के राजनीतिक वजन को और अधिक बढ़ा दिया। जबकि कल तक बिहार की राजनीति के धुरी माने जाने वाले और सोशल इंजीनियरिंग के पुरौधा नीतीश कुमार आज मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़कर दिल्ली के लुटियंस जोन में जाने के राज्यसभा सदस्य के रूप में नामांकन दाखिल किया।राज्यसभा के लिए नामांकन करने वाले इन प्रमुख चेहरों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा शामिल रहे। इन तीनों कद्दावर नेताओं का एक साथ विधानसभा पहुंचना और उम्मीदवारी पेश करना बिहार की सत्ताधारी गठबंधन की एकजुटता का एक बड़ा प्रमाण माना जा रहा है।

आपको बता दें कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दो दशक बाद नई राजनीतिक पारी शुरू करने जा रहे हैं। उन्होंने अपने जन्मदिन एक मार्च के चार दिन बाद राज्यसभा जाने की घोषणा की। नीतीश 75 साल के हो गए हैं। ▶10 पर

हम दो हमारे दो-तीन पर मिलेंगे 25 हजार

अमरावती, 05 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने गुरुवार को कहा कि राज्य सरकार गिरती जन्म दर को बढ़ावा देने के लिए जोड़ों को उनके दूसरे बच्चे के जन्म से 25,000 रुपये का प्रोत्साहन देने पर विचार कर रही है। विधानसभा को संबोधित करते हुए, नायडू ने कहा कि सरकार का लक्ष्य आंध्र प्रदेश की कुल प्रजनन दर को वर्तमान 1.5 से बढ़ाकर 2.1 करना है, जो कि प्रतिस्थापन स्तर (रिप्लेसमेंट लेवल) से नीचे है।

नायडू ने कहा, हम एक नवीन पद्धति पर विचार कर रहे हैं। हम दूसरे या उससे अधिक बच्चे होने पर माता-पिता को प्रसव के समय ही 25,000 रुपये देंगे। यह एक बड़ा गेम-चेंजर साबित होगा। यदि हम इसे लागू कर पाते हैं, तो यह बहुत उपयोगी होगा।

जनसंख्या प्रबंधन के महत्व पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने उल्लेख किया कि कई देश वर्तमान में वृद्ध होती आबादी के कारण गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि दक्षिण भारत में भी युवा आबादी का अनुपात बनाए रखना भविष्य के लिए आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार मार्च के अंत तक जनसंख्या प्रबंधन पर एक विस्तृत नीति लाने की योजना बना रही है और इसे अप्रैल से लागू किया जाएगा।

इस नीति का मुख्य उद्देश्य राज्य के जनसांख्यिकीय संतुलन को बनाए रखना और भविष्य में श्रम शक्ति की कमी को रोकना है।

संकट के बीच भारत की मदद को आगे आया रूस 95 लाख बैरल कच्चे तेल की खेप देने को तैयार

मास्को, 05 मार्च (एजेंसियां)।

मध्य पूर्व में गहराते सैन्य संघर्ष और तनाव के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार में बड़ा संकट खड़ा हो गया है। सामरिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य से कच्चे तेल की आवाजाही का रास्ता बंद होने से भारत सहित दुनिया भर के देशों के लिए आपूर्ति श्रृंखला बाधित हो गई है। ऐसे में भारत के पुराने मित्र रूस ने संकटमोचक की भूमिका निभाते हुए कच्चे तेल की खेप को भारत की ओर मोड़ने की तत्परता दिखाई है। ताजा रिपोर्टों के अनुसार, वर्तमान में भारतीय जलक्षेत्र के पास अंतरराष्ट्रीय जहाजों पर लगभग 95 लाख बैरल रूसी कच्चा तेल मौजूद है, जिसे कुछ ही हफ्तों के भीतर भारतीय रिफाइनरियों तक पहुंचाया जा सकता है। यह विकासक्रम भारत के लिए एक बड़ी राहत के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का लगभग 50 प्रतिशत तेल मध्य पूर्व के देशों से आयात करता था। होर्मुज जलडमरूमध्य में अस्थिरता के कारण यह मार्ग अब असुरक्षित हो गया है, जिससे शिपमेंट बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। हालांकि जहाजों पर लदे इस रूसी तेल का मूल गंतव्य स्पष्ट नहीं किया गया है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि गैर-रूसी बेड़े के जहाजों द्वारा ले जाए जा रहे इस माल को भारत की तत्काल आवश्यकता को देखते हुए जल्दी से डायवर्ट किया जा सकता है।भारत की वर्तमान स्थिति की बात करें तो देश के पास अभी सीमित तेल भंडार मौजूद है। रिपोर्टों के अनुसार, भारत के पास कच्चे तेल का भंडार लगभग 25 दिनों की घरेलू मांग को पूरा करने के लिए ही पर्याप्त है। इसके अलावा डीजल, पेट्रोल और पेट्रोलियम गैस जैसे रिफाइंड उत्पादों का स्टाक भी लगातार कम हो रहा है। भारतीय रिफाइनरियां प्रतिदिन लगभग 5.6 मिलियन बैरल तेल को रिफाइन करती हैं, जिसका अर्थ है कि शिपिंग मार्गों में जरा सी भी लंबी रुकावट देश में ईंधन की भारी किल्लत पैदा कर सकती है। सरकारी सूत्रों का कहना है कि नई दिल्ली ने वैकल्पिक आपूर्ति विकल्पों की तलाश तेज कर दी है, क्योंकि अंदेशा है कि मध्य पूर्व का यह संघर्ष अगले 10-15 दिनों तक और खिंच सकता है। इस अनिश्चितता के बीच रूस ने संकेत दिया है कि वह इस आपूर्ति अंतराल को पाटने के लिए पूरी तरह तैयार है। विशेषज्ञों का मानना है कि रूस संभावित रूप से भारत की कुल कच्चे तेल की जरूरतों का 40 प्रतिशत तक हिस्सा अकेले पूरा कर सकता है।

न्यूज ब्रीफ

कनाडा के पीएम कार्नी बोले- कुछ भी हो जाए हम जंग लड़ने से पीछे नहीं हट सकते

ओटावा। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने मध्य पूर्व में जारी भीषण संघर्ष को लेकर एक बड़ा बयान दिया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय राजनीति में हलचल तेज हो गई है। ओटावा में गुरुवार को पत्रकारों से बात करते हुए प्रधानमंत्री कार्नी ने स्पष्ट किया कि अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान के खिलाफ चलाए जा रहे युद्ध में कनाडा की सैन्य भागीदारी की संभावना से पूरी तरह इनकार नहीं किया जा सकता है।यदि परिस्थितयां जंग वाली हुई तो कुछ भी हो जाए हम जंग लड़ने से पीछे नहीं हट सकते। उनकी यह टिप्पणी इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि इससे पहले उन्होंने एक बयान में कहा था कि संघर्ष को जन्म देने वाले कुछ अमेरिकी-इजरायली हमले अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे से बाहर प्रतीत होते हैं। हालांकि, अब उनके रुख में आया यह बदलाव क्षेत्र में बदलती सैन्य परिस्थितियों की ओर इशारा कर रहा है। ईरान के प्रति अपनी सरकार का दृष्टिकोण स्पष्ट करते हुए मार्क कार्नी ने कहा कि मध्य पूर्व में अस्थिरता और आतंकवाद का मुख्य स्रोत ईरान ही है। उन्होंने ईरान के मानवाधिकार रिकार्ड की कड़ी आलोचना करते हुए जोर दिया कि उसे किसी भी कीमत पर परमाणु हथियार विकसित करने या प्राप्त करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। कार्नी के अनुसार, कनाडा और उसके अंतरराष्ट्रीय साझेदार लगातार ईरान से अपने परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह समाप्त करने का आग्रह कर रहे हैं। उन्होंने जी7 शिखर सम्मेलन की चर्चाओं और पिछले वर्ष संयुक्त राष्ट्र द्वारा फिर से लागू किए गए कड़े प्रतिबंधों का हवाला देते हुए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।कैनबरा में आस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीज के साथ एक संयुक्त प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान भी मार्क कार्नी ने इसी तरह का एकजुट रुख दिखाया। दोनों नेताओं ने मध्य पूर्व में बढ़ती शत्रुता को कम करने की अपील तो की, लेकिन साथ ही ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को वैश्विक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बताया। कनाडा के इस कड़े रुख से संकेत मिल रहे हैं कि यदि ईरान और इजरायल के बीच तनाव और अधिक बढ़ता है, तो कनाडाई सेना पश्चिमी गठबंधन के साथ मिलकर प्रत्यक्ष सैन्य कार्रवाई का हिस्सा बन सकती है। यह घटनाक्रम आने वाले दिनों में पश्चिमी देशों की रणनीति में बड़े बदलाव का संकेत दे रहा है।

यूएस कर्नल का दावा- भारतीय बेस से हो रहे ईरान पर हमले, एमईए ने दावों को किया खारिज

वाशिंगटन। ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच चल रहा भीषण संघर्ष अब अपने छठे दिन में प्रवेश कर चुका है। इस युद्ध की तपिश अब कूटनीतिक गलियारों से होते हुए बयानों और दावों के युद्ध तक पहुँच गई है। हाल ही में अमेरिका के एक पूर्व कर्नल डगलस मैकग्रेगर ने एक इंटरव्यू में चौंकाने वाला दावा किया कि मध्य पूर्व में स्थित अमेरिका के सभी सैन्य ठिकाने ईरानी हमलों में तबाह हो चुके हैं। उन्होंने आगे कहा कि अब ईरान पर नए सिरे से हमले करने के लिए अमेरिका को भारतीय बंदरगाहों और सैन्य अड्डों की मदद लेनी पड़ रही है। हालांकि, भारत सरकार ने इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा कि ये खबरें पूरी तरह निराधार और मनगढ़ंत हैं। मंत्रालय ने ऐसी भ्रामक टिप्पणियों के खिलाफ चेतावनी देते हुए स्पष्ट किया कि भारत की नीति अपनी धरती पर किसी भी विदेशी सैन्य अड्डे की अनुमति न देने की रही है। भारत ने सभी पक्षों से संयम बरतने और तनाव कम करने की अपील की है।

कल्पना से भी परे था खामेनेई को मारने का प्लान, कैमरे हैक किए फिर एआई से ली मदद

तेल अवीव। इजराइल ने खामेनेई और सीनियर ईरानी अधिकारियों को ट्रैक करने के लिए तेहरान के ट्रैफिक कैमरे हैक कर लिए थे। रिपोर्ट के मुताबिक इजरायल ने ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई और दूसरे बड़े अधिकारियों के बाडीगार्ड पर नजर रखने के लिए तेहरान के बड़े ट्रैफिक कैमरा नेटवर्क में घुसपैठ की थी। ये कैमरे मोसाद ने हैक कर लिए थे और खामेनेई की हर मूवमेंट पर नजर रखी जा रही थी।ईरान में लगे कैमरों को देश के सर्विलांस सिस्टम का हिस्सा माना जाता है। ईरान के इन कैमरों का इस्तेमाल प्रदर्शनकारियों और सरकार के विरोधियों की पहचान करने और उन्हें ट्रैक करने के लिए किया जाता है। हालांकि, इजरायल की मोसाद इन कैमरों को ईरानी सरकार के खिलाफ मोड़ने में कामयाब रही। रिपोर्ट के मुताबिक, इजरायल को सालों पहले कैमरों का एक्सेस मिला और उसने पाया कि एक खास कैमरा इस तरह से एंगल पर लगा था कि उससे पता चलता था कि खामेनेई की सिक्योरिटी टीम के सदस्य अपनी कारें कहां पार्क करते हैं। कैमरों के जरिए इजरायली इंटेलिजेंस मोसाद ने गार्ड्स के पते, काम के शेड्यूल और उन्हें किसकी सुरक्षा के लिए नियुक्त किया गया था.. इन सब पर फाइलें तैयार कीं।

ईरानी युद्धपोत को श्रीलंका में बनाया निशाना, 87 नौसैनिक मारे गए, खामेनेई के अंतिम संस्कार का कार्यक्रम स्थगित

तेहरान/तेल अवीव, 05 मार्च (एजेंसियां)।

ईरान पर अमेरिका-इजराइल के संयुक्त हमले के बाद समूचा मध्य पूर्व (मिडिल ईस्ट) रणभूमि बना हुआ है। हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई और परिवार के सदस्यों की मौत हो चुकी है। ईरान में हालात इतने मुश्किल हो गए हैं कि खामेनेई को सुपुर्द-ए-खाक करने के सभी कार्यक्रम फिलहाल स्थगित कर दिए हैं। अमेरिका-इजराइल और ईरान के आक्रामक तेवरों से उठ रही युद्ध की लपटों से व्यापक तबाही हुई है। ईरान के एक युद्धपोत को निशाना बनाकर श्रीलंका में डुबो दिया गया है। इसमें 87 ईरानी नौसैनिक मारे गए हैं। सैन्य संघर्ष में उलझे राष्ट्रों का एक-दूसरे को धमकी देने का सिलसिला जारी है। रिपोर्ट्स में इस घटनाक्रम पर व्यापक चर्चा की गई है। इनका निचोड़ है कि यह युद्ध लंबा खिंच सकता है। ईरान ने धमकी दी है कि अगर इजराइल और अमेरिका के इस्लामिक रिपब्लिक पर हमले जारी रहेंगे तो वह डिमोना न्यूक्लियर साइट को निशाना बनाएगा। उधर, ईरानी बैलिस्टिक मिसाइल के दागने से मध्य इजराइल में रातभर खतरे के सायरन बजते रहे। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने लोगों को तत्काल इलाका खाली करने की चेतावनी जारी की है। इसके बाद आईडीएफ ने बेरूत में हिजबुल्लाह के गढ़ पर हमला किया है।

यूएस चार्टर्ड उड़ान मिडिल ईस्ट से निकली - इजराइल की मैगन डेविड एडोम एम्बुलेंस सर्विस ने कहा है कि ईरान के नए बैलिस्टिक मिसाइल हमले में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। उधर, कतर ने सावधानी बरतते हुए अमेरिकन एंबेसी के आसपास के इलाके से लोगों को सुरक्षित निकाल लिया है। अमेरिका के स्टेट डिपार्टमेंट ने कहा कि देश के नागरिकों के लिए यूएस चार्टर्ड उड़ान मिडिल ईस्ट से निकल चुकी है। युद्ध शुरू होने के बाद यह पहली उड़ान बताई जा रही है। स्टेट डिपार्टमेंट ने कहा है कि उड़ानों की संख्या बढ़ाई जाएगी। यूएई, कतर, सऊदी अरब और इजराइल में रह रहे लोग अगर स्वदेश लौटना चाहते हैं तो क्राइसिस इनटेक फार्म भरें या स्टेट डिपार्टमेंट की 24/7 टास्क फोर्स से +1-202-501-4444 पर संपर्क करें।

हिजबुल्लाह के गढ़ और अमेजन डेटा सेंटर पर हमला - इजराइल ने कहा कि उसने तेहरान के साथ-साथ बेरूत में हिजबुल्लाह के इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमला शुरू कर दिया है। ईरान ने कहा है कि उसने बहरीन में

एक अमेजन डेटा सेंटर पर ड्रोन हमला किया है। इस बीच अमेरिका में रिपब्लिकन ने उस प्रस्ताव को खारिज कर दिया जिसका मकसद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को तेहरान के खिलाफ भविष्य की यूएस मिलिट्री कार्रवाई के लिए कांग्रेस से मंजूरी लेने की जरूरत थी। पेंटागन ने रविवार को कुवैत में ड्रोन हमले में मारे गए दो सदस्यों की पहचान कर ली है।

ईरान में अब तक 1000 से ज्यादा लोगों की मौत - अमेरिका की एक मानवाधिकार एजेंसी के मुताबिक, इस अमेरिका और इजराइल के हमले में अब तक ईरान के अंदर 1,000 से अधिक लोग मारे गए हैं। रक्षामंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका ने ईरान पर युद्ध को और तेज कर दिया है। तुर्किये से श्रीलंका तक मौजूद ईरान के सैन्य साजो सामान को लक्ष्य किया गया है। इजराइल भी तेहरान और लेबनान में तेज हमले कर रहा है। हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका ने हिंद महासागर में एक ईरानी युद्धपोत को डुबो दिया। इस बीच ईरानी सरकार ने कहा कि अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार का कार्यक्रम तीन दिन टाल दिया गया है।

ईरान के 32 नौसैनिक घायल - अमेरिकी स्टेट डिपार्टमेंट के एक अधिकारी ने कहा कि उम्मीद है कि लगभग 6,500 लोग मिडिल ईस्ट से स्वदेश पहुंच जाएंगे। उड़ानों की संख्या बढ़ाने के साथ अन्य विकल्पों पर ठोस निर्णय लिया जा चुका है। हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका ने भारत से लौट रहे एक ईरानी युद्धपोत को श्रीलंका के पास हमला कर डुबा दिया है। हमले में अब तक 87 ईरानी नौसैनिक मारे गए हैं। श्रीलंका की नौसेना ने 32 घायल नौसैनिकों का रेस्क्यू कर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया है। इसमें लगभग 180 नौसैनिक सवार थे। यह ईरानी युद्धपोत पिछले महीने भारत के विशाखापत्तनम में आयोजित 2026 इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू में हिस्सा लेकर लौट रहा था। श्रीलंकाई अधिकारियों ने बताया कि बुधवार सुबह करीब 6 से 7 बजे के बीच (भारतीय समय के मुताबिक) यह युद्धपोत दक्षिणी श्रीलंका के गाले शहर से करीब 40 समुद्री मील (करीब 75 किलोमीटर) दूर था।

17,500 से अधिक अमेरिकी सुरक्षित लौटे - अमेरिका ने कहा है कि 28 फरवरी से अब तक 17,500 से अधिक अमेरिकी नागरिक मध्य पूर्व से सुरक्षित रूप से स्वदेश लौट चुके हैं। अमेरिकी विदेश विभाग के मीडिया नोट में सहायक विदेश सचिव डिलन जानसन ने कहा कि अकेले मंगलवार को ही 8,500 से अधिक अमेरिकी नागरिक अमेरिका लौटे। अमेरिका ने क्षेत्र में बढ़ते तनाव और सुरक्षा जोखिमों के बीच अपने नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए निकासी और सहायता प्रयास तेज कर दिए हैं। उधर, इंटरनेट मानिटरिंग संगठन नेटब्लाक्स ने बताया है कि ईरान लगभग 100 घंटे से इंटरनेट कनेक्टिविटी से लगभग पूरी तरह कट गया है। यह इस साल दूसरी बार है जब ईरान में इस तरह का इंटरनेट शटडाउन लागू किया गया है।

ईरान की इजरायल के परमाणु केंद्र को निशाना बनाने की धमकी - एक ईरानी सैन्य अधिकारी ने चेतावनी दी है कि यदि अमेरिका और इजराइल इस्लामिक गणराज्य में शासन परिवर्तन की कोशिश करते हैं तो ईरान इजरायल के डिमोना परमाणु केंद्र को निशाना बना सकता है। इरना न्यूज एजेंसी के अनुसार, इस अधिकारी ने कहा कि ऐसी किसी भी कोशिश की स्थिति में दक्षिणी इजरायल में स्थित इस परमाणु सुविधा पर हमला किया जा सकता है। अमेरिकी समर्थन से कुर्द लड़ाकों की ईरान में उतरने की तैयारी उत्तरी इराक में स्थित कुर्द ईरानी असंतुष्ट समूह अमेरिकी समर्थन से ईरान में संभावित सीमा पार सैन्य अभियान की तैयारी में हैं।

स्पेन ने अमेरिकी सेना के साथ सहयोग पर जताई सहमति, ट्रेड प्रतिबंध की ट्रंप की चेतावनी के बाद बदले संकेत

वाशिंगटन, 05 मार्च (एजेंसियां)।

ईरान पर अमेरिकी-इजराइली हमलों को लेकर मतभेदों के बीच स्पेन ने अमेरिकी सेना के साथ सहयोग करने पर सहमति जताई है। यह जानकारी व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने बुधवार को दी। लेविट ने संवाददाताओं से कहा कि स्पेन ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के संदेश को स्पष्ट रूप से सुना है और पिछले कुछ घंटों में अमेरिकी सेना के साथ सहयोग के लिए सहमति व्यक्त की है। एक दिन पहले ट्रंप ने मैड्रिड पर व्यापार प्रतिबंध लगाने की चेतावनी दी थी।

राष्ट्रपति ट्रंप ने संकेत दिया था कि यदि स्पेन ने तेहरान के खिलाफ सैन्य अभियान में दक्षिणी स्पेन स्थित संयुक्त नौसैनिक और वायु ठिकानों के उपयोग की अनुमति नहीं दी, तो वह व्यापारिक संबंधों पर पुनर्विचार कर सकते हैं।

स्पेन ने अमेरिकी और इज़राइली बमबारी की आलोचना करते हुए इसे लापरवाह और अवैध करार दिया था। उप-प्रधानमंत्री मारिया जीसस मोंटेरो ने कहा कि स्पेन किसी भी देश का अधीनस्थ नहीं बनेगा। वहीं प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने राष्ट्र के नाम संबोधन में युद्ध-विरोधी रुख दोहराते हुए चेताया कि यह संघर्ष वैश्विक आपदा का कारण बन सकता है।

विश्लेषकों का मानना है कि बढ़ते अंतरराष्ट्रीय दबाव और संभावित आर्थिक परिणामों को देखते हुए स्पेन ने अपने रुख में लचीलापन दिखाया है, हालांकि मैड्रिड ने आधिकारिक तौर पर अपने युद्ध-विरोधी रुख से पीछे हटने की घोषणा नहीं की है।

इंसान की ऊंचाई दिनभर में घट-बढ़ सकती है 1-2 सेंटीमीटर तकः शोध

वाशिंगटन। लोगों का मानना हैं कि उनकी लंबाई स्थायी होती है, लेकिन विज्ञान बताता है कि ग्रैविटी के कारण इंसान की ऊंचाई दिनभर में लगभग 1-2 सेंटीमीटर तक घट-बढ़ सकती है। वैज्ञानिकों की माने तो सुबह उठते ही हम सबसे लंबे होते हैं क्योंकि रात भर लेटने से रीढ़ की हड्डी पर दबाव कम हो जाता है और स्पाइनल डिस्क्स फैलने लगती हैं। लेकिन अंतरिक्ष में यह बदलाव इससे कई गुना ज्यादा चौंकाने वाला होता है। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के अनुसार, माइक्रोग्रैविटी यानी लगभग वजनहीन माहौल में एस्ट्रोनाट्स की हाइट औसतन 3 प्रतिशत तक बढ़ जाती है, वह भी सिर्फ शुरुआती 3-4 दिनों में। इसका मुख्य कारण है कि स्पेस में रीढ़ की डिस्क्स पर धरती जैसी ग्रैविटी का दबाव नहीं होता और वे स्वतंत्र रूप से फैल जाती हैं। धरती पर ग्रैविटी लगातार स्पाइनल कालम को संकुचित करती रहती है, जिससे हमारी लंबाई स्थिर बनी रहती है। लेकिन स्पेस में दबाव पूरी तरह खत्म हो जाता है। इसी वजह से न केवल हाइट बढ़ती है, बल्कि शरीर की मुद्रा, बैठने का तरीका और कंधों की स्थिति तक बदल जाती है।

सऊदी अरब के किले को नहीं भेद पा रही ईरानी मिसाइलें, मल्टी-लेयर्ड डिफेंस कर रहा सुरक्षा

इंफ्रास्ट्रक्चर और तेल सुविधाओं की रक्षा के लिए सैकड़ों हिट-टू-किल इंटरसेप्टर मौजूद

रियाद, 05 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिका और इजराइली हमलों के जवाब में ईरान खाड़ी देशों पर लगातार हमले कर रहा है। सऊदी अरब की राजधानी रियाद में अमेरिकी दूतावास पर हमला किया है। वहीं सऊदी अरब के तेल रिफाइनरी पर भी हमला किया है। ईरान की मिसाइलें लगातार खाड़ी देशों पर गिर रही हैं। हालांकि कुछ मिसाइलों का असर जरूर हुआ है लेकिन ज्यादातर मिसाइलों को रोक दिया गया है, जैसे संयुक्त अरब अमीरात पर अभी तक 160 बैलिस्टिक मिसाइलें दागी गई हैं जिनमें से 4-5 मिसाइलें ही गिरी। इस तरह सऊदी भी ईरानी मिसाइलों के सीधे निशाने पर है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सऊदी अरब का एयर डिफेंस ड्रोन और मिसाइलों को रोकने के लिए मल्टी-लेयर्ड डिफेंस नेटवर्क का इस्तेमाल करता है। सऊदी अरब का डिफेंस बजट 78 अरब डालर का है और वह अमेरिकी थाड एयर डिफेंस सिस्टम और पैट्रियट इंटरसेप्टर, दक्षिण कोरिया का एयर डिफेंस सिस्टम और चीनी एंटी-ड्रोन लेजर टेक्नोलाजी का इस्तेमाल करता है। सऊदी अरब अपनी सेना को आधुनिक बनाने में भारी भरकम रुपया खर्च करता है। 2025 में उसने अपनी सेना पर 80 अरब डालर खर्च किए हैं। इसका एक बड़ा हिस्सा रायल सऊदी एयर डिफेंस फोर्स को मुश्किल हवाई खतरों के खिलाफ एक मजबूत, मल्टी-लेयर्ड शील्ड बनाने के लिए दिया गया। ईरान जब सऊदी अरब पर हमला कर रहा है तो ये डिफेंस सिस्टम सक्रिय है। 640 पैट्रियट पीएसी-3 इंटरसेप्टर-अमेरिका में बना पैट्रियट पीएसी-3 एयर डिफेंस सिस्टम छोटी और मीडियम रेंज की बैलिस्टिक मिसाइलों को इंटरसेप्ट करने के लिए डिजाइन किया गया है। सऊदी अरब के पास जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर और तेल सुविधाओं की रक्षा के लिए सैकड़ों ऐसे हिट-टू-किल इंटरसेप्टर हैं। थाड यूनिट एक्टिवेट-पिछले साल सऊदी अरब ने आधिकारिक तौर पर अपनी पहली टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस यूनिट एक्टिवेट कर दी थी। यह एक एडवांस्ड अमेरिकन सिस्टम है और जरूरी अपर-टियर लेयर देता है। ये एयर डिफेंस सिस्टम पृथ्वी के एटमास्फियर के अंदर और बाहर दोनों जगह बैलिस्टिक मिसाइलों को नष्ट कर देता है। ये लोअर-टियर टैक्टिकल बैलिस्टिक मिसाइलों और एयरक्राफ्ट को इंटरसेप्ट करने में माहिर है। 35एमएम स्काईगार्ड ट्विन कैनन-वहीं करीबी सुरक्षा के लिए सऊदी अरब ओर्लिकान स्काईगार्ड 35एमएम ट्विन कैनन जैसी पारंपरिक एंटी-एयरक्राफ्ट आर्टिलरी का इस्तेमाल करता है। ये सिस्टम आधुनिक रडार के साथ एक्टिवली इंटीग्रेटेड हैं ताकि कम ऊंचाई पर उड़ने वाले ड्रोन और क्रूज मिसाइलों को नष्ट किया जा सके। सऊदी अरब, चीन का साइलेंट हंटर जो 30-किलोवाट का फाइबर-आप्टिक लेजर सिस्टम है, उसका भी इस्तेमाल करता है।

सऊदी-पाक रक्षा समझौते के बीच गहराया क्षेत्रीय युद्ध का संकट, जाल में फंस गया है पाकिस्तान

इस्लामाबाद, 05 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिका और ईरान के बीच भड़क रही युद्ध की चिंगारी अब धीरे-धीरे समूचे क्षेत्र को अपनी चपेट में ले रही है। रणनीतिक विशेषज्ञों के बीच अब यह आशंका प्रबल हो गई है कि इस भीषण संघर्ष की आग जल्द ही पाकिस्तान की सीमाओं तक पहुंच सकती है। इस संभावित खतरे की जड़ में पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुआ वह ऐतिहासिक सुरक्षा समझौता है, जो अब पाकिस्तान के लिए गले की फांस बनता नजर आ रहा है।

सितंबर 2025 में दोनों देशों ने रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौते (एसएमडीए) पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके तहत किसी भी एक देश पर होने वाले हमले को दोनों देशों पर हमला माना जाना तय हुआ था। इस समझौते की प्रकृति ऐसी है कि यदि कोई बाहरी शक्ति सऊदी अरब की संप्रभुता को चुनौती देती है, तो पाकिस्तान सैन्य रूप से उसकी रक्षा करने के लिए बाध्य है।

वर्तमान परिदृश्य में ईरान द्वारा सऊदी अरब के विभिन्न शहरों, रिफाइनरियों और तेल प्रतिष्ठानों पर लगातार ड्रोन और मिसाइल हमले किए जा रहे हैं। समझौते की शर्तों के अनुसार, पाकिस्तान को अब तक सक्रिय सैन्य भूमिका में होना चाहिए था, लेकिन हकीकत इसके उलट दिख रही है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोशल मीडिया के माध्यम से इन हमलों की निंदा तो की है और सऊदी अरब के साथ एकजुटता भी दिखाई है, परंतु धरातल पर किसी भी प्रकार की युद्धक सहायता या जवाबी कार्रवाई का अभाव स्पष्ट दिखाई दे रहा है। कूटनीतिक हलकों में यह चर्चा तेज है कि पाकिस्तान अपने ही बुने हुए रक्षा जाल में उलझ गया है, जहां एक तरफ अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धता है और दूसरी तरफ पड़ोसी देश ईरान से सीधे टकराव का जोखिम।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री इसहाक डार ने इस जटिल स्थिति पर सफाई देते हुए कहा कि वे लगातार सऊदी अरब और ईरान दोनों के शीर्ष नेतृत्व के संपर्क में हैं। उन्होंने खुलासा किया कि इस्लामी सहयोग संगठन की बैठक के दौरान उन्होंने ईरानी समकक्ष को स्पष्ट कर दिया था कि सऊदी अरब के साथ पाकिस्तान का रक्षा समझौता है। हालांकि, ईरान ने इसके बदले में यह आश्वासन मांगा कि सऊदी अरब की धरती का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ न किया जाए। डार का दावा है कि पाकिस्तान की मध्यस्थता के चलते ही सऊदी अरब पर युद्ध का प्रभाव अब तक सीमित रहा है।

पाकिस्तान फिलहाल तुर्की, कतर, संयुक्त अरब अमीरात और यूरोपीय संघ सहित दर्जनों देशों के साथ फोन पर कूटनीतिक सक्रियता दिखाकर खुद को एक शांतिदूत के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहा है। लेकिन सवाल वही बना हुआ है कि यदि ईरान और सऊदी अरब के बीच तनाव और बढ़ता है, तो क्या पाकिस्तान अपने रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौते की मर्यादा रख पाएगा या फिर यह समझौता केवल कागजों तक ही सीमित रह जाएगा इस दोहरी नीति ने पाकिस्तान की सैन्य साख और क्षेत्रीय स्थिरता पर बड़े सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं।

भारत और फिनलैंड ने विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग पुख्ता करने के लिये संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया

नयी दिल्ली,05 मार्च (एजेंसियां)। भारत और फिनलैंड ने प्रौद्योगिकी से लेकर रक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और प्रगाढ़ बनाने के लिये अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा देने का निर्णय लिया है।दोनों देशों ने कहा है कि केवल सैन्य टकरावों से विवादों का समाधान संभव नहीं है। उन्होंने यूक्रेन से लेकर पश्चिम एशिया तक सभी सैन्य टकरावों को जल्द रोकने पर भी जोर दिया है। दोनों देशों ने कानून के शासन में विश्वास व्यक्त करते हुए वैश्विक संस्थाओं में सुधारों की वकालत की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत यात्रा पर आये फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब के साथ गुरुवार को यहां विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस वक्तव्य में यह बात कही।दोनों देशों ने विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए तीन समझौता ज्ञापनों पर भी हस्ताक्षर किए। श्री मोदी ने कहा, हम भारत-फिनलैंड संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का रूप दे रहे हैं। यह साझेदारी ए आई से लेकर 6 जी दूरसंचार , स्वच्छ ऊर्जा से लेकर क्वांटम कंप्यूटिंग ,कई हाई-टेक क्षेत्रों में हमारे सहयोग को गति और ऊर्जा देगी।

प्रधानमंत्री ने कहा भारत और फिनलैंड, दोनों कानून के शासन, कूटनीति और संवाद में विश्वास रखते हैं।हम एकमत हैं कि केवल सैन्य टकराव से किसी भी मुद्दे का समाधान नहीं निकल सकता है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन हो या पश्चिमी एशिया, हम संघर्ष की शीघ्र समाप्ति और शांति के हर प्रयास का समर्थन करते रहेंगे।

श्री मोदी ने कहा कि वर्ष 2026 की शुरुआत में ऐतिहासिक भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता हुआ। यह समझौता भारत और फिनलैंड के बीच व्यापार निवेश और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग को और प्रबल करेगा। फिनलैंड के राष्ट्रपति शाम को यहां प्रतिष्ठित रायसीना डायलॉग में मुख्य अतिथि के तौर पर हिस्सा लेंगे और मुख्य भाषण देंगे।

कांग्रेस को तगड़ा झटका, 3 निलंबित एमएलए भाजपा में शामिल

गुवाहाटी, 05 मार्च (एजेंसियां)। असम कांग्रेस के तीन निलंबित विधायक कमलाख्या डे पुरकायस्थ, बसंत दास और शशि कांत दास शनिवार को गुवाहाटी स्थित राज्य भाजपा मुख्यालय में राज्य पार्टी अध्यक्ष दिलीप सैकिया की उपस्थिति में विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। चुनाव से पहले कांग्रेस नेताओं का भाजपा में शामिल होना पार्टी के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकता है, खासकर पिछले महीने असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन कुमार बोराह के सत्तारूढ़ दल में शामिल होने के बाद।

केंद्रीय राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने एएनआई को बताया कि अन्य पार्टियों, विशेषकर कांग्रेस के नेता और पदाधिकारी आज भाजपा में शामिल हो रहे हैं। वे हमारी विचारधारा के प्रति अपना समर्थन दिखा रहे हैं। मार्गेरिटा ने आगे कहा कि आगामी चुनावों के लिए कांग्रेस की 42 उम्मीदवारों की सूची में नयापन नहीं है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने मंगलवार को आगामी असम विधानसभा चुनावों के लिए अपने 42 उम्मीदवारों की सूची की घोषणा की।पबित्रा मार्गेरिटा ने कहा कि कांग्रेस द्वारा जारी उम्मीदवारों की सूची में कोई नयापन नहीं है। 42 उम्मीदवारों में से लगभग 20 को पिछले चुनावों में जनता ने कई बार नकार दिया था। हमें इससे कोई चिंता नहीं है। इससे पहले बुधवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कांग्रेस की उम्मीदवारों की सूची की आलोचना करते हुए इसे वंशवादी सूची बताया और भाजपा द्वारा जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं पर दिए जा रहे जोर की सराहना की।

पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि इसे सूची कहा जा सकता है, लेकिन मैं इसे वंशवादी सूची कहूंगा। इसके विपरीत, भाजपा की सूची में जमीनी स्तर के कार्यकर्ता शामिल होंगे। पार्टी आगामी चुनावों के लिए पूरी तरह तैयार है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, इस सूची में असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई (जोरहाट), बिटुपन सैकिया (गोलाघाट), गौरीपुर से अब्दस सोबाहन अली सरकार, गोलपारा पश्चिम (एसटी) से मार्कलाइन मारक, बोंगाईगांव से गिरीश बरुआ, बारपेटा (एससी) से महानंदा सरकार और बोको-चायगांव (एसटी) से रामेन सिंह राभा शामिल हैं।

राहुल ने ईरान में हो रही घटनाओं को लेकर मोदी की चुप्पी पर जताई हैरानी

नयी दिल्ली, 05 मार्च (एजेंसियां) । कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अमेरिकी-इजरायली हमले के कारण ईरान में हो रही घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए इस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चुप्पी पर हैरानी जताई है।श्री गांधी ने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आज दुनिया एक अस्थिर दौर में प्रवेश कर चुकी है और आगे और भी कठिन परिस्थितियाँ हैं।

उन्होंने लिखा कि भारत की तेल आपूर्ति खतरे में है, क्योंकि हमारे आयात का 40 प्रतिशत से अधिक हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। एलपीजी और एलएनजी के लिए स्थिति और भी खराब है।

श्री गांधी ने सारे माहौल के बीच श्री मोदी की चुप्पी पर कहा, यह संघर्ष हमारे पड़ोस तक पहुँच गया है, हिंद महासागर में एक ईरानी युद्धपोत डूब गया है। फिर भी प्रधानमंत्री ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। ऐसे समय में हमें एक स्थिर नेतृत्व की आवश्यकता है। इसके विपरीत, भारत के पास एक समझौतावादी प्रधानमंत्री है जिसने हमारी रणनीतिक स्वायत्तता को त्याग दिया है।

वाहनों की खुदरा बिक्री का फरवरी में बना नया रिकॉर्ड

नयी दिल्ली, 05 मार्च (एजेंसियां)। देश में वाहनों की बिक्री का रिकॉर्ड तोड़ क्रम साल के दूसरे महीने में भी जारी रहा और 24 लाख से अधिक के आंकड़े के साथ फरवरी की बिक्री का नया रिकॉर्ड बना।

वाहन डीलरों के संगठन फाडा द्वारा गुरुवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि फरवरी 2026 में देश में कुल 24,09,362 वाहन बिके जो एक साल पहले के मुकाबले 25.62 प्रतिशत अधिक है। यात्री वाहन (कारें, उपयोगी वाहन और वैन), दुपहिया, तिपहिया, वाणिज्यिक वाहन और ट्रैक्टरों की बिक्री में पिछली सभी फरवरी से अधिक रही। इनमें क्रमशः 26 प्रतिशत, 25 प्रतिशत, 24 प्रतिशत, 29 प्रतिशत और 36 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी रही।

पिछले साल सितंबर में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती के बाद से देश में वाहनों की बिक्री मजबूत बनी हुई है। फाडा ने बताया कि 75 प्रतिशत से ज्यादा डीलरों को निकट भविष्य में बिक्री और बढ़ने की उम्मीद है।

फाडा के अध्यक्ष सी.एस. विग्नेश्वर ने कहा कि फरवरी 2026 वाहन उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हुआ है। निर्माण उपकरणों (1.22 प्रतिशत) की मामूली गिरावट को छोड़कर अन्य सभी श्रेणियों में तेजी रही है।

उन्होंने बताया कि फरवरी में शहरी क्षेत्र में दुपहिया की बिक्री 29 प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्र में 22 प्रतिशत बढ़ी हैं। आंकड़ों के अनुसार, फरवरी में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री 3,94,768 इकाई रही जो सालाना आधार पर 26.12 प्रतिशत बढ़ी है। तिपहिया की बिक्री 24.39 प्रतिशत बढ़कर 1,17,130 इकाई और दुपहिया की 25.02 प्रतिशत बढ़कर 17,00,505 इकाई पर पहुंच गयी।

वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 28.89 प्रतिशत और ट्रैक्टरों की 36.35 प्रतिशत ऊपर रही। इनकी क्रमशः 1,00,820 इकाई और 89,418 इकाई बिकी। निर्माण उपकरणों की बिक्री 1.22 फीसदी घटकर 6,721 इकाई रही।

अमित शाह ने डिजिटल टूल्स के साथ 'प्रगति' व 'विकास' का किया अनावरण, अब डिजिटल होगी जनगणना 2027

नई दिल्ली, 05 मार्च (एजेंसियां) । केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को नई दिल्ली में जनगणना-2027 के लिए विकसित डिजिटल टूल्स का सॉफ्ट लॉन्च किया। इस दौरान उन्होंने जनगणना के आधिकारिक शुभंकर प्रगति (महिला) और विकास (पुरुष) का भी औपचारिक अनावरण किया। सरकार की ओर से 16 जून 2025 को राजपत्र अधिसूचना जारी किए जाने के साथ ही भारत की जनगणना 2027 की प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू हो चुकी है। दो चरणों में होने वाली यह जनगणना दुनिया का सबसे बड़ा जनगणना अभियान मानी जा रही है। इस बार पहली बार पूरी जन-गणना डिजिटल माध्यम से की जाएगी और नागरिकों को स्व-गणना का विकल्प भी दिया जाएगा। स्व-गणना के लिए एक सुरक्षित वेब-आधारित पोर्टल तैयार किया गया है, जिसके माध्यम से उत्तरदाता घर-घर सर्वेक्षण से पहले अपनी जानकारी 16 भाषाओं में ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे। सफल पंजीकरण के बाद उन्हें एक विशिष्ट स्व-गणना आईडी मिलेगी, जिसे प्रगणक

के साथ साझा करने पर दर्ज जानकारी की पुष्टि की जा सकेगी।

इस अवसर पर चार प्रमुख डिजिटल प्लेटफॉर्म भी लॉन्च किए गए, जिन्हें सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक) ने विकसित किया है। इनमें हाउस लिस्टिंग ब्लॉक क्रिएटर (एनएलबीसी) वेब एप्लिकेशन, एचए-लओ मोबाइल एप्लिकेशन, स्व-गणना पोर्टल और जनगणना प्रबंधन एवं निगरानी प्रणाली पोर्टल शामिल हैं। ये प्लेटफॉर्म जनगणना कार्यों की योजना, डेटा संग्रह और निगरानी को अधिक सटीक और पारदर्शी बनाएंगे।

जनगणना-2027 के शुभंकर प्रगति और विकास को मित्रवत और सहज प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया है। ये दोनों पात्र वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य में महिलाओं और पुरुषों की समान भागीदारी का संदेश भी देते हैं। इन शुभंकरों के माध्यम से जन-गणना से जुड़ी जानकारी समाज के विभिन्न वर्गों तक सरल तरीके से पहुंचाई जाएगी।

जनगणना-2027 का पहला चरण अप्रैल से सितंबर 2026 के बीच गृह-सूचीकरण और आवास संबंधी जानकारी एकत्र करने के लिए चलाया जाएगा।

दूसरा चरण फरवरी 2027 में देशभर में जनसंख्या गणना के रूप में आयोजित होगा, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति के सामाजिक, आर्थिक और जनसांख्यिकीय विवरण दर्ज किए जाएंगे।

पूरे अभियान में देशभर के लगभग 30 लाख प्रगणक, पर्यवेक्षक और अन्य अधिकारी शामिल होंगे, जो सुरक्षित मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से घर-घर जाकर डेटा एकत्र करेंगे।

सरकार का उद्देश्य तकनीक के उपयोग से इस विशाल जनगणना को अधिक सटीक, सुरक्षित और व्यापक बनाना है। इस अवसर पर केन्द्रीय गृह सचिव, भारत के महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

अमेरिका को होगा डेना पर हमले का पछतावा : अराघची

तेहरान, 05 मार्च (एजेंसियां) । ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका को भारतीय नौसेना की मेहमान युद्धपोत डेना पर हमला करने का बहुत पछतावा होने वाला है।

श्री अराघची ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, अमेरिका ने ईरान के तट से 2000 मील दूर समंदर में एक क्रूर कृत्य को अंजाम दिया है।

उन्होंने कहा, करीब 130 नौसैनिकों के साथ भारतीय नौसेना की मेहमान फ्रिगेट डेना पर बिना चेतावनी के अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में हमला किया गया।

राज्यसभा में नीतीश कुमार से सकारात्मक भूमिका की उम्मीद : उमर अब्दुल्ला

जम्मू, 05 मार्च (एजेंसियां) । बिहार के सीएम नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के ऐलान पर जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा कि नीतीश कुमार राज्यसभा में एक पॉजिटिव और कंस्ट्रक्टिव भूमिका निभाएंगे। उन्होंने ये भी कहा कि हमारे तीन साथी राज्यसभा में हैं, मैं उनसे कहूंगा कि समय-समय पर नीतीश कुमार से मिलें। जम्मू में मीडिया से बातचीत के दौरान जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा कि नीतीश कुमार बिहार के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे हैं, यह स्वाभाविक था कि उनका कार्यकाल आ-खिरकार खत्म हो जाएगा। बेशक यह बिहार सरकार और उसके सहयोगियों का अंदरूनी मामला है। चूंकि नीतीश कुमार कभी इंडिया ब्लॉक में हमारे साथी थे, इसलिए बिहार चुनाव 2025 के तीन महीने बाद उनका राज्यसभा जाना ध्यान देने लायक है। अब जब उन्होंने यह निर्णय लिया है, तो हम बिहार के लोगों की सेवा के लिए उन्हें धन्यवाद देते हैं। हम उन्हें शुभकामनाएं देते हैं और उम्मीद करते हैं कि वह भविष्य में राज्यसभा में एक पॉजिटिव और कंस्ट्रक्टिव भूमिका निभाएंगे। नेपाल चुनाव पर उमर अब्दुल्ला ने कहा कि यह अच्छी बात है कि चुनाव होने चाहिए। लोकतंत्र में बिना चुनाव के सरकार कैसे बन सकती है। मैंने अखबारों में जो पढ़ा है, उसके हिसाब से वहां एक नया नेता सामने आया है। अब देखते हैं कि नेपाल के लोग क्या फैसला लेते हैं।

जम्मू सरकार द्वारा चलाए जा रहे प्रोग्राम के बारे में सीएम अब्दुल्ला ने कहा कि हमारे तीन खास प्रोग्राम हैं, जिनके तहत हमारा मकसद खेती और उससे जुड़ी सेव-ाओं में स्टार्ट-अप कल्चर बनाना है। इसके साथ ही मिशन युवा के तहत हम युवाओं में जोश और एंटरप्रेन्योरशिप की भावना पैदा करना चाहते हैं और फिर उन्हें सपोर्ट करना चाहते हैं। ये सरकार के कुछ खास प्रोग्राम हैं जिन्हें हमने शुरू किया है।

श्रीनगर में सिविल सोसायटी के सदस्यों के साथ हुई मुलाकात का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि श्रीनगर में हम सिविल सोसाइटी के सदस्यों और कुछ धार्मिक नेताओं से मिले। मीटिंग के बाद शांति बनाए रखने और कानून अपने हाथ में न लेने की अपील की गई। हमें उन लोगों को इस स्थिति का फायदा नहीं उठाने देना चाहिए जो समय-समय पर जम्मू-कश्मीर का माहौल खराब करने की कोशिश करते हैं।

सुप्रिया सुले की मांग, अजित पवार के प्लेन क्रैश की हो पारदर्शी जांच

मुंबई, 05 मार्च (एजेंसियां) । राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) की कार्यकारी अध्यक्ष और सांसद सुप्रिया सुले ने गुरुवार को 28 जनवरी को बारामती में महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के प्लेन क्रैश की पारदर्शी जांच की मांग की। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सुले ने कहा कि जो लोग अजित पवार का बहुत सम्मान करते हैं, वे इस हादसे के बाद बहुत परेशान हैं। जनता का भरोसा बनाए रखने के लिए एक साफ और ईमानदार जांच जरूरी है। सुले ने कहा, अजित दादा को प्यार करने वाले लोग बेचैन हैं। हादसे की पारदर्शी जांच की सबकी मांग है। रोहित पवार और जय पवार दोनों ने इस बारे में लगातार सवाल उठाए हैं, और यह जरूरी है कि निष्पक्ष जांच के जरिए सच सामने आए।उन्होंने आगे कहा, पूरे महाराष्ट्र में अजित दादा को प्यार करने वाले लोग बेचैन हैं। रोहित और जय इसलिए बोल रहे

हैं क्योंकि जनता में बेचैनी है। जो हुआ उसकी पारदर्शी जांच की सबकी मांग है। मैं यह सिर्फ इसलिए नहीं कह रही कि रोहित और जय मेरे परिवार के सदस्य हैं; यह अजित दादा के अनगिनत समर्थकों की मांग है कि सच पारदर्शी तरीके से सामने आना चाहिए।अजित पवार के बेटे पार्थ पवार के पहली बार राज्यसभा में जाने के साथ, सुले से पूछा गया कि एक बुआ और एक अनुभवी सांसद के तौर पर वह उन्हें क्या सलाह देंगी। शरद पवार से मिली सीख को याद करते हुए, उन्होंने विनम्रता और कड़ी मेहनत पर जोर दिया।सुले ने कहा कि संसद की सीढ़ियां चढ़ने का मौका सिर्फ वोटर्स ही देते हैं।उन्होंने सलाह दी, जब तक आप उनकी भावनाओं के प्रति ईमानदार रहेंगे, आप उन सीढ़ियों पर चढ़ते रहेंगे।उन्होंने आगे कहा कि लेजिस्लेटिव चैंबर्स के लिए उनकी पहली सलाह यह है कि जब तक कोई ठोस बात न हो, 'कान खुले और मुंह बंद' रखें।उन्होंने कहा कि चूंकि पूरा देश पार्लियामेंट की कार्यवाही देखता है और कई मेंबर्स बहुत जानकार होते हैं, इसलिए किसी को भी पूरी पढ़ाई और तैयारी के बाद ही बोलना चाहिए। इत्तेफाक से, पार्थ पवार उनके भतीजे हैं।महाराष्ट्र से सात सीटों के लिए राज्यसभा चुनाव बिना किसी मुकाबले के होने वाले हैं। सत्ताधारी महायुति गठबंधन के छह उम्मीदवारों, केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले, भाजपा महासचिव विनोद तावड़े, आदिवासी नेता माया चिंतामन इवनाते, हिंगोली जिले के धनगर समुदाय से रामराव वडकुटे (भाजपा), पार्थ पवार (एनसीपी) और ज्योति वाघमारे (शिवसेना), ने नामांकन भर दिया है, जबकि महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के समर्थन वाले शरद पवार (एनसीपी-एसपी) भी उच्च सदन में जाने के लिए तैयार हैं।सुले ने शरद पवार को समर्थन करने के लिए एमवीए के सहयोगियों का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने पवार परिवार और बारामती के लोगों के बीच लंबे समय से चले आ रहे रिश्ते को भी माना।उन्होंने कहा, पवार साहेब ने 1967 में जो राजनीतिक सफर शुरू किया था, वह आज भी बारामती के लोगों की वजह से जारी है। जो लोग छह दशकों से उनके साथ खड़े रहे हैं, वे आज भी हमारे साथ हैं। मैं वोटर्स और एमवीए नेतृत्व को धन्यवाद देती हूं, और आज बिना किसी विरोध के चुने गए हर उम्मीदवार को अपनी शुभकामनाएं देती हूं।

दुबई में फंसे लोगों की मदद के लिए सोनू सूद ने उठाया बड़ा कदम, मुफ्त में करेंगे रहने की व्यवस्था

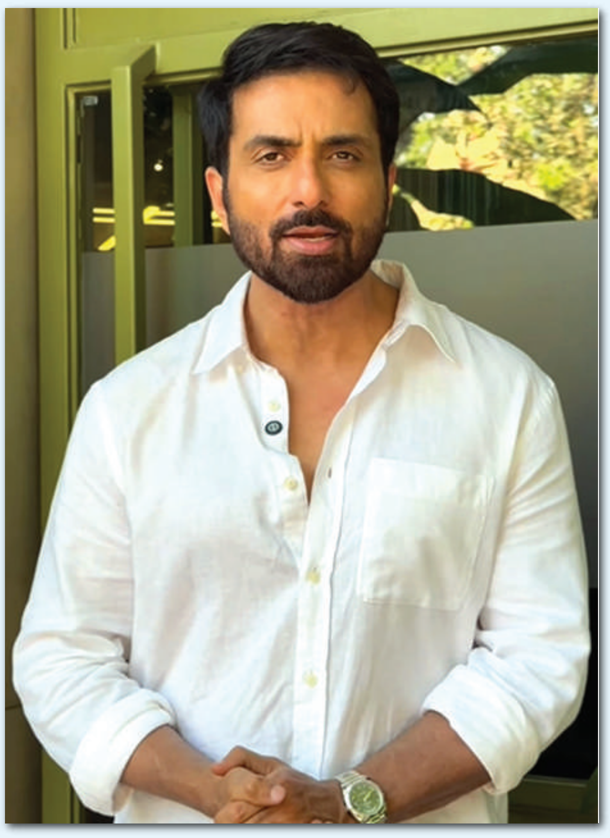

राजपाल यादव की मदद करने के बाद मशहूर एक्टर और प्रोड्यूसर सोनू सूद ने ईरान-इजरायल के बीच चल रहे तनाव के बीच लोगों की मदद करने का फैसला किया है। सोनू सूद ने कहा है कि कि जो लोग युद्ध की स्थिति के बीच दुबई में फंसे हैं, उन्हें मुफ्त आवास की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने मदद का एलान सिर्फ भारतवासियों के लिए नहीं, बल्कि मानवता के आधार पर सभी के लिए किया है। सोनू सूद हमेशा से ही लोगों की निस्वार्थ मदद के लिए जाने जाते हैं और अब उन्होंने दुबई में फंसे मजबूर लोगों के लिए सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने की बात कही है। अभिनेता का कहना है कि बिना किसी शर्त और पैसे के वे उन सभी लोगों की मदद करेंगे, जिनके पास उन हालातों में रहने के लिए सुरक्षित आवास नहीं बचा है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि अगर आप या आपके किसी परिचित के पास रहने की जगह नहीं है तो वो सीधा इंस्टाग्राम के जरिए उनसे कॉन्टैक्ट कर सकते हैं।

सोनू सूद की इस मुहिम को एक बार फिर यूजर्स ने खुलकर सपोर्ट किया है और उनका कहना है कि सोनू सूद पहले ऐसे अभिनेता हैं, जो हर मुश्किल घड़ी में मदद का हाथ आगे बढ़ाते हैं। इससे पहले सोनू सूद ने राजपाल यादव को जेल से बाहर निकालने के लिए पहला कदम उठाया था और फिल्मी जगत से जुड़े लोगों को अपनी सामर्थ अनुसार पैसे डोनेट करने के लिए कहा था।

नतीजा यह हुआ कि कई जाने-माने लोगों ने लाखों रुपए डोनेट किए और 13 दिन की जेल काटने के बाद अभिनेता को बेल मिली।

अब राजपाल यादव का कहना है कि उन्होंने कभी नहीं कहा कि उन्हें काम या पैसों की जरूरत है। उनके पास काम की आज भी कमी नहीं है। उन्होंने अपने नए यूट्यूब चैनल के जरिए यह भी साफ किया था कि उन पर जो चेक बाउंस के आरोप लगे हैं, वह भी गलत हैं। अभिनेता ने कहा था कि वह किसी के सामने न तो गिड़गिड़ाए हैं और न ही काम की भीख मांगी है।

अनिल कपूर के एक्शन अवतार ने जीता फराह खान का दिल, बोलीं-आप कमाल हो

अभिनेता अनिल कपूर की एक्शन थ्रिलर फिल्म 'सूबेदार' गुरुवार को ओटीटी पर स्ट्रीम हो गई। यह फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है। अभिनेता ने इस फिल्म के जरिए दमदार एक्शन अवतार में वापसी की है, जिसकी हर तरफ जमकर तारीफ हो रही है। दर्शक और इंडस्ट्री के लोग उनके अभिनय की खूब प्रशंसा कर रहे हैं। फिल्म की रिलीज के साथ ही मशहूर कोरियोग्राफर और डायरेक्टर फराह खान ने अनिल कपूर की जमकर तारीफ की। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर अनिल के साथ तस्वीर पोस्ट की और लिखा, सूबेदार क्या शानदार फिल्म है। अनिल कपूर सच में आप कमाल हो। इंडस्ट्री के सबसे बेहतरीन अभिनेता। फराह ने लिखा कि डायरेक्टर सुरेश त्रिवेणी को मेडल मिलना चाहिए। उन्होंने फिल्म के अन्य कलाकारों की जमकर तारीफ की। राधिका मदान के बारे में कहा, राधिका मदान, आप बहुत शानदार लगीं। यह अब तक का आपका सबसे अच्छा काम है।

आदित्य रावल की परफॉर्मेंस को लेकर उन्होंने लिखा, आदित्य रावल, आपकी एक्टिंग देखकर मैं सच में शब्दों में कुछ कह नहीं पा रही हूं। फराह ने लिखा, मोना सिंह, क्या ऐसा कोई काम है जो आप नहीं कर सकतीं? साथ ही उन्होंने सौरभ शुक्ला को हमेशा की तरह बेहतरीन बताया।

एक्शन और ड्रामा से भरपूर फिल्म 'सूबेदार' का निर्देशन सुरेश त्रिवेणी ने किया है। फिल्म में अनिल कपूर के अलावा, राधिका मदान, मोना सिंह, अदित्य रावल और सौरभ शुक्ला जैसे मंझे हुए कलाकार अहम किरदार में हैं।

यह फिल्म पारिवारिक-सामाजिक परेशानियों से जूझते एक शख्स की कहानी है, जो सैनिक होते हुए भी जिंदगी में आई चुनौतियों से लड़ने के लिए पूरी जान लगा देता है। 'सूबेदार' अर्जुन मौर्य की कहानी है, जो एक आम नागरिक के रूप में जीवन की चुनौतियों से जूझते हैं। अपनी बेटी के साथ तनावपूर्ण रिश्ते को संभालते हैं और सामाजिक कुप्रथाओं का सामना करते हैं। कभी देश के लिए लड़ने वाले सैनिक रहे सूबेदार को अब अपने घर और परिवार की रक्षा के लिए अपने कई दुश्मनों से लड़ना पड़ा।

मैक्सिको सिटी में शकीरा ने 4 लाख से ज्यादा लोगों के सामने फ्री कॉन्सर्ट कर रचा इतिहास

दुनिया भर में अपनी दमदार आवाज, जबरदस्त डांस और ऊर्जा से भरे स्टेज परफॉर्मेंस के लिए मशहूर कोलंबियाई सिंगर शकीरा ने एक बार फिर इतिहास रच दिया है। संगीत की दुनिया में पहले से ही कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम कर चुकी शकीरा ने इस बार लाइव परफॉर्मेंस के जरिए ऐसा कारनामा कर दिखाया, जिसकी चर्चा पूरी दुनिया में हो रही है। शकीरा ने मैक्सिको सिटी के दिल जाने वाले ऐतिहासिक चौक जोकलो पर 4 लाख से ज्यादा लोगों के सामने परफॉर्म किया। यह इस जगह पर अब तक की सबसे बड़ी भीड़ बताई जा रही है। वीकेंड पर हुए इस कॉन्सर्ट ने पूरी राजधानी को जश्न के रंग में रंग दिया। यह कॉन्सर्ट पूरी तरह फ्री था, जिसकी वजह से देश के अलग-अलग शहरों और राज्यों से लोग शकीरा को सुनने पहुंचे। भीड़ इतनी ज्यादा थी कि सिर्फ मुख्य चौक ही नहीं, बल्कि आसपास की सड़कों और इलाकों में भी बड़ी स्क्रीन लगानी पड़ीं, ताकि दूर खड़े लोग भी शो का आनंद ले सकें।

प्रशासन ने भीड़ को संभालने के लिए खास इंतजाम किए थे। अल्मेडा सेंट्रल और मॉन्यूमेंट टू द रेवोल्यूशन जैसे प्रमुख स्थानों पर भी अतिरिक्त स्क्रीन की व्यवस्था की गई। पूरा इलाका किसी बड़े त्योहार जैसा नजर आया।

शो के दौरान शकीरा ने अपने कई सुपरहिट गानों से माहौल को और भी खास बना दिया। उन्होंने 'हिप्स डोंट लाइ', 'वाका वाका' (दिस टाइम फॉर अफ्रीका), और 'डोंट बॉदर' जैसे गाने गाए। पूरा जोकालो एक बड़े डांस फ्लोर में बदल गया। हजारों लोग एक साथ गा रहे थे और झूम रहे थे।

कॉन्सर्ट में कोलंबियाई कलाकार बीले भी स्टेज पर शकीरा के साथ नजर आए। दोनों ने मिलकर अपने नए गाने 'एल्गो टू' को पहली बार लाइव पेश किया।

फीमेल फर्स्ट यूके की रिपोर्ट्स के मुताबिक, शकीरा जल्द ही ब्राजील के मशहूर शहर रियो डी जेनेरियो में फ्री कॉन्सर्ट करने वाली हैं। यह कॉन्सर्ट उनके मौजूदा वर्ल्ड टूर का हिस्सा है। इस टूर में वह अपने करियर के अलग-अलग दौर के हिट गानों को पेश कर रही हैं।

आत्मसम्मान से समझौता नहीं भूमि पेडनेकर ने करियर को लेकर पेश की साफ सोच

फिल्मी दुनिया में कलाकारों की चमक-दमक अक्सर लोगों को आकर्षित करती है, लेकिन इस चमक के पीछे कड़ा संघर्ष छिपा होता है। इस कड़ी में अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने अपने करियर, बचपन और निजी अनुभवों को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि अभिनय उनके लिए सिर्फ पेशा नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है। कुछ बातें ऐसी हैं जिन पर वे कभी समझौता नहीं कर सकतीं। भूमि पेडनेकर हाल ही में वेब सीरीज 'दलदल' में नजर आई थीं। इस दौरान उन्होंने 'वुमन ऑफ इम्पैक्ट' कार्यक्रम में हिस्सा लिया और अपने जीवन के कई अहम पहलुओं पर बात की।

उन्होंने कहा, ''जब मैं सिर्फ 12 साल की थीं, तभी मैंने अपनी मां को साफ कह दिया था कि मैं अभिनेत्री बनना चाहती हूं। उस उम्र में यह सपना बहुत बड़ा था, लेकिन मैंने अपने लक्ष्य को कभी छोड़ा नहीं। मैंने मेहनत की, सीखा और धीरे-धीरे फिल्म इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई। आज मैं अपनी दमदार भूमिकाओं और मजबूत अभिनय के लिए जानी जाती हूं।''

कार्यक्रम के दौरान भूमि ने अपने स्कूल के दिनों की एक ऐसी घटना भी साझा की, जिसने उन्हें अंदर तक प्रभावित किया था। उन्होंने कहा, ''एक दिन जब मैं अपनी कक्षा में लौटीं तो मुझे एक कागज का टुकड़ा मिला, जिस पर मेरे शरीर को लेकर मजाकिया और अपमानजनक शब्द लिखे थे। उस समय मैं बहुत छोटी थी और ऐसी बातें मेरे मन पर गहरा असर डाल गईं।''

उन्होंने कहा, ''कम उम्र में इस तरह की छींटाकशी और बदमाशी बच्चों को डर और असुरक्षा का एहसास कराती है। यह अनुभव मेरे लिए आसान नहीं था, लेकिन मैंने समय के साथ खुद को मजबूत बनाया।''

भूमि ने कहा, ''मैं किसी भी ऐसी भूमिका का हिस्सा नहीं बनूंगी जिसमें महिलाओं के प्रति अपमान हो। मेरे लिए आत्मसम्मान और महिलाओं का सम्मान सबसे अहम है। मैं ऐसी कहानियों का हिस्सा नहीं बनना चाहती, जहां महिला किरदार को कमजोर या कमतर दिखाया जाए। मैं ऐसे भी किरदार निभाना पसंद नहीं करती जिनमें करने के लिए बहुत कम हो। मैंने अपने करियर में बहुत मेहनत करके एक ऐसी पहचान बनाई है जो उनके अभिनय पर आधारित है, और मैं चाहती हूं कि दर्शक मुझसे मजबूत और प्रभावशाली भूमिकाओं की ही उम्मीद रखें।''

रीडिंग सेशन से की तैयारी, प्रतिभा रांटा ने बताया एक्यूज्ड के किरदार में ढलने का पूरा प्रोसेस

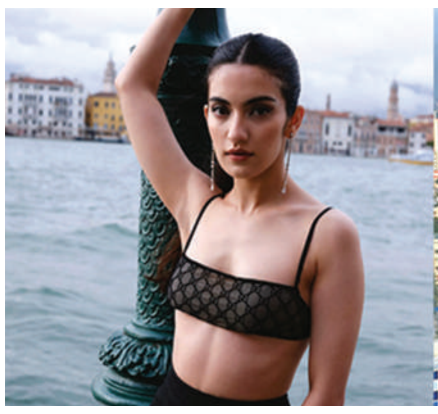

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इन दिनों ऐसी कहानियां ज्यादा पसंद की जा रही हैं, जो समाज के संवेदनशील मुद्दों को ईमानदारी से सामने लाती हैं। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'एक्यूज्ड' भी ऐसी ही एक कहानी लेकर आई है, जिसने लोगों को सोचने पर मजबूर किया है। इस फिल्म में अभिनेत्री प्रतिभा रांटा के अभिनय को खास सराहना मिल रही है। अपने किरदार की जटिल मानसिक स्थिति को समझने और निभाने के लिए उन्होंने खास तैयारी की, जिसके बारे में उन्होंने आईएएनएस से खुलकर बात की। प्रतिभा रांटा ने बताया कि उनके लिए इस किरदार की तैयारी आसान नहीं थी। उन्होंने कहा, ''सबसे पहले मैंने स्क्रिप्ट को कई बार पढ़ा। बार-बार पढ़ने से मुझे किरदार की सोच और भावनाएं बेहतर ढंग से समझ में आईं। जब तक कलाकार अपने किरदार को अंदर से नहीं समझता, तब तक उसका अभिनय अधूरा रहता है, इसलिए मैंने रीडिंग सेशन को अपनी तैयारी का अहम हिस्सा बनाया।'' प्रतिभा ने कहा, ''फिल्म की डायरेक्टर अनुभूति कश्यप और को-स्टार कोंकणा सेन शर्मा के साथ कई वर्कशॉप्स की। इनमें खास-खास सीन्स पर विस्तार से बात की गई। जब हम तीनों एक साथ बैठकर किसी सीन की बारीकियों पर चर्चा करते तो उस सीन को लेकर मन में उठने वाले सवाल क्लियर हो जाते थे। इससे यह समझने में मदद मिली कि कैमरे के सामने जाते समय मुझे किस मानसिक स्थिति में रहना है और सीन को किस दिशा में ले जाना है।'' उन्होंने आगे कहा, ''शूटिंग के दौरान माहौल काफी सहज था। सेट पर पहुंचने के बाद कई बार कलाकार सीन में नए एक्सपेरिमेंट भी करते हैं। जब आप किरदार की भावनाओं में पूरी तरह डूब जाते हैं तो कई चीजें खुद-ब-खुद सामने आने लगती हैं। कभी-कभी इम्प्रोवाइजेशन से सीन और भी ज्यादा प्रभावी बन जाता है। इस फिल्म में ऐसा कई बार हुआ, जब सीन इतने असली लगे जैसे वे किसी की वास्तविक जिंदगी का हिस्सा हों।''फिल्म 'एक्यूज्ड' की कहानी एक ऐसी महिला के इर्द-गिर्द घूमती है, जिस पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया जाता है। यह विषय काफी संवेदनशील है और समाज में कई तरह की बहस को जन्म देता है। फिल्म आरोप, सच और भावनाओं के टकराव को गंभीरता से दिखाती है। इसमें कोंकणा सेन शर्मा और प्रतिभा रांटा मुख्य भूमिकाओं में हैं। प्रतिभा ने कहा, ''मेरे लिए यह किरदार इसलिए खास था क्योंकि इसमें भावनाओं की कई परतें थीं। कभी वह मजबूत दिखती है तो कभी टूटती हुई नजर आती है। इस तरह के किरदार को निभाने के लिए मानसिक रूप से तैयार रहना जरूरी होता है। रीडिंग और वर्कशॉप्स ने मुझे अपने रोल की परतों को समझने में सबसे ज्यादा मदद की।'''एक्यूज्ड' ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है।

पहली बार अवॉर्ड शो के मंच पर उतरीं सोनम बाजवा, बोलीं

घबराहट भी थी और दिल में आभार भी था

फिल्मी दुनिया में अवॉर्ड नाइट्स को हमेशा खास माना जाता है। इस मंच पर परफॉर्म करना किसी भी कलाकार के लिए बड़ा सम्मान होता है। इसी से जुड़ा एक खास अनुभव अभिनेत्री सोनम बाजवा ने साझा किया। उन्होंने पहली बार जी सिने अवॉर्ड्स 2026 के अवॉर्ड शो में पहली बार लाइव परफॉर्मेंस दी। इस दौरान उन्हें कैसा महसूस हुआ, इस बारे में अभिनेत्री ने खुलकर बात की। सोनम ने जी सिने अवॉर्ड्स 2026 में अपनी फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत' के गानों 'बोल कफ्फारा क्या होगा' और 'दिल दिल दिल' पर शानदार डांस किया। उनकी एनर्जी और एक्सप्रेशन ने वहां दर्शकों को अपना दीवाना बना दिया। उनकी परफॉर्मेंस को देख वहां मौजूद लोगों ने जमकर तालियां बजाईं। सोनम ने अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, ''मैं पहले भी कई लाइव शो कर चुकी हूं, लेकिन किसी अवॉर्ड नाइट में परफॉर्म करना मेरे लिए बिल्कुल अलग एहसास था। बचपन में मैं टीवी पर अवॉर्ड फंक्शन देखा करती थी और सोचती थी कि एक दिन मैं भी ऐसे ही मंच पर खड़ी होंगी। अब जब मुझे यह मौका मिला तो यह मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा था।''

उन्होंने कहा, ''यह मेरा पहला अवॉर्ड शो परफॉर्मेंस था, इसलिए यह मेरे लिए बेहद खास है। पूरे फिल्म जगत के सामने स्टेज पर खड़ा होना अलग ही अनुभव है। वहां का माहौल, सिनेमा का जश्न और फैंस का प्यार, सब कुछ बहुत भावुक कर देने वाला होता है। परफॉर्मेंस से पहले मैं थोड़ी नर्वस थी, लेकिन साथ ही दिल में आभार भी था कि मुझे इतना बड़ा मौका मिला।''

साल 2025 सोनम बाजवा के लिए बेहद खास रहा। उनकी फिल्म 'हाउसफुल 5' और 'एक दीवाने की दीवानियत' ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया। इतना ही नहीं, उन्होंने साल 2026 की शुरुआत भी बड़े प्रोजेक्ट के साथ की है। वह सनी देओल की फिल्म 'बॉर्डर 2' में नजर आईं। इन फिल्मों की सफलता ने उन्हें हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में एक मजबूत पहचान दिलाई।

मार्च महीने में पांच ग्रह बदलेंगे अपनी चाल

मार्च माह ग्रह और नक्षत्रों के हिसाब से काफी खास होने वाला है। मार्च के महीने में भी कई बड़े ग्रह अपनी चाल बदलेंगे। शुक्र और सूर्य राशि परिवर्तन करेंगे। जबकि गुरु बुध और मंगल उदय और मार्गी होंगे। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि ज्योतिष शास्त्र के अनुसार शुक्र 2 मार्च को और सूर्य 15 मार्च को मीन राशि में गोचर करेंगे। गुरु 11 मार्च को मिथुन राशि में मार्गी होंगे। बुध 13 मार्च को कुंभ राशि में उदय होंगे और बुध 21 मार्च को कुंभ राशि में मार्गी होंगे। मंगल 26 मार्च को कुंभ राशि में उदय होंगे। ऐसे में कुछ राशियों के लिए मार्च का माह काफी अच्छा जाने वाला है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ग्रहों के राशि परिवर्तन करने से 12 राशियों के जीवन में शुभ या फिर अशुभ प्रभाव पड़ता है।

शुक्र का मीन राशि में गोचर

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सुखों के कारक शुक्र ग्रह 02 मार्च को मीन राशि मीन में वक्री होंगे। यह गोचर मीन राशि वालों के लिए प्रतिकूल प्रभाव देने वाला रहेगा। जातक के वैभव ऐश्वर्य, मान-सम्मान, पद-प्रतिष्ठा में कमी आएगी। लाइफ पार्टनर के साथ छोटी-छोटी बातों पर क्लेश की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। समय को धैर्यपूर्वक निकालें। शुक्रवार के दिन सफेद रंग की मिठाई का भोग लक्ष्मी माता को लगाकर छोटी कन्याओं को दान करें।

सूर्य का मीन में गोचर

ग्रहों के राजा सूर्य देव 15 मार्च को अपने मित्र ग्रह बृहस्पति की राशि मीन में गोचर करेंगे। सूर्य का गोचर मीन राशि के जातकों के लिए अत्यधिक लाभदायक रहने वाला है। सरकारी नौकरी अथवा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर लोगों को सफलता मिल सकती है। व्यापार-व्यवसाय में जिन जातकों का काम रुका हुआ है, वह काम पूरा हो सकता है। जातक का आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा। समाज में मान सम्मान, ख्याति प्राप्त होगी। राजनीति से जुड़े लोगों की प्रतिष्ठा में वृद्धि हो सकती है।

गुरु होंगे मिथुन राशि में मार्गी

गुरु 11 मार्च मिथुन राशि में मार्गी होने जा रहे हैं। गुरु एक शुभ ग्रह हैं जिनकी मार्गी यानी सीधी चाल का असर शुभ देखा जाता है। गुरु की मार्गी चाल से सिंह, तुला सहित 5 राशियों के जीवन में सकारात्मक प्रभाव दिखेगा। साथ ही इन राशियों को अब भाग्य का भी पूरा साथ मिलने लगेगा। ऐसे में इनको अपनी मेहनत और कार्यकुशलता से आर्थिक मामलों में लाभ प्राप्त होगा।

बुध होंगे कुंभ राशि में उदय

बुध 14 मार्च को कुंभ राशि में उदित हो जाएंगे। ज्योतिष में बुध ग्रह को ग्रहों का राजकुमार माना जाता है। बुध सूर्य के सबसे ज्यादा नजदीक रहने वाले ग्रह होते हैं। ज्योतिष में बुध ग्रह को बुद्धि, वाणी, संचार, व्यापार, शिक्षा, तर्कशास्त्र और शिक्षा का कारक ग्रह माना जाता है। जिन लोगों की कुंडली में बुध अच्छे भाव में होते हैं वे बहुत ही बुद्धिमान, समझदार, चतुर और तीव्र बुद्धि के होते हैं। बुध ग्रह का संबंध लेखन, विज्ञापन और व्यापार से होता है। ऐसे में जिन लोगों के लिए बुध शुभ होते हैं वे संवाद, लेखन, व्यापार और बोलने में माहिर होते है।

बुध होंगे कुंभ राशि में मार्गी

बुध ग्रह 21 मार्च को कुंभ राशि में मार्गी होंगे यह गोचर कुंभ राशि के जातकों के लिए अच्छा नहीं रहेगा। जातक इस अवधि में तनाव ग्रस्त महसूस करेंगे जो जातक नौकरी से जुड़े हैं, उन पर बोझ बढ़ सकता है। व्यापार-व्यवसाय में भी नकारात्मक परिणाम प्राप्त होंगे। जातक इस अवधि में अत्यधिक खर्च कर सकता है। सलाह दी जाती है कि जरूरत होने पर ही पैसे खर्च करें। आर्थिक दृष्टि से यह समय अच्छा नहीं रहेगा। जातक को पेट दर्द का भी सामना करना पड़ सकता है। प्रतिदिन गणेश जी पर दूर्वा चढ़ाएं और गणेश अथर्वशीर्ष का नियमित पाठ करें।

मंगल का कुंभ राशि में उदय

26 मार्च 2026 को मंगल कुंभ राशि में उदित होंगे। इससे पहले मंगल 23 फरवरी 2026 को कुंभ में गोचर कर चुके होंगे, जहाँ वे पहले से मौजूद सूर्य, बुध, शुक्र और राहु के साथ मिलकर पंचग्रही योग और आदित्य मंगल योग बनाएंगे। इस युति के प्रभाव से वृषभ, मिथुन सहित 5 राशियों को विशेष लाभ, करियर में उन्नति और धन लाभ की संभावना है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

प्राकृतिक आपदा और दुर्घटनाओं की आशंका

दुनिया भर में शासन प्रणालियों और नेतृत्व के विरुद्ध असंतोष बढ़ सकता है। सेना और पुलिस बल पर दबाव बढ़ेगा। कई देशों के बीच छोटे युद्ध, गृहयुद्ध या जनविद्रोह की भी संभावना रहेगी। ऊर्जा संकट या आग से संबंधित बड़ी दुर्घटनाओं की संभावना। लोगों में धैर्य की कमी होगी और जल्दबाजी में फैसले लेने की प्रवृत्ति बढ़ेगी। बड़े मामले सामने आएंगे। बड़े बदलाव और विवाद होने की आशंका है। देशों के बीच नए व्यापारिक समझौते होंगे। लग्जरी और फैशन इंडस्ट्री में जबरदस्त उछाल आएगा। महिलाओं के अधिकारों और विवाह से जुड़े कानूनों में बड़े वैश्विक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में वृद्धि के साथ शेयर बाजार फिर से बढ़ने की भी संभावना रहेगी। इससे अर्थव्यवस्था मजबूत होने के योग बनेंगे। राजनीतिक उथल-पुथल एवं प्राकृतिक आपदाओं की आशंका बढ़ेगी। धरना जुलूस प्रदर्शन आंदोलन गिरफ्तारियां होगी। दुर्घटना होने की संभावना। देश और दुनिया में राजनीतिक बदलाव होंगे। सत्ता संगठन में परिवर्तन होगा। आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलेगा। अचानक मौसमी बदलाव भी हो सकते हैं। सेना की ताकत बढ़ेगी। देश की कानून व्यवस्था भी मजबूत होगी।

राशियों को होगा फायदा

वृषभ, मिथुन, कर्क, तुला और मीन राशि के जातकों को हर क्षेत्र में सफलता मिलने वाली है। आर्थिक मामलों में भी फायदा मिलेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्य स्थल में आपके काम की प्रशंसा होगी। ऐसे में पदोन्नति भी मिल सकती हैं। व्यापारी वर्ग के लोगों को भी मुनाफा मिलेगा।कार्यों में अच्छी सफलताएं प्राप्त होंगी।

करें पूजा-पाठ और दान

ग्रहों के अशुभ असर से बचने के लिए हं हनुमते नमः, ॐ नमः शिवाय, हं पवननंदनाय स्वाहा का जाप करें। प्रतिदिन सुबह और शाम हनुमान जी के समक्ष सरसों के तेल का दीपक जलाएं। हनुमान चालीसा और संकट मोचन का पाठ करें। लाल मसूर की दाल शाम 7:00 बजे के बाद हनुमान मंदिर में चढ़ाएं। हनुमान जी को पान और दो बूंदी के लड्डू का भोग लगाएं। ईश्वर की आराधना संपूर्ण दोषों को नष्ट एवं दूर करती है। महामृत्युंजय मंत्र और दुर्गा सप्तशती पाठ करना चाहिए। माता दुर्गा, भगवान शिव और हनुमानजी की आराधना करनी चाहिए।

श्यामा माई मंदिर: महाराज की चिता पर बना मंदिर, जहां श्मशान में होते हैं मांगलिक कार्य

मंदिरों की भूमि' कहे जाने वाले देश भारत में देवी-देवताओं के अनगिनत मंदिर मौजूद हैं। उन्हीं में से एक बिहार के दरभंगा जिले में स्थित 'श्यामा माई मंदिर' है, जो मां काली को समर्पित है। श्यामा माई मंदिर बिहार के प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है, जो दरभंगा राज परिवार के श्मशान घाट में महाराज रामेश्वर सिंह की चिता पर निर्मित है, इसलिए इस मंदिर को रामेश्वरी श्यामा माई के नाम से भी जाना जाता है। श्यामा माई मंदिर की स्थापना दरभंगा के महाराज कामेश्वर सिंह ने 1933 में की थी। लाल रंग का यह मंदिर अपनी अनूठी पहचान, वास्तुकला और धार्मिक मान्यताओं के लिए प्रसिद्ध है, जो हरे-भरे पेड़ों के साथ तालाबों से घिरा हुआ है। मंदिर के गर्भगृह में मां काली की एक भव्य प्रतिमा है, जो भगवान शिव के ऊपर विराजमान है।

मंदिर की खासियत है कि यहां वैदिक और तांत्रिक दोनों विधियों से मां काली की भव्य पूजा और आरती की जाती है। मंदिर में दूर-दराज से श्रद्धालु माता के दर्शन के साथ अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए आते हैं। माना जाता है कि रामेश्वर सिंह एक बहुत बड़े साधक थे, इसलिए उनकी चिता पर मंदिर की स्थापना की गई।

सनातन धर्म में विवाह या अन्य मंगलकारी कार्य के समय श्मशान घाट नहीं जाते हैं, लेकिन श्यामा माई मंदिर की खासियत है कि यहां लोग शुभ कार्य जैसे मुंडन, उपनयन, शादी और अन्य मांगलिक कार्य करने के लिए आते हैं।

मंदिर के गर्भगृह में महाकाल और गणपति के दाहिनी ओर मां काली की एक विशाल प्रतिमा स्थापित है। मां काली की इस प्रतिमा के चार भुजाएं हैं। दाहिना हाथ हमेशा माता के दर्शन को आए श्रद्धालुओं को आशीर्वाद देता है।

मंदिर में प्रतिदिन आयोजित होने वाली आरती का विशेष महत्व है, जिसके इंतजार में आने वाले भक्त घंटों खड़े रहते हैं। कहा जाता है कि मंदिर में मौजूद मां काली की मूर्ति पेरिस से लाई गई थी। वहीं, मान्यता है कि श्यामा माई काली के चरणों के दर्शन करने से भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

श्यामा माई मंदिर में हमेशा चहल-पहल रहती है। नवरात्रि के दौरान, यहां का माहौल और वातावरण अद्भुत हो जाता है। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण, परिसर में 'जय श्यामा माई' के जयकारे हर जगह गूंजते रहते हैं।

वारंगल की मां भद्रकाली की बाईं आंख में जड़ा था कोहिनूर

जिसके पास गया वो हो गया बर्बाद

19 मार्च से मां भगवती के नौ दिवसीय त्योहार नवरात्रि की शुरुआत हो रही है, जो 27 मार्च तक चलने वाले हैं। नवरात्रि में मां भगवती के अलग-अलग रूपों की पूजा की जाती है, जो देश के हर हिस्से में विद्यमान हैं, लेकिन क्या आप मां के ऐसे उग्र रूप के बारे में जानते हैं कि जिनका संबंध कोहिनूर से था। आज हम आपको वारंगल की भद्रकाली मां के चमत्कारों के बारे में बताएंगे, जिस पर कई बार आक्रमण हुआ लेकिन मंदिर आज भी मजबूती से खड़ा है। तेलंगाना के वारंगल में स्थित भद्रकाली मंदिर भारत के सबसे प्राचीन मंदिरों में से एक है जो देवी भद्रकाली को समर्पित है। वारंगल और हनमकोंडा शहरों के बीच एक पहाड़ी की चोटी पर, भद्रकाली झील के किनारे स्थित इस मंदिर का निर्माण 625 ईस्वी में चालुक्य साम्राज्य ने कराया था। हालांकि इतिहास में मंदिर के निर्माण का श्रेय काकतीय वंश से भी जोड़कर देखा जाता है, जहां के राजा ने मां भद्रकाली को कोहिनूर भेंट किया था।

मंदिर के गर्भगृह में मां की धातु और रत्नों से जड़ी प्रतिमा स्थापित है, जिनकी आठ भुजाएं हैं और आठों भुजाओं में अस्त्र-शस्त्र स्थापित हैं। मां भद्रकाली का यह स्वरूप ऊर्जा और शक्ति का प्रतीक है। मूल रूप से यह मंदिर नागर शैली में निर्मित है, जिसमें एक वर्गाकार गर्भगृह, एक पिरामिडनुमा शिखर और एक स्तंभों वाला हॉल है। दिल्ली सल्तनत के मंदिर पर आक्रमण करने से पहले मंदिर में पत्थर की विशाल मां भद्रकाली की प्रतिमा स्थापित थी। काकतीय राजा प्रतापरुद्र द्वितीय ने खदान से निकलने कोहिनूर हीरे को सुरक्षित रखने के लिए मां भद्रकाली की आंख में लगवा दिया था, लेकिन दो शताब्दियों के बाद मंदिर पर आक्रमणकारियों ने हमला किया और मंदिर को खंडित करके कोहिनूर को अपने साथ ले गए।

मंदिर आक्रमणकारियों के राज में कई सालों तक वीरान पड़ा रहा लेकिन 1950 से पहले लोगों ने आपसी सहयोग से मंदिर का निर्माण कराया और धातु से बनी और रत्न जड़ी प्रतिमा की स्थापना की। 1950 के बाद ही मंदिर में भक्त दोबारा दर्शन के लिए जा रहे हैं और आज मंदिर अपनी अनूठी वास्तुकला, समृद्ध इतिहास और आध्यात्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है।

खास बात यह भी है कि स्थानीय मान्यता रही है कि जिनसे भी कोहिनूर को पाने का लालच किया, वो हमेशा बर्बाद हुआ, चाहे वो मुगल आक्रमणकारी हों या फिर फारसी या अंग्रेज शासक। जिनसे भी कोहिनूर को पाया, वो बर्बाद ही हुआ। माना जाता है कि कोहिनूर सिर्फ मां भद्रकाली के पास ही संरक्षित था।

ग्रहों का बड़ा बदलाव: शुक्र की चाल बदली, सूर्य-बुध का मीन में प्रवेश, इन राशियों को मिलेगा बड़ा लाभ

मार्च 2026 में ग्रहों की स्थिति क्यों है खास मार्च का महीना ज्योतिषीय दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण रहने वाला है। इस दौरान शुक्र, बुध, सूर्य और गुरु जैसे प्रमुख ग्रह अपनी चाल या राशि में बदलाव कर रहे हैं। इन परिवर्तनों का सीधा असर करियर, आर्थिक स्थिति, मान-सम्मान और निर्णय क्षमता पर पड़ता है। शुक्र का मीन राशि में पहुंचना, बुध का मार्गी होना और सूर्य का राशि परिवर्तन कई राशियों के लिए नए अवसर लेकर आ सकता है।

मेष राशि – मेष राशि के जातकों के लिए शुक्र का मीन राशि में होना सुख-सुविधाओं और सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि का संकेत देता है। मार्च के दौरान कार्यक्षेत्र में आपकी पहचान मजबूत हो सकती है और वरिष्ठ स्तर पर आपकी बात को महत्व मिल सकता है। आर्थिक मामलों में स्थिरता के साथ आगे बढ़ने के अवसर बनेंगे।

मीन राशि– मीन राशि के लिए यह महीना सबसे प्रभावशाली माना जा रहा है। शुक्र का उच्च स्थिति में होना आत्मविश्वास, आकर्षण और रचनात्मकता को बढ़ाता है। सूर्य और बुध के प्रवेश से निर्णय क्षमता मजबूत होगी। करियर और निजी जीवन दोनों में संतुलन बनता नजर आएगा।

धनु राशि –धनु राशि के जातकों को इस ग्रह परिवर्तन से मान-सम्मान और पारिवारिक सुख में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। मार्च के मध्य के बाद परिस्थितियां आपके पक्ष में आती जाएंगी। लंबे समय से अटके कामों में गति आने के संकेत हैं।

सिंह राशि–सिंह राशि वालों के लिए सूर्य का मीन में प्रवेश आत्मविश्वास को बढ़ाने वाला रहेगा। कार्यक्षेत्र में नेतृत्व क्षमता उभरकर सामने आ सकती है। हालांकि, जिम्मेदारियों में बढ़ोतरी के साथ फैसले सोच-समझकर लेने की जरूरत होगी। यह समय आत्ममंथन और रणनीति बनाने के लिए अहम है।

मिथुन राशि –मिथुन राशि के जातकों के लिए मार्च का महीना व्यावसायिक दृष्टि से लाभकारी साबित हो सकता है। सूर्य, बुध और गुरु की स्थिति करियर में विस्तार और नए अवसरों की ओर इशारा कर रही है। व्यापार से जुड़े लोगों को संपर्कों से फायदा मिलने के योग हैं।

तुला राशि –तुला राशि के लिए गुरु के मार्गी होने से राहत के संकेत मिलते हैं। पिछले कुछ समय से चली आ रही उलझनें धीरे-धीरे कम हो सकती हैं। आर्थिक मामलों में संतुलन लौटेगा और योजनाओं पर काम करने का आत्मविश्वास बढ़ेगा।

अन्य राशियों पर प्रभाव

कर्क, कन्या, वृश्चिक, मकर और कुंभ राशि के लिए यह महीना मिश्रित प्रभाव वाला रहेगा। कुछ क्षेत्रों में प्रगति के संकेत होंगे, तो कुछ मामलों में धैर्य रखना जरूरी होगा। ग्रहों की बदलती चाल इन राशियों को दीर्घकालीन योजनाओं पर ध्यान देने की सलाह देती है। मार्च 2026 ग्रहों के बड़े बदलावों का महीना है, जो कई राशियों के लिए अवसरों के नए द्वार खोल सकता है। सही समय पर लिए गए फैसले और संतुलित दृष्टिकोण से इस अवधि का अधिकतम लाभ उठाया जा सकता है।

राजस्थान का वो रहस्यमयी मंदिर, जहां से शाम होते ही भागने लगते हैं लोग

बाड़मेर के रेगिस्तान में एक ऐसा मंदिर है, जहां शाम होते ही लोग भाग जाते हैं और पूरा मंदिर वीरान हो जाता है। यह है किराडू मंदिर। यह कोई साधारण मंदिर नहीं है, बल्कि पांच मंदिरों की एक श्रृंखला है। इसमें से एक भगवान विष्णु को समर्पित है और बाकी चार महादेव को। इस मंदिर की खूबसूरती देखकर आपको लगेगा कि यह राजस्थान का खजुराहो है। हर दीवार, हर खंभा और हर छत पर नक्काशी इतनी अद्भुत है कि आप घंटों वहीं ठहरे रहना चाहेंगे। हालांकि इस मंदिर में शाम के बाद ठहरना वर्जित है। कहा जाता है कि कोई भी अगर रात तक रुका, वह वापस नहीं आया। लोगों का कहना है कि यह सब साधु के श्राप की वजह से है। स्थानीय लोगों का कहना है कि काफ़ी समय पहले एक साधु अपने शिष्यों के साथ किराडू आए। कुछ दिन वे वहीं रहे और फिर देश भ्रमण पर निकल पड़े लेकिन अचानक उनके शिष्य बीमार पड़ गए। गांव के लोग उनकी मदद नहीं करना चाहते थे लेकिन एक कुम्हारिन ने उनकी पूरी देखभाल की। जब साधु वापस आए और शिष्यों को इस हालत में देखा, तो उनका गुस्सा सातवें आसमान पर था। उन्होंने श्राप दिया कि जहां मानवता नहीं है, वहां के लोग भी न रहें, जिसके बाद गांव के लोग पत्थर बन गए।

साधु ने उस कुम्हारिन को चेताया कि वह शाम से पहले वहां से निकल जाए और रास्ते में कभी पीछे मुड़कर न देखे लेकिन जैसे ही वह कुम्हारिन पीछे मुड़ी, वह भी पत्थर में बदल गई। तभी से यह माना जाता है कि जो कोई भी यहां शाम के बाद रुका, वह पत्थर बन जाता है।

किराडू मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं है बल्कि एक रहस्यमयी व ऐतिहासिक अनुभव है। आज भी सुबह पूरा परिसर चहल-पहल वाला लगता है लेकिन जैसे ही शाम होती है, लोग जल्दी-जल्दी बाहर निकलने लगते हैं। कोई भी यहां शाम के बाद ठहरना नहीं चाहता।

संपादकीय

परमाणु रिसाव हुआ तो...

ईरान युद्ध में परमाणु रिसाव के खतरे बढ़ते जा रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) का मानना है कि अमरीका और इजरायल जिस तरह बमबारी कर रहे हैं, मिसाइल-ड्रोन से हमले किए जा रहे हैं, उनसे परमाणु केंद्रों पर चिंताजनक स्थितियां बनती जा रही हैं। हालांकि अभी आईएईए ने किसी भी तरह के परमाणु विकिरण की पुष्टि नहीं की है और न ही ऐसे संकेत हैं, लेकिन परमाणु रिसाव की संभावनाओं से इंकार भी नहीं किया है। आईएईए ने आपात बैठक भी की है, क्योंकि ईरान के राजनयिक रेजा नजाफी ने दावा किया था कि अमरीकी-इजरायली लड़ाकू विमानों ने ईरान के परमाणु संयंत्रों पर हमला किया है, जबकि उन केंद्रों में शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा पर काम किया जा रहा है। अब बमबारी के बाद परमाणु रिसाव का खतरा पैदा हो गया है। आईएईए ने ईरान सरकार के संबद्ध अधिकारियों से बात की और इस निष्कर्ष पर पहुंची कि परमाणु विकिरण फैल सकता है। यदि परमाणु रिएक्टर 'मेल्टडाउन' हुआ, तो 10 करीबी देशों में भी परमाणु खतरा पैदा हो जाएगा। फारस की खाड़ी में भी विकिरण पहुंचेगा और बड़े स्तर पर पानी जहरीला और जानलेवा हो सकता है। जलीय जीव तो मरेंगे ही, उनके अलावा मनुष्य में कैंसर जैसी लाइलाज बीमारियों का ज्यादा विस्तार होगा। यदि ईरान के परमाणु केंद्रों से रिसाव शुरू हुआ, तो सभी खाड़ी देश उसके दायरे में होंगे। कई अरब देशों के परमाणु रिएक्टर खतरनाक स्थितियों में हैं। ईरान ही नहीं, इराक, सीरिया, बहरीन, कुवैत आदि देशों में भी परमाणु साइट्स हैं। क्या वे परमाणु कार्यक्रम उन देशों के अपने और घोषित, वैध कार्यक्रम हैं अथवा अमरीका के परमाणु उपनिवेश हैं? यह दायित्व आईएईए का है। अमरीका ने इन देशों के परमाणु केंद्रों पर आपत्ति दर्ज नहीं की और न ही किसी हमले की धमकियां दीं! क्या ये 'संहारी संयंत्र' नहीं हैं? अलबत्ता आईएईए के महानिदेशक राफेल ग्रोसी ने कहा है कि हमारे पास ऐसे किसी हमले की जानकारी नहीं है। फिर आपात बैठक में क्या विमर्श किया गया? फिर अंतरराष्ट्रीय एजेंसी ने चिंताजनक स्थितियां किस आधार पर आंकी थीं? अमरीका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने फिर दोहराया है कि ईरान परमाणु बम बनाने में जुटा है। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों का बयान भी सामने आया है कि हम परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ाएंगे। फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी के नेताओं के बयान आए थे कि वे यूक्रेन को परमाणु हथियार मुहैया कराने पर विचार कर रहे हैं। ये बड़े देश विनाश की ओर अग्रसर क्यों हो रहे हैं? इस संदर्भ में गौरतलब है कि ओमान की मध्यस्थता से जिनेवा में अमरीका और ईरान के बीच बातचीत के जो दौर हुए थे, उनमें ईरान यूरेनियम संवर्द्धन को 3-5 फीसदी तक कम करने को तैयार हो गया था। उस स्थिति में ईरान परमाणु बम नहीं बना सकता। आईएईए का एक अनुमान है कि यदि ईरान के इस्फहान, नतांज, बुशहर परमाणु संयंत्रों से विकिरण की नौबत आ गई, तो कमोबेश 20 देशों के करीब 51 करोड़ लोग उस खतरे के दायरे में होंगे। बहरहाल जिनेवा वार्ता एक ढकोसला थी और अमरीका-इजरायल ईरान पर हमला करने की योजना बहुत पहले बना चुके थे और उनकी खुफिया एजेंसियां उस पर काम कर रही थीं। अमरीका-इजरायल और ईरान, सभी खाड़ी देशों समेत, जापान के हिरोशिमा और नागासाकी शहरों पर अमरीकी एटम बम बरसाने और उनके बाद की त्रासद् स्थितियों को भूले नहीं होंगे। हिरोशिमा के बम-हमले में अनुमानतः 1,40,000 लोग और नागासाकी में करीब 74,000 लोग मार दिए गए। करीब 38,000 मासूम बच्चे भी बेमौत मारे गए। इससे वीभत्स, बर्बर, त्रासद् सामूहिक नरसंहार कोई दूसरा नहीं है। आज दुनिया में अमरीका के अलावा, रूस, चीन, फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी से लेकर भारत और पाकिस्तान तक परमाणु हथियारों वाले देश हैं। अमरीकी राष्ट्रपति किस-किस देश के परमाणु कार्यक्रम को रोक पाए? यह ठेकेदारी अमरीका की नहीं है। यह भी देशों की संप्रभुता से जुड़ा विषय है। परमाणु अप्रसार की जिम्मेदारी देशों की अपनी है। पाकिस्तान जैसे आतंकी देश पर परमाणु शक्ति होने का विश्वास किया जाता रहा है, ईरान कौनसे विध्वंस पैदा कर सकता है। इस लड़ाई को एकदम रोकना पूरे विश्व के हित में होगा।

अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) का मानना है कि अमरीका और इजरायल जिस तरह बमबारी कर रहे हैं, मिसाइल-ड्रोन से हमले किए जा रहे हैं, उनसे परमाणु केंद्रों पर चिंताजनक स्थितियां बनती जा रही हैं। हालांकि अभी आईएईए ने किसी भी तरह के परमाणु विकिरण की पुष्टि नहीं की है और न ही ऐसे संकेत हैं, लेकिन परमाणु रिसाव की संभावनाओं से इंकार भी नहीं किया है। आईएईए ने आपात बैठक भी की है, क्योंकि ईरान के राजनयिक रेजा नजाफी ने दावा किया था कि अमरीकी-इजरायली लड़ाकू विमानों ने ईरान के परमाणु संयंत्रों पर हमला किया है, जबकि उन केंद्रों में शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा पर काम किया जा रहा है। अब बमबारी के बाद परमाणु रिसाव का खतरा पैदा हो गया है। आईएईए ने ईरान सरकार के संबद्ध अधिकारियों से बात की और इस निष्कर्ष पर पहुंची कि परमाणु विकिरण फैल सकता है। यदि परमाणु रिएक्टर 'मेल्टडाउन' हुआ, तो 10 करीबी देशों में भी परमाणु खतरा पैदा हो जाएगा। फारस की खाड़ी में भी विकिरण पहुंचेगा और बड़े स्तर पर पानी जहरीला और जानलेवा हो सकता है। जलीय जीव तो मरेंगे ही, उनके अलावा मनुष्य में कैंसर जैसी लाइलाज बीमारियों का ज्यादा विस्तार होगा।

मुख्यमंत्री पद छोड़कर राज्यसभा की ओर जाना केवल एक पद परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक भूमिका के पुनर्निर्धारण के रूप में भी देखा जा रहा

बिहार की राजनीति में सत्ता परिवर्तन से जुड़े सवाल

ललित गर्ग

मुख्यमंत्री रहे नीतिश कुमार ने मुख्यमंत्री पद छोड़कर राज्यसभा जाने का निर्णय स्वीकार किया और इसके लिए नामांकन भी दाखिल कर दिया। उनके नामांकन के अवसर पर देश के गृह मंत्री अमित शाह का पटना पहुँचना भी इस राजनीतिक घटनाक्रम को और अधिक महत्वपूर्ण बना देता है। लगभग दो दशकों तक बिहार की राजनीति के केंद्र में रहे नीतीश कुमार का यह निर्णय केवल एक व्यक्तिगत राजनीतिक निर्णय नहीं है, बल्कि बिहार की सत्ता और राजनीति के स्वरूप में आने वाले बड़े परिवर्तन का संकेत भी है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब बिहार की राजनीति पहले से ही गठबंधनों, समीकरणों और सत्ता-संतुलन के दौर से गुजर रही है। इस निर्णय के साथ यह स्पष्ट हो गया कि बिहार की राजनीति एक नए दौर में प्रवेश करने जा रही है।

बिहार की राजनीति में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक मोड़ उस समय सामने आया जब राज्य के लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतिश कुमार ने मुख्यमंत्री पद छोड़कर राज्यसभा जाने का निर्णय स्वीकार किया और इसके लिए नामांकन भी दाखिल कर दिया। उनके नामांकन के अवसर पर देश के गृह मंत्री अमित शाह का पटना पहुँचना भी इस राजनीतिक घटनाक्रम को और अधिक महत्वपूर्ण बना देता है। लगभग दो दशकों तक बिहार की राजनीति के केंद्र में रहे नीतीश कुमार का यह निर्णय केवल एक व्यक्तिगत राजनीतिक निर्णय नहीं है, बल्कि बिहार की सत्ता और राजनीति के स्वरूप में आने वाले बड़े परिवर्तन का संकेत भी है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब बिहार की राजनीति पहले से ही गठबंधनों, समीकरणों और सत्ता-संतुलन के दौर से गुजर रही है। इस निर्णय के साथ यह स्पष्ट हो गया कि बिहार की राजनीति एक नए दौर में प्रवेश करने जा रही है। यह परिवर्तन जहां एक ओर नई संभावनाओं का संकेत देता है, वहीं दूसरी ओर कई सवाल भी खड़े करता है, क्या यह जनादेश का सम्मान है या उससे विचलन? क्या यह बिहार के लिए नई दिशा का मार्ग है या राजनीतिक रणनीति का एक नया अध्याय?

नीतिश कुमार को लंबे समय से "सुशासन पुरुष" के रूप में जाना जाता रहा है। उन्होंने बिहार को लंबे समय तक स्थिर राजनीतिक नेतृत्व दिया और शासन व्यवस्था को कई स्तरों पर व्यवस्थित करने का प्रयास किया। सड़कों, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, पंचायत सशक्तिकरण और प्रशासनिक सुधार जैसे अनेक क्षेत्रों में उनके कार्यों की चर्चा होती रही है। उनके शासनकाल में बिहार ने अराजकता और अपराध की छवि से बाहर निकलकर विकास और स्थिरता की ओर कदम बढ़ाने का प्रयास किया, इसलिए उनका मुख्यमंत्री पद छोड़कर राज्यसभा की ओर जाना केवल एक पद परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक भूमिका के पुनर्निर्धारण के रूप में भी देखा जा रहा है। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि राष्ट्रीय राजनीति में उनकी भूमिका को अधिक व्यापक बनाने के लिए यह कदम उठाया गया है, जबकि कुछ इसे बिहार की सत्ता में नई पीढ़ी और नए नेतृत्व को अवसर देने की रणनीति के रूप में भी देखते हैं। बिहार में अपेक्षित संभावनाएं पूरी तरह आकार नहीं ले पायी, इसलिये भी भाजपा खुद का मुख्यमंत्री लाकर बिहार को विकास से जोड़ना चाहती है।

नीतिश कुमार के इस निर्णय के बाद विपक्षी दलों ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। विपक्ष का आरोप है कि विधानसभा चुनाव में जनता ने नीतिश कुमार के नेतृत्व में सरकार बनाने के लिए वोट दिया था और पाँच वर्षों के जनादेश के बीच में मुख्यमंत्री पद छोड़ना जनता के विश्वास के साथ न्याय नहीं है। विपक्षी दलों का यह भी कहना है कि यह निर्णय राजनीतिक समीकरणों का परिणाम है और इसमें जनता की भावना को पर्याप्त महत्व नहीं दिया गया। कुछ विपक्षी नेताओं ने इसे "जनादेश के साथ खिलवाड़" और

"राजनीतिक समझौते की राजनीति" करार दिया है। उनका तर्क है कि यदि मुख्यमंत्री बदलना ही था तो जनता के पास फिर से जाने का रास्ता अपनाया जाना चाहिए था। इस प्रकार यह बहस केवल सत्ता परिवर्तन की नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक नैतिकता की भी बन गई है।

दूसरी ओर, इस पूरे घटनाक्रम को भाजपा की दीर्घकालिक रणनीति के रूप में भी देखा जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा बिहार में अपनी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान को और अधिक मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। यदि राज्य में भाजपा का मुख्यमंत्री आता है, तो यह बिहार की राजनीति के लिए एक नया अध्याय हो सकता है। भाजपा लंबे समय से यह दावा करती रही है कि वह राज्य में विकास, सुशासन और अपराध-मुक्त प्रशासन को और अधिक प्रभावी रूप में लागू करना चाहती है। पार्टी के नेताओं का कहना है कि बिहार में विकास की गति को और तेज करने, निवेश को बढ़ाने, रोजगार के अवसर पैदा करने और प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी बनाने के लिए नई नेतृत्व संरचना की आवश्यकता है।

किसी भी लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन एक सामान्य और आवश्यक प्रक्रिया होती है। यह परिवर्तन यदि लोकतांत्रिक ढंग से और राजनीतिक सहमति के साथ होता है, तो यह व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाता है। बिहार में पिछले दो दशकों में राजनीतिक स्थिरता अपेक्षाकृत बनी रही है और इसका एक बड़ा श्रेय नीतिश कुमार के नेतृत्व को दिया जाता है। अब जब वह सक्रिय प्रशासनिक भूमिका से हटकर संसदीय राजनीति की ओर जा रहे हैं, तो यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि नया नेतृत्व उस स्थिरता को किस प्रकार बनाए रखता है। सत्ता परिवर्तन का एक सकारात्मक पक्ष यह भी है कि इससे शासन व्यवस्था में नए विचार, नई ऊर्जा और नई प्राथमिकताएँ सामने आती हैं। इस घटनाक्रम के साथ बिहार की राजनीति में नई पीढ़ी के प्रवेश और नेतृत्व परिवर्तन की चर्चा भी तेज हो गई है। कई राजनीतिक पर्यवेक्षक यह मानते हैं कि यह परिवर्तन केवल एक व्यक्ति या दल तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आने वाले समय में राज्य की राजनीति के पूरे स्वरूप को प्रभावित करेगा। यदि नई नेतृत्व संरचना बिहार के विकास, रोजगार, शिक्षा और सामाजिक समरसता के मुद्दों पर प्रभावी ढंग से काम करती है, तो यह परिवर्तन राज्य के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकता है। यदि सत्ता परिवर्तन के बाद नई सरकार इन अपेक्षाओं पर खरी उतरती है, तो यह निर्णय बिहार के लिए सकारात्मक परिणाम ला सकता है।

बिहार में प्रस्तावित सत्ता परिवर्तन को भाजपा एक व्यापक राजनीतिक और प्रशासनिक अवसर के रूप में देख रही है। पार्टी का मानना है कि लंबे समय से विकास, सुशासन, भ्रष्टावार-मुक्ति और सुरक्षा के जिन मुद्दों पर बिहार पिछड़ता रहा है, उन्हें एक निर्णायक नेतृत्व और कठोर प्रशासनिक इच्छाशक्ति के माध्यम से बदला जा सकता है। इस संदर्भ में कई लोग उत्तर प्रदेश का उदाहरण भी देते हैं, जहाँ योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद अपराध और माफिया पर कठोर कार्रवाई, प्रशासनिक अनुशासन और विकास योजनाओं के विस्तार ने राज्य की छवि और जनजीवन में उल्लेखनीय परिवर्तन लाने का प्रयास किया। इसी दृष्टि से बिहार में भी यह उम्मीद व्यक्त की जा रही है कि यदि भाजपा को स्पष्ट नेतृत्व का अवसर मिलता है, तो वह अपराध नियंत्रण, भ्रष्टाचार-मुक्ति, प्रशासनिक पारदर्शिता और विकास के नए मानक स्थापित करने की दिशा में काम कर सकती है।

आज भी यह व्यापक धारणा व्यक्त की जाती है कि बिहार में शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में अपेक्षित गति से विकास नहीं हो पाया है और कई क्षेत्रों में अपराध तथा असुरक्षा की भावना जनजीवन को प्रभावित करती रही है। ऐसे में यदि नई सरकार दृढ़ नीतियों के साथ विकास, कानून-व्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा को प्राथमिकता देती है, तो यह सत्ता परिवर्तन राज्य के लिए नई दिशा और नई दशा का वाहक बन सकता है। यही कारण है कि कुछ राजनीतिक विश्लेषक इसे बिहार के लिए संभावित अवसर के रूप में देखते हैं-एक ऐसा अवसर, जिसमें सुशासन, विकास और सुरक्षित जनजीवन की नई धारा प्रवाहित हो सकती है और राज्य प्रगति के एक नए अध्याय की ओर अग्रसर हो सकता है।

बिहार की राजनीति में नीतिश कुमार का राज्यसभा की ओर जाना केवल एक राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि एक बड़े परिवर्तन की शुरुआत है। इसमें जहाँ विपक्ष जनादेश के सवाल को उठा रहा है, वहीं सत्ता पक्ष इसे नए नेतृत्व और नई दिशा के अवसर के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। इतिहास गवाह है कि कई बार राजनीतिक परिवर्तन ही विकास की नई संभावनाओं का मार्ग खोलते हैं। यदि यह सत्ता परिवर्तन बिहार में बेहतर प्रशासन, अपराध नियंत्रण, भ्रष्टाचार-मुक्तिए आर्थिक प्रगति और सामाजिक समरसता को मजबूत करता है, तो यह राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है। आने वाला समय ही तय करेगा कि यह निर्णय बिहार की राजनीति में किस प्रकार का अध्याय लिखता है लेकिन इतना निश्चित है कि यह बदलाव राज्य की राजनीति को नई बहसों, नई चुनौतियों और नई संभावनाओं की ओर अवश्य ले जाएगा।

देश दुनिया से

तेल, तनाव और विकास दर: 'युद्ध-भय' का भारतीय परिदृश्य

भारत का 'युद्ध-भय' सिंड्रोम अब किसी मनोवैज्ञानिक शब्दकोश की परिभाषा भर नहीं, बल्कि 21वीं सदी के भारत की आर्थिक नब्ज बन चुका है। जैसे ही पश्चिम एशिया में बारूद सुलगता है, मुंबई के दलाल स्ट्रीट पर घबराहट छा जाती है। मार्च 2026 में ईरान-अमेरिका-इजराइल संघर्ष ने इस आशंका को चरम तक पहुँचा दिया, जब ब्रेंट क्रूड 82 डॉलर के ऊपर निकल गया और होर्मुज स्ट्रेट पर जहाज़ों की लंबी कतारें दिखने लगीं। वैश्विक एजेंसियों की रिपोर्टों के मुताबिक 4.5 ट्रिलियन डॉलर की भारतीय अर्थव्यवस्था, जो हाल तक नियंत्रित महंगाई और तेज़ वृद्धि का उदाहरण मानी जा रही थी, अचानक बाहरी झटकों से डगमगाने लगी। यह महज आर्थिक उतार-चढ़ाव नहीं; यह सामूहिक मानस का संकट है—निवेशक जोखिम समेटते हैं, रुपया दबाव झेलता है और आम उपभोक्ता को पेट्रोल पंप पर मिलता बिल आने वाले कल की चिंता जता देता है। वैश्वीकरण की चमक के पीछे छिपी यह असुरक्षा हर बार सामने आ जाती है। इस 'युद्ध-भय' की जड़ें नई नहीं हैं। 1991 का खाड़ी संकट, जब इराक ने कुवैत पर चढ़ाई की, भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को लगभग खाली कर गया और आर्थिक उदारीकरण का द्वार मजबूरी में खुला। 1973 के योम किप्पुर युद्ध ने तेल को हथियार बना दिया था और तब भी भारत ने आयात-निर्भरता की भारी कीमत चुकाई। 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान कच्चा तेल 120 डॉलर तक जा पहुँचा, महंगाई 7 प्रतिशत से ऊपर निकली और मौद्रिक सख्ती बढ़ानी पड़ी। हर बार पैटर्न एक-सा रहा—कहीं दूर युद्ध, और यहाँ विकास दर पर प्रहार। इतिहास लगातार चेताता रहा कि ऊर्जा, उर्वरक और आपूर्ति श्रृंखलाओं में अत्यधिक बाहरी निर्भरता हमें असुरक्षित करती है, फिर भी संकट टलते ही हम सामान्यता के भ्रम में लौट आते हैं। यही चूक 'युद्ध-भय' को स्थायी मनःस्थिति में बदल देती है। 2026 का पश्चिम एशियाई संघर्ष इसी पैटर्न का समकालीन रूप है। भारत के लगभग 17 प्रतिशत निर्यात उसी क्षेत्र की ओर जाते हैं और एक करोड़ से अधिक प्रवासी वहाँ से रेमिटेंस भेजते हैं। यदि तनाव लंबा चला, तो तेल 100 डॉलर के पार निकल सकता है, जिससे चालू खाते का घाटा फैलेगा और

विकास की गति पर दबाव बढ़ेगा। लॉजिस्टिक्स लागत में उछाल और बीमा प्रीमियम में वृद्धि व्यापारिक मार्जिन को निगल जाती है। वित्तीय बाजारों में जोखिम-प्रतिकूलता बढ़ती है और पूंजी उभरते बाजारों से सुरक्षित ठिकानों की ओर सिमटती है। इस पूरी प्रक्रिया में भारत की 'स्वीट स्पॉट' अर्थव्यवस्था—जहाँ महंगाई काबू में और विकास संतुलित था—अचानक असंतुलन की तरफ झुक जाती है। युद्ध भले सीमाओं से दूर हो, पर ऊर्जा मार्गों और पूंजी प्रवाह के जरिये वह हमारे बजट और जेब पर दस्तक दे देता है। ऊर्जा क्षेत्र इस सिंड्रोम की सबसे नाजुक नस है। भारत अपनी कच्चे तेल की आवश्यकता का लगभग 88 प्रतिशत आयात करता है और उसका बड़ा हिस्सा होर्मुज मार्ग से गुजरता है। रणनीतिक भंडार सीमित समय तक ही सहारा दे सकते हैं; लंबा व्यवधान उद्योग, परिवहन और कृषि की लागत बढ़ा देगा। ईंधन महँगा होता है तो ट्रकों का भाड़ा बढ़ता है, कारखानों की लागत चढ़ती है और अंततः किराने की दुकानों पर दाम बढ़ जाते हैं। यही क्रम 'ऊर्जा झटके' को 'मुद्रास्फीति तूफान' में बदल देता है। विकसित भारत 2047 का स्वप्न सस्ती और स्थिर ऊर्जा पर आधारित है; यदि हर वैश्विक टकराव पर हमारी ऊर्जा सुरक्षा हिलती है, तो यह सपना बार-बार कसौटी पर होगा। विविधीकरण—चाहे नवीकरणीय ऊर्जा हो या नए आपूर्तिकर्ता—अब विकल्प नहीं, अनिवार्यता है। महंगाई और रुपया इस भय के सबसे स्पष्ट संकेतक हैं। तेल में हर 10 डॉलर की बढ़ोतरी चालू खाते के घाटे को उल्लेखनीय रूप से बढ़ा देती है और आयात बिल को फुला देती है। रुपया दबाव झेलता है तो विदेशी ऋण महँगा हो जाता है और कंपनियों की बैलेंस शीट प्रभावित होती है। केंद्रीय बैंक को ब्याज दरों के माध्यम से संतुलन साधना पड़ता है, जिससे कर्ज महँगा और निवेश धीमा पड़ सकता है। अंततः इसका भार आम नागरिक उठाता है—ईंधन, खाद्य और रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम बढ़ते हैं। 'युद्ध-भय' इसलिए भी गहरा है क्योंकि यह अदृश्य कर की तरह काम करता है; बिना किसी घरेलू नीति-चूक के, वैश्विक संघर्ष हमारी क्रय शक्ति को कम कर देता है। पूंजी बाजार इस मनोविज्ञान को सबसे तेजी से प्रतिबिंबित करते हैं। अनिश्चितता बढ़ते ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेश सिमटता है, इक्विटी सूचकांक गिरते हैं और नई परियोजनाओं के लिए पूंजी जुटाना कठिन हो जाता है। भारत का बाजार आकार भले पाँच ट्रिलियन डॉलर के करीब पहुँच गया हो, पर तेल-आधारित झटके इसे वैश्विक साथियों से पीछे धकेल सकते हैं। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भी जोखिम आकलन के नए मानकों पर कसा जाता है। जब वैश्विक फंड प्रबंधक भू-राजनीतिक जोखिम प्रीमियम बढ़ाते हैं, तो उभरती अर्थव्यवस्थाएँ पहले झटका खाती हैं। एक युद्ध की खबर हजारों अंकों की गिरावट में बदल जाती है और विकास कथा पर प्रश्नचिह्न लग जाता है। यही वह क्षण है जब 'युद्ध-भय' आर्थिक वास्तविकता का रूप ले लेता है। आखिर हर संकट अपने भीतर समाधान का बीज भी छिपाए रहता है। यह परिदृश्य केवल असहायता का चित्र नहीं, बल्कि तैयारी और परिवर्तन की पुकार है। सरकारें ऊर्जा स्रोतों के विविधीकरण, रणनीतिक भंडार के विस्तार और नवीकरणीय निवेश के माध्यम से जोखिम सीमित करने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। कूटनीतिक संतुलन भी अनिवार्य है, ताकि सभी पक्षों के साथ ऊर्जा और व्यापारिक रिश्ते सुरक्षित रह सकें। आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से दूरी नहीं, बल्कि लचीले वैश्विक एकीकरण की समझदारी भरी नीति है। यदि हम इतिहास से सबक लेकर आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करें, घरेलू विनिर्माण को प्रतिस्पर्धी बनाएं और वित्तीय अनुशासन बनाए रखें, तो 'युद्ध-भय' स्थायी नियति नहीं रहेगा। अन्यथा हर वैश्विक टकराव हमारी अर्थव्यवस्था की नसों पर दबाव बनाता रहेगा। यह सिंड्रोम चेतावनी भी है और अवसर भी—चुनाव हमारा है कि हम भय में सिमटें या उसे नीतिगत सुधार की शक्ति में रूपांतरित कर दें।

आप का नज़रिया

आरडीजी कटौती क्यों अन्यायपूर्ण?

16वें वित्त आयोग की सिफारिश के आधार पर राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) को अचानक बंद किए जाने से अधिकांश पहाड़ी राज्य, विशेषकर हिमाचल प्रदेश स्तब्ध हैं। आयोग की रिपोर्ट के अध्याय नौ का सावधानीपूर्वक अध्ययन बताता है कि सभी राज्यों, जिनमें विशेष श्रेणी के पहाड़ी राज्य भी शामिल हैं, के साथ समान व्यवहार किया गया है। स्थापित सिद्धांतों से इस विचलन के कारण सामान्य हैं, राज्य-विशिष्ट नहीं, और गणनाएं भी इसी प्रकार की गई हैं। यह न केवल संविधान के अनुच्छेद 275 (1) की भावना के विपरीत है, बल्कि हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों की संरचनात्मक चुनौतियों की भी अनदेखी करता है। आरडीजी कोई दान नहीं है, यह वस्तुनिष्ठ वास्तविकताओं की स्वीकृति है। इन राज्यों की भौगोलिक स्थिति कठिन है, जनसंख्या घनत्व कम है, बड़ी जनजातीय आबादी है और ये रणनीतिक सीमा क्षेत्रों में स्थित हैं। अधिकांश राज्य आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर नहीं हैं। उनका गठन क्षेत्रीय आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए हुआ था, न कि राजकोषीय मजबूती के लिए। आरडीजी बंद करने से राज्य की वित्तीय स्थिति पर गहरा आघात होगा, विकास कार्य ठप पड़ सकते हैं और क्षेत्रीय असंतोष बढ़ सकता है। संवैधानिक दायित्व : संविधान का अनुच्छेद 275 (1) 'सहायता की आवश्यकता' वाले राज्यों को अनुदान देने का प्रावधान करता है और विभिन्न राज्यों के लिए अलग-अलग राशि निर्धारित करने की अनुमति देता है। अगस्त 1949 में संविधान सभा की बहसों के दौरान डा. भीमराव अंबेडकर ने स्पष्ट किया था कि 'सहायता की आवश्यकता' ही अनुदान का सर्वोपरि मानदंड होना चाहिए। उल्लेखनीय है कि ये महत्वपूर्ण शब्द 16वें वित्त आयोग के कार्यक्षेत्र से हटा दिए गए। यद्यपि आयोग ने स्वयं माना कि राजस्व अंतर अनुदान तय करने के लिए 'सहायता की आवश्यकता' निर्धारित करना आवश्यक है, लेकिन अंतिम सिफारिशों में इसका प्रतिबिंब नहीं दिखा। ऐतिहासिक रूप से सभी वित्त आयोगों ने आवश्यकता के आकलन के आधार पर आरडीजी प्रदान की है। अधिकांश आयोगों ने राज्यों के राजस्व खातों में कर-वितरण के बाद के अंतर का मानक आकलन किया। प्रत्येक राज्य के लिए अलग-अलग सहायता की आवश्यकता का आकलन करना संविधान के अनुच्छेद 280 (3) (बी) में निहित है। इसे नजरअंदाज कर आयोग ने देश के सबसे संवेदनशील भौगोलिक क्षेत्रों के लिए बनाए गए राजकोषीय सुरक्षा कवच को कमजोर किया है। प्रत्येक राज्य को, चाहे उसका आकार या श्रेणी कुछ भी हो, संवैधानिक दायित्व निभाने होते हैं। इसके लिए वे अपने राजस्व, कर-वितरण और बाजार से उधारी पर निर्भर रहते हैं, जो वित्तीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन अधिनियम के तहत सकल राज्य घरेलू उत्पाद के 3 फीसदी तक सीमित है। अधिकांश विशेष श्रेणी के पूर्वोत्तर और हिमालयी राज्यों में राजस्व और व्यय के बीच स्थायी अंतर बना रहता है, जिसे ऐतिहासिक रूप से आरडीजी ने पाटा है। भौगोलिक लागत पहाड़ी राज्यों में सेवाएं और बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने की लागत मैदानी क्षेत्रों की तुलना में दो से तीन गुना अधिक है। ये क्षेत्र जलवायु परिवर्तन से बढ़ती प्राकृतिक आपदाओं से लगातार जूझ रहे हैं, जो नाजुक भू-आकृति के लिए गंभीर खतरा हैं। हिमाचल प्रदेश ने पिछले तीन वर्षों में ही लगभग 20000 करोड़ रुपए का नुकसान झेला है। विडंबना यह है कि भूस्खलन, बादल फटना और ग्लेशियर लेक आउटबर्स्ट फ्लड जैसी आपदाओं को केंद्रीय राहत पैकेजों में पर्याप्त महत्व नहीं मिलता और प्रभावित परिवारों के लिए सहायता मानदंड भी बेहद कम हैं। इसके अतिरिक्त पहाड़ी राज्य देश को अमूल्य पारिस्थितिकी सेवाएं प्रदान करते हैं। भारतीय वन प्रबंधन संस्थान के एक अध्ययन के अनुसार, हिमाचल प्रदेश अकेले प्राकृतिक कार्बन सिंक, जलग्रहण संरक्षण और जैव विविधता जैसी सेवाओं के माध्यम से लगभग 90000 करोड़ रुपए का योगदान देता है। इन सेवाओं का लाभ अन्य राज्यों को मिलता है, जबकि लागत मेजबान राज्य को वहन करनी पड़ती है, क्योंकि उसके 68 फीसदी भूभाग पर वन आच्छादन है। हिमाचल ने इस हरित आवरण की रक्षा के लिए वैज्ञानिक कटान (सिल्वीकल्चर) पर भी स्वयं प्रतिबंध लगाया हुआ है। राजस्व सृजन की भौतिक सीमाएं भी हैं। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था में हिमाचल को नुकसान हुआ है, क्योंकि वह उपभोक्ता राज्य नहीं है और उसका घरेलू बाजार छोटा है। जीएसटी की 'गंतव्य आधारित' संरचना उपभोग करने वाले राज्यों को उत्पादन करने वाले राज्यों पर प्राथमिकता देती है। जीएसटी से पहले राज्य की राजस्व वृद्धि दर अधिक थी, यहां तक कि जीएसटी क्षतिपूर्ति को शामिल करने के बाद भी।

आयोग की रिपोर्ट के अध्याय नौ का सावधानीपूर्वक अध्ययन बताता है कि सभी राज्यों, जिनमें विशेष श्रेणी के पहाड़ी राज्य भी शामिल हैं, के साथ समान व्यवहार किया गया है। स्थापित सिद्धांतों से इस विचलन के कारण सामान्य हैं, राज्य-विशिष्ट नहीं, और गणनाएं भी इसी प्रकार की गई हैं। यह न केवल संविधान के अनुच्छेद 275(1) की भावना के विपरीत है, बल्कि हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों की संरचनात्मक चुनौतियों की भी अनदेखी करता है। आरडीजी कोई दान नहीं है, यह वस्तुनिष्ठ वास्तविकताओं की स्वीकृति है। इन राज्यों की भौगोलिक स्थिति कठिन है, जनसंख्या घनत्व कम है, बड़ी जनजातीय आबादी है और ये रणनीतिक सीमा क्षेत्रों में स्थित हैं। अधिकांश राज्य आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर नहीं हैं। उनका गठन क्षेत्रीय आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए हुआ था, न कि राजकोषीय मजबूती के लिए। आरडीजी बंद करने से राज्य की वित्तीय स्थिति पर गहरा आघात होगा, विकास कार्य ठप पड़ सकते हैं और क्षेत्रीय असंतोष बढ़ सकता है।

कुछ अलग

ध्यान से समाधि की ओर तभी चलेंगे, जब द्वंद्वमुक्त होंगे

योगसूत्र में कहा गया है कि चित्तवृतियों अथवा मन पर नियंत्रण ही योग है। योग के आठ अंग हैं- यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि। चिकित्सा-पद्धति के रूप में या फिर शरीर और मन के रूपांतरण के लिए योग के इन सभी आठों अंगों का अभ्यास करना अनिवार्य है। योग में शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार के अभ्यास सम्मिलित होते हैं। सवाल है कि शारीरिक अभ्यास क्रम महत्वपूर्ण है या मानसिक अभ्यास क्रम? हमारा शरीर और व्यक्तित्व वास्तव में हमारी भाव प्रक्रिया से ही बनता है। जैसा हम लगातार चिंतन करते हैं, जो कुछ भी हम सोचते रहते हैं, हम वैसे ही हो जाते हैं। इसलिए हमारी विचार प्रक्रिया का सीधा असर हमारे स्वास्थ्य या फिर रोग पर भी पड़ता है। यही विचार प्रक्रिया रोग के उपचार में भी सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यहां मन महत्वपूर्ण हो जाता है। जैसा या जो भी हम चाहते हैं वह मन-मस्तिष्क की एक खास अवस्था (अल्फा) में ही पूरा होता है। अब प्रश्न उठता है कि अगर सारा खेल मन का ही है तो फिर आसन और प्राणायाम की हमें जरूरत ही क्या है? वास्तव में भौतिक शरीर की जड़ता को खत्म करके उसे मन से जोड़ने और उसके बाद मन को अपेक्षित दशा अर्थात अल्फा अवस्था में ले जाने के लिए योगासन और प्राणायाम का अभ्यास अनिवार्य है। जब हम योग-साधना करते हैं तो कोई न कोई भाव तो हमारे मन में व्याप्त होता ही है। मन के कई स्तर हैं। चेतन या जाग्रत अवस्था में भी भाव तो होता है लेकिन वह वास्तविकता में नहीं बदलता, क्योंकि एकाग्रता और ध्यान के बिना यह असंभव है।

दृष्टि कोण

दशकों तक अमेरिकी सुरक्षा के भरोसे बैठे रहे खाड़ी देश अब अपना माथा पीट रहे

दशकों तक खाड़ी के समृद्ध अरब देशों ने अपनी सुरक्षा की बागडोर अमेरिका के हाथों में सौंप रखी थी। तेल की दौलत, चमकते महानगर और वैश्विक निवेश के दम पर उन्होंने अपने आपको स्थिरता और सुरक्षित ठिकाने के रूप में प्रस्तुत किया। पर अब हालात तेजी से बदल रहे हैं। ताजा घटनाक्रम ने साफ कर दिया है कि खाड़ी की चमकदार इमारतों के पीछे असुरक्षा की दरारें गहरी हो चुकी हैं। ईरान ने पश्चिम एशिया में अमेरिका के सहयोगी देशों पर जिस तेजी और तीव्रता के साथ हमले किए उससे अमेरिका के भरोसे बैठा हर देश चौंक गया है। भले ही अमेरिका और इजरायली हमलों से ईरान को भारी नुकसान उठाना पड़ा हो और सैकड़ों लोग मारे गए हों, लेकिन असली सवाल यह है कि इस टकराव में ज्यादा दांव पर किसका लग हुआ है? देख जाए तो संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, कुवैत और सऊदी अरब जैसे खाड़ी देश आर्थिक रूप से कहीं अधिक संवेदनशील स्थिति में हैं। पश्चिम एशिया लगभग साढ़े चार लाख करोड़ डॉलर की सकल घरेलू उत्पाद वाली विशाल आर्थिक पट्टी है। दुबई के किसी आलीशान होटल पर मिसाइल गिरने की तस्वीरें ही निवेशकों के भरोसे को चकनाचूर करने के लिए काफी हैं। 1990 के दशक के खाड़ी युद्ध का दौर अलग था। तब पश्चिम एशिया की पहचान मुख्य रूप से तेल और गैस उत्पादक क्षेत्र की थी। दुनिया को ऊर्जा चाहिए थी और युद्ध समाप्त होते ही व्यापार फिर पटरी पर लौट आता था। लेकिन आज की तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। संयुक्त अरब अमीरात की अर्थव्यवस्था का लगभग 77 प्रतिशत हिस्सा गैर तेल क्षेत्रों पर आधारित है। ओमान में यह आंकड़ा 73 प्रतिशत, कतर में 66 प्रतिशत और सऊदी अरब में 57 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। वित्त, अचल संपत्ति, पर्यटन और वैश्विक सेवाओं में इन देशों ने भारी निवेश किया है। दुबई अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केंद्रों की सूची में दुनिया के अग्रणी शहरों में शामिल हो चुका है। इन देशों ने अपने आपको स्थिर, सुरक्षित और निवेश के लिए अनुकूल केंद्र के रूप में गढ़ा है। पर जब ड्रोन

और मिसाइलों की खबरें सुर्खियां बनती हैं, तब यह पूरी छवि दरकने लगती है। भले ही अधिकतर हमले रोके जा रहे हों, लेकिन निवेशक, पर्यटक और प्रवासी श्रमिक भयभीत होते हैं। खाड़ी की समृद्धि का बड़ा आधार यही प्रवासी श्रमिक हैं, जिनमें लाखों भारतीय भी शामिल हैं। उनके जरिए अरबों डॉलर की धनराशि भारत सहित कई देशों में भेजी जाती है। यदि युद्ध की आशंका बढ़ती है तो यह आर्थिक धारा भी प्रभावित होगी। ओमान के सूत्रों का कहना है कि अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता आगे बढ़ रही थी और कई मांगों पर सहमति भी बन चुकी थी। ऐसे में युद्ध की नौबत टाली जा सकती थी। हालांकि हाल की घटनाओं ने हालात को जटिल बना दिया है, फिर भी संवाद की राह पूरी तरह बंद नहीं हुई है। खाड़ी के शासकों को अब खुलकर संघर्ष विराम के लिए पहल करनी होगी। केवल अमेरिका पर निर्भर रहना अब पर्याप्त नहीं दिख रहा। भारत के लिए भी यह समय निर्णायक है। ऊर्जा सुरक्षा, दस लाख से अधिक भारतीय कामगारों की मौजूदगी और भारी धन प्रेषण के कारण भारत का सीधा हित इस क्षेत्र से जुड़ा है। भारत की संतुलित कूटनीति और दोनों पक्षों के साथ संवाद की क्षमता उसे मध्यस्थ की भूमिका में ला सकती है। अमेरिका ने दावा किया है कि वह अभियान को कुछ ही सप्ताह में समेट सकता है, लेकिन पश्चिम एशिया इतने लंबे इंतजार का जोखिम नहीं उठा सकता। हर बीतता दिन निवेश और स्थिरता पर चोट कर रहा है। खाड़ी देशों को अब निर्णायक, आक्रामक और स्पष्ट पहल करनी होगी। यह केवल सीमाओं की लड़ाई नहीं, बल्कि आर्थिक भविष्य और वैश्विक साख की जंग है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपना तनाव दूर करने के लिए परिवार वालों की मदद लें। उनकी सहयता को खुले दिल से स्वीकारें। अपनी भावनाओं को दबाएँ और छुपाएँ नहीं। जो लोग आपके लिए सबसे ज़्यादा अहमियत रखते हैं, उन्हें अपनी बात समझाने में आप ख़ासी दिक़्क़त महसूस करेंगे। उन सहकर्मियों का ख़ास ध्यान रखें, जो उम्मीद के मुताबिक़ चीज़ न मिलने पर जल्दी ही बुरा मान जाते हैं। आज जीवनसाथी के साथ समय बिताने के लिए आपके पास पर्याप्त समय होगा। आपके और आपके जीवन साथी के बीच विश्वास की कमी रह सकती है। जिससे आज वैवाहिक जीवन में तनाव हो सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपकी व्यक्तिगत समस्याएँ मानसिक शांति को भंग कर सकती हैं। मानसिक दबाव से बचने के लिए कुछ रोचक और अच्छा पढ़ें। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम-काज के हिसाब से अच्छा दिन है। अगर आप व्यवसाय में किसी नये भागीदार को जोड़ने पर विचार कर रहे हैं, तो यह ज़रूरी होगा कि उससे कोई भी वादा करने से पहले आप सभी तथ्य अच्छी तरह जाँच लें। आज आपके पास खाली समय होगा और इस समय का इस्तेमाल आप ध्यान योग करने में कर सकते हैं। आपको आज मानसिक शांति का अहसास होगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज के दिन किए गए दान-पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। घर में किसी फंक्शन के होने की वजह से आज आपको बहुत धन खर्च करना पड़ेगा जिसके कारण आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। दफ़्तर के कामकाज में ज़्यादा व्यस्तता के चलते अपने जीवनसाथी के साथ आपका रिश्ता तनाव-पूर्ण हो सकता है। आज आप नए प्रोजेक्ट को शुरू करेंगे जो पूरे परिवार के लिए समृद्धि लेकर आएगा। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप जल्द ही लम्बे समय से चली आ रही बीमारी से उबरकर पूरी तरह सेहतमंद हो सकते हैं। लेकिन ऐसे ख़ुदगर्ज़ और गुस्सैल इंसान से बचें, जो आपको तनाव दे सकता है और आपकी परेशानियों में इज़ाफ़ा कर सकता है। आज आपको अपना धन खर्च करने की जरुरत नहीं पड़ेगी क्योंकि घर का कोई बड़ा आज आपको धन दे सकता है। प्यार, मेलजोल और आपसी जुड़ाव में इज़ाफा होगा। बहादुरी भरे क़दम और फ़ैसले आपको अनुकूल पुरुस्कार देंगे। जीवनसाथी के रिश्तेदारों का दख़ल वैवाहिक जीवन का सन्तुल बिगाड़ सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका व्यक्तित्व आज सबको आकर्षित करेगा। लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। दूर के रिश्तेदार से जिस संदेश की काफ़ी समय से उम्मीद थी, वह अच्छी ख़बर पूरी परिवार को ख़ुशियों से भर देगी। आपके साझीदार आपकी नई योजनाओं और विचारों का समर्थन करेंगे। दूसरों को राज़ी करने की आपकी प्रतिभा आपको काफ़ी फ़ायदा पहुँचाएगी। उनपर ग़ौर करें, यह बात आपको ख़ुद-ब-ख़ुद दिख जाएगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। व्यापार में आज अच्छा खास मुनाफा होने की संभावना है। आज के दिन आप अपने बिजनेस को नई ऊंचाईयां दे सकते हैं। विदेश में रह रहे किसी रिश्तेदार से मिला तोहफ़ा आपके लिए ख़ुशी लेकर आएगा। अगर आप अपने लक्ष्यों को पाने के लिए एकाग्रता सए ध्यान केंद्रित करेंगे तो आपकी उपलब्धियाँ आपकी उम्मीदों से ज़्यादा होंगी। कार्यक्षेत्र के किसी काम में खराबी की वजह से आज आप परेशान रह सकते हैं और इस बारे में सोचकर अपना कीमती वक्त बर्बाद कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप जल्द ही लम्बे समय से चली आ रही बीमारी से उबरकर पूरी तरह सेहतमंद हो सकते हैं। लेकिन ऐसे ख़ुदगर्ज़ और गुस्सैल इंसान से बचें, जो आपको तनाव दे सकता है और आपकी परेशानियों में इज़ाफ़ा कर सकता है। जिन लोगों ने किसी रिश्तेदार से पैसा उधार लिया था उनको आज वो उधार किसी भी हालत में वापस करना पड़ सकता है। दोस्त और रिश्तेदार आपकी मदद करेंगे और आप उनके साथ काफ़ी ख़ुशी महसूस करेंगे। आपको ख़ुशी से भरी शादीशुदा ज़िन्दगी की एहमियत का एहसास होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

जो लोग काफी वक्त से आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे उन्हें आज कहीं से धन प्राप्त हो सकता है जिससे जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाएंगी। जिसके साथ आप रहते हैं, उससे वाद-विवाद करने से बचें। यदि कोई समस्या है, तो उसे शान्ति से बातचीत करके सुल-झाएँ। आज कार्यक्षेत्र में आपकी ऊर्जा घर के किसी मसले को लेकर कम रहेगी। इस राशि के कारोबारियों को आज के दिन अपने साझेदारों पर नजर बनाए रखने की जरुरत है, वो आपको नुक्सान पहुंचा सकते हैं। ऑफिस से जल्दी घर जाने का प्लान आज आप ऑफिस पहुंचकर ही कर सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर आज आप भविष्य के लिए कोई आर्थिक योजना बना सकते हैं और उम्मीद है कि यह योजना सफल भी होगी। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। कार्यक्षेत्र में आपके सामने नई चुनौतियाँ आएंगी– ख़ास तौर पर अगर आप कूटनीतिक तरीक़े से चीज़ों को नहीं इस्तेमाल करेंगे तो। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें। बढ़िया दिन है जब आप सबके ध्यान को अपनी तरफ़ खींचेंगे– आपके सामने चुनने के लिए कई चीज़ें होंगी और आपके सामने समस्या यह होगी कि किसे पहले चुना जाएगा । दफ़्तर में आपको कुछ ऐसा काम मिल सकता है, जिसे आप हमेशा से करना चाहते थे। आज आप सारे रिश्तों और रिश्तेदारों से दूर होकर अपना दिन किसी ऐसी जगह पर बिताना पसंद करेंगे जहां जाकर आपको शांति प्राप्त होती है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

सुकून हासिल करने लिए कुछ पल क़रीबी दोस्तों के साथ बिताएँ। आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। किसी पारिवारिक भेद का खुलना आपको चकित कर सकता है। आज आपके सहकर्मी आपके काम की तारीफ करेंगे और आपका बॉस भी आपके काम से खुश होगा। कारोबारी भी आज कारोबार में मुनाफा कमा सकते हैं। यात्रा आपके लिए आनन्ददायक और बहुत फ़ायदेमंद होगी। आज आपका वैवाहिक जीवन हँसी-ख़ुशी, प्यार और उल्लास का केन्द्र बन सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। दोस्त और घर वाले आपको प्यार और सहयोग देंगे। वरिष्ठों का सहयोग और तारीफ़ आपके आत्मविश्वास और उत्साह को दोगुना कर देंगे। आज आपको अपने ससुराल पक्ष से कोई बुरी खबर मिल सकती है जिसके कारण आपका मन दुखी हो सकता है और आप काफी समय सोच विचार करने में गंवा सकते हैं। आज आपको अपने जीवनसाथी से भरपूर सहयोग मिलेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 06 मार्च 2026 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : चैत्र , कृष्ण पक्ष
तिथि : तृतीया सायं 05:56 तक
नक्षत्र : हस्त प्रातः 09:30 तक
योग : गण्ड प्रातः 07:04 तक
करण : विष्टि सायं 05:56 तक
चन्द्रराशि : कन्या रात्रि 10:19 तक
सूर्योदय : 06:31, सूर्यास्त 06:23 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:32, सूर्यास्त 06:29 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:25, सूर्यास्त 06:21 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:22, सूर्यास्त 06:15 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : संकष्ट चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय रात्रि 08:53

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सीएम भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में

महिला आत्मनिर्भरता को मिली नई उड़ान

जयपुर, 05 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, उन्हें आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से मजबूत करने तथा महिला सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए निरंतर महत्वपूर्ण निर्णय ले रही है। राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष के बजट में भी रूरल विमेन बीपीओ, राज सखी स्टोर, अमृत पोषण वाटिकाओं का निर्माण, किशोरी बालिका योजना का विस्तार, मुख्यमंत्री लखपति दीदी ऋण योजना के अंतर्गत ऋण सीमा में वृद्धि सहित ऐसी अनेक घोषणाएं की गई हैं, जिससे आधी आबादी सशक्त एवं आत्मनिर्भर बन सके।

राज्य सरकार द्वारा महिला सशक्तीकरण एवं वित्तीय समावेशन के तहत किए जा रहे प्रयासों से प्रदेशभर में 16 लाख से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बनी हैं। ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को आर्थिक संबल देने एवं रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध करवाने के लिए 100 करोड़ रुपये का व्यय कर जिला स्तर पर रूरल विमेन बीपीओ स्थापित किये जायेंगे। साथ ही, मुख्यमंत्री लखपति दीदी ऋण योजना के तहत ऋण सीमा भी एक लाख रुपये से बढ़ाकर एक लाख 50 हजार रुपये करने का बजटीय प्रावधान किया गया है, जिससे महिला उद्यमिता को और अधिक प्रोत्साहन मिल सके।

राजीविका के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक नवाचार किए जा रहे हैं। सरकार द्वारा इस वर्ष की बजटीय घोषणा के तहत राजीविका के अन्तर्गत संगठित 100 क्लस्टर लेवल फेडरेशन के कार्यालय एवं अन्य उपयोग के लिए भवन उपलब्ध करवाये जायेंगे। साथ ही, इन कार्यालयों में डिजिटल एवं वित्तीय साक्षरता के लिए 'सक्षम सेंटर' भी शुरू किए जाएंगे। स्वयं सहायता समूहों द्वारा बनाये गये उत्पादों की बेहतर ब्रांडिंग, डिजाइनिंग एवं पैकेजिंग कर डेयरी, टैक्सटाइल, फुटवियर, मिलेट्स एवं मसाले इत्यादि से सम्बन्धित क्षेत्रों के 50 नवीन एंटरप्रा-इजेज स्थापित किये जायेंगे। साथ ही, राज्य सरकार द्वारा इन उत्पादों की ब्रिक्री के लिए राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों से समन्वय भी किया जाएगा।

राज्य सरकार महिला उद्यमिता को प्रोत्साहन देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में सभी संभागीय

मुख्यालयों पर 'राज सखी स्टोर्स' स्थापित किए जाएंगे, जिससे राजीविका से जुड़ी महिलाओं को उद्यम को सफल बनाने के लिए आवश्यक क्षमता संवर्द्धन मिल सके। इस हेतु सभी जिलों में चरणबद्ध रूप से सेंटर फोर एंटरप्रेन्योरशिप एण्ड कैपिसिटी बिल्डिंग स्थापित किये जायेंगे। मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना के तहत ऋण की सीमा 50 लाख से बढ़ाकर एक करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान भी किया गया है। वहीं, स्वयं सहायता समूह की लगभग 5 हजार महिलाओं को प्रशिक्षित कर 'बैंकिंग कॉरस्पोंडेंट' सखी बनाया जायेगा।

राज्य सरकार द्वारा महिला स्वयं सहायता समूह की आजीविका संवर्द्धन के लिए 11 हजार अमृत पोषण वाटिकाओं का निर्माण किया जाएगा, जिससे आंगनबाड़ी केन्द्रों व स्कूलों में मिड-डे-मील के लिए स्थानीय स्तर पर फल, सब्जी भी उपलब्ध हो सकेंगे। राज्य सरकार द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए भी अर्ली चाइल्डहुड केयर एण्ड एजुकेशन कोर्स करवाया जाएगा। साथ ही, प्रदेश की एक हजार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रतिष्ठित संस्थानों से विशिष्ट प्रशिक्षण दिलवाया जायेगा।

इस वर्ष के बजट में आकांक्षी जिले करौली, धौलपुर, बारां, जैसलमेर एवं सिरोही में संचालित 'किशोरी बालिका योजना' का विस्तार किया गया है। अब यह योजना राज्य के समस्त 27 आकांक्षी ब्लॉक्स में शुरू की जाएगी, जिससे 50 हजार से अधिक किशोरी बालिकाएं पूरक पोषाहार से लाभान्वित हो सकेंगी। राजकीय कार्यालयों में कार्यालय समय में 6 माह से 6 वर्ष के बच्चों की देखभाल के लिए चरणबद्ध रूप से 'मुख्यमंत्री शिशु-वात्सल्य सदन' खोले जायेंगे।

महिला सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। महिलाओं के विरूद्ध सार्वजनिक स्थानों पर छेड़छाड़, घरेलू हिंसा एवं अन्य अपराधों की रोकथाम के लिए कार्यरत कालिका पेट्रोलिंग यूनिट की संख्या को चरणबद्ध रूप से 500 से बढ़ाकर 600 किया जाएगा। वहीं, 100 पुलिस थानों में महिला बैरक विकसित किये जायेंगे। पर्यटकों की सुरक्षा व सहयोग के लिए पर्यटन सहायता बल कैडर का सुदृढ़ीकरण हेतु महिला सुरक्षाकर्मियों एवं गाइड्स की नियुक्ति की जायेगी।

इंटर-स्टेट ट्रांसमिशन परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन के मुख्य सचिव ने दिए निर्देश

जयपुर, 05 मार्च (एजेंसियां)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने गुरुवार को सचिवालय में इंटर-स्टेट ट्रांसमिशन परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राजस्थान देश में अक्षय ऊर्जा उत्पादन के प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है और इन ट्रांसमिशन परियोजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन राज्य में उत्पादित सौर एवं पवन ऊर्जा को राष्ट्रीय ग्रिड तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सीकर, झुंझुनूं, बाड़मेर, बालोतरा, जैसलमेर तथा फलोदी जिलों में निर्माणाधीन इन ट्रांसमिशन परियोजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने परियोजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही बाधाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित जिला प्रशासन को निर्देश दिए कि राइट ऑफ वे (ठेथ), वन स्वीकृति, स्थानीय समन्वय सहित अन्य लंबित प्रशासनिक मामलों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि परियोजनाओं का कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरा हो सके।

बैठक में 765 केवी फतेहगढ़-III-ब्यावर (द्वितीय), 400 केवी फतेहगढ़-3-भड़ला-3, 765 केवी सीकर-खेतड़ी तथा 765 केवी सीकर-नरेला ट्रांसमिशन परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े संबंधित जिलों के जिला कलेक्टरों ने बताया कि उनके-अपने जिलों में इन परियोजनाओं के अंतर्गत अधिकांश निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है तथा शेष कार्य प्रगति पर है। कुछ स्थानों पर राइट ऑफ वे, वन स्वीकृति तथा स्थानीय समन्वय से जुड़े मुद्दे लंबित हैं, जिनके समाधान के लिए जिला प्रशासन स्तर पर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

बैठक में ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अजिताभ शर्मा, प्रबंध निदेशक राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम (आरवीपीएन) सिद्धार्थ सिहाग, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड तथा अन्य संबंधित एजेंसियों के अधिकारी उपस्थित रहे, जबकि सीकर, झुंझुनूं, बाड़मेर, बालोतरा, जैसलमेर और फलोदी जिलों के जिला कलेक्टर एवं अन्य अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े।

अतिरिक्त मुख्य सचिव अपर्णा अरोड़ा ने राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन (181) का किया निरीक्षण

जयपुर, 05 मार्च (एजेंसियां)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव अपर्णा अरोड़ा ने गुरुवार को शासन सचिवालय स्थित राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन (181) का दौरा कर परिवादियों से फोन पर सीधे संवाद किया। उन्होंने उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के निर्देश दिए। अरोड़ा ने इस दौरान विभागीय अधिकारियों के साथ प्रकरणों के निस्तारण की औसत अवधि, लंबे समय से लंबित मामलों तथा संतुष्टि श्रेणियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक परिवादी की समस्या का त्वरित, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए।

समीक्षा के दौरान बताया गया कि पिछले एक वर्ष में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग से संबंधित 2,59,977 परिवाद राजस्थान संपर्क पोर्टल पर प्राप्त हुए, जिनमें से 2,53,106 परिवादों का निस्तारण किया जा चुका है। इन शिकायतों का औसत निस्तारण समय लगभग 13 दिन रहा तथा 71 प्रतिशत परिवादियों ने समाधान पर संतुष्टि व्यक्त की। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि संपर्क पोर्टल पर प्राप्त प्रकरणों के निस्तारण के लिए आवश्यक सुधारात्मक उपाय अपनाए जाएं तथा परिवादियों के साथ नियमित संवाद स्थापित किया जाए। उन्होंने निस्तारित प्रकरणों के संबंध में परिवादियों से फीडबैक लेने के भी निर्देश दिए।

शिक्षा बजट में भारी कटौती से सरकारी स्कूलों का भविष्य खतरे में: कुमारी सैलजा

चंडीगढ़, 05 मार्च (एजेंसियां)। सिरसा की सांसद, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने हरियाणा सरकार के बजट 2026-27 पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के बजाय उसे लगातार कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों से स्पष्ट है कि सरकारी स्कूलों और कॉलेजों को जानबूझकर कमजोर किया जा रहा है। कुमारी सैलजा ने कहा कि वर्ष 2013-14 में कांग्रेस सरकार के समय कुल बजट खर्च का 21.77 प्रतिशत हिस्सा शिक्षा पर खर्च किया जाता था, जबकि वर्तमान सरकार के 2026-27 के बजट में यह घटकर मात्र 10.80 प्रतिशत रह गया है। शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में इस प्रकार की कटौती यह दर्शाती है कि सरकार की प्राथमिकताओं में शिक्षा कहीं नहीं है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के सरकारी विद्यालयों की स्थिति बेहद चिंताजनक है। हरियाणा के लगभग 90 प्रतिशत सरकारी स्कूलों में प्रिंसिपल और हेडमास्टर के पद खाली पड़े हैं, जिससे स्कूलों में प्रशासनिक व्यवस्था और शैक्षणिक वातावरण दोनों प्रभावित हो रहे हैं। जब विद्यालयों में नेतृत्व ही नहीं होगा तो विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा कैसे मिल सकेगी।

कुमारी सैलजा ने प्रदेश की विश्वविद्यालयों की स्थिति पर भी गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में लगभग 50 प्रतिशत टीचिंग पोस्ट खाली हैं, चौधरी बंसीलाल यूनिवर्सिटी भिवानी में 69 प्रतिशत, चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय सिरसा में लगभग 60 प्रतिशत तथा सीआरएसयू जींद में भी करीब 60 प्रतिशत पद खाली पड़े हैं। इससे साफ है कि प्रदेश की उच्च शिक्षा भी गंभीर संकट से गुजर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जानबूझकर सरकारी शिक्षा व्यवस्था को कमजोर करने की नीति पर काम कर रही है ताकि लोगों का भरोसा सरकारी स्कूलों से खत्म हो जाए और निजी शिक्षा संस्थानों को बढ़ावा मिले। यदि सरकार वास्तव में शिक्षा को लेकर गंभीर होती तो खाली पदों को तुरंत भरती, विद्यालयों के ढांचे को मजबूत करती और शिक्षा के बजट में बढ़ोतरी करती।

कुमारी सैलजा ने कहा कि बजट 2026-27 में किसानों के साथ भी अन्याय किया गया है।

हरियाणा राज्यसभा चुनाव: तीन उम्मीदवारों ने भरे नामांकन

चंडीगढ़, 05 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा राज्यसभा के द्वि-वार्षिक चुनावों के लिए नामित रिटर्निंग ऑफिसर पंकज अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि 16 मार्च को होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए आज तीन नामांकन पत्र प्राप्त हुए हैं। उन्होंने बताया कि नामांकन दाखिल करने की आज अंतिम तिथि थी, जबकि नामांकन पत्रों की जांच 6 मार्च को की जाएगी। अग्रवाल ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी की ओर से संजय भाटिया, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की ओर से कर्मवीर सिंह बौद्ध तथा निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में सतीश नांदल ने अपने-अपने नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। उन्होंने आगे बताया कि उम्मीदवार 9 मार्च तक अपने नामांकन वापस ले सकते हैं। मतदान यदि आवश्यक हुआ तो 16 मार्च 2026 को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक हरियाणा विधानसभा सचिवालय के कमेटी रूम में होगा।

प्रोजेक्ट एक्सटेंशन के लिए लगाया जाएगा अलग टेंडर : सैनी

चंडीगढ़, 05 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि किसी प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन के दौरान यदि उस परियोजना में कार्य का विस्तार किये जाने की आवश्यकता है तो उसके लिए नया टेंडर लगाया जाएगा। इससे एनहांसमेंट जैसी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित होगा। मुख्यमंत्री हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के दौरान वीरवार को प्रश्न काल के दौरान सदन में जवाब दे रहे थे।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि वर्तमान में ऐसी स्थिति है कि कोई प्रोजेक्ट चल रहा है तो बीच में ही एक्सपेंशन कर देते हैं और बार-बार एक्सपेंशन से बहुत समस्या आती है, जिससे बजट बढ़ने और एनहांसमेंट जैसी दिक्कतें उत्पन्न होती हैं। इन सबके समाधान हेतु सरकार ने निर्णय लिया है कि किसी प्रोजेक्ट के लिए कोई टेंडर लगा है और यदि उसमें किसी प्रकार का विस्तार करना है तो उसके लिए अलग से टेंडर लगाया जाएगा। इस संबंध में सभी विभागों के अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए जा चुके हैं।

बी.के. हरिप्रसाद की मौजूदगी में कर्मवीर सिंह बौद्ध ने राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल किया

चंडीगढ़, 05 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस हाईकमान के दिशा-निर्देशों के अनुरूप हरियाणा से राज्यसभा के लिए कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में कर्मवीर सिंह बौद्ध ने अपना नामांकन दाखिल किया। नामांकन प्रक्रिया हरियाणा कांग्रेस के प्रभारी बी.के. हरिप्रसाद की अध्यक्षता में पूरी हुई। इस अवसर पर हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ,नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला सहित पार्टी के सभी विधायक मौजूद रहे और कर्मवीर सिंह बौद्ध को शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर जानकारी देते हुए प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा कर्मवीर सिंह बौद्ध को राज्यसभा के लिए उम्मीदवार बनाने का फैसला कांग्रेस की उदारवादी और समावेशी विचारधारा को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि कर्मवीर सिंह बौद्ध एक साधारण दलित परिवार से आने वाले शिक्षित और समाज के प्रति समर्पित व्यक्ति हैं, जिन्होंने लंबे समय से संगठन और समाज के बीच सक्रिय भूमिका निभाई है। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने एक आम कार्यकर्ता को राज्यसभा के लिए उम्मीदवार बनाकर यह स्पष्ट संदेश दिया है कि पार्टी में हर कार्यकर्ता का सम्मान है और किसी भी कार्यकर्ता के लिए ऊंचे पद तक पहुंचने के दरवाजे खुले हैं।

शुभ लाभ DAILY

आरकेबीएल के तत्वावधान में राजस्थान समाज के बुजुर्गों को सम्मानित किया गया

बेल्लमपल्ली, 05 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । बुधवार रात बेल्लमपल्ली शहर के माहेश्वरी भवन में, होली के त्योहार के मौके पर, आरकेबीएल ने राजस्थान समाज के बुजुर्गों को सम्मानित किया। इस अवसर पर फूलों की होली के साथ-साथ नृत्य प्रदर्शन और गानों का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।समाज के बुजुर्गों ने इस कार्यक्रम में बड़े उत्साह से हिस्सा लिया और इसका आनंद लिया। यह आयोजन न केवल सम्मान का प्रतीक था, बल्कि बुजुर्गों को सामाजिक स्नेह और प्रेम से जोड़ने का भी एक प्रयास था।इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए कई लोगों ने ऑर्गनाइज़र को बधाई दी। समारोह में वार्ड 29 के पार्षद मेडी पुन्नम चंद्रू, नेता बी.जी. शंकर सिंह, भंडारी प्रवीण और राजस्थान समाज के अन्य सदस्य मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों ने रंगीन एवं जीवंत नृत्य प्रस्तुत किए। इस मौके पर समाज में एकजुटता और भाईचारे का संदेश दिया गया।बुजुर्गों को सम्मानित करना और उनके साथ इस खास पल को साझा करना इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य था। इस तरह के कार्यक्रम समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और सामूहिकता को बढ़ावा देते हैं।

एटीएमए की देखरेख में किसानों के लिए विज्ञान आधारित कार्यक्रम

बेल्लमपल्ली, 05 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट ने कन्नाला रायथु वेदिका में बेल्लमपल्ली चुनाव क्षेत्र के 40 किसानों के लिए एक जिला कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में किसानों ने खेती में आने वाली कीड़ों की समस्याओं पर चर्चा की और उनसे बचने के तरीकों पर जानकारी साझा की।

किसानों ने आम पेड़ों में होने वाली बड़ी कीड़ों की समस्याओं को सभा के सामने रखा। इस पर केवीके के वैज्ञानिकों ने उन्हें मैनेजमेंट के तरीके समझाए:

प्रभाकर (कासिपेट एओ) ने विभिन्न फसलों में कीड़ों की समस्याओं और उनसे निपटने के उपाय बताए।प्रशांत (कन्नेपल्ली मंडल एओ) ने ग्लाइसीलेट कॉटन के साइड इफेक्ट्स के बारे में जानकारी दी।

वीरन्ना (वेमनपल्ली एओ) ने नेचुरल खेती की विधियों पर प्रकाश डाला।

यमुना (भीमिनी एओ) ने फर्टिलाइजर बुकिंग ऐप के उपयोग के बारे में बताया।

सृजना (नेनेल एओ) ने फार्मर रजिस्ट्री के महत्व पर चर्चा की।सुषमा (तांडूर एओ) ने पीएम किसान योजना और बीज ट्रीटमेंट के फायदों के बारे में बताया।बेल्लमपल्ली एओ ने इंटीग्रेटेड एग्रीकल्चरल एजुकेशन पर विचार साझा किए।

कार्यक्रम के अंत में, राजा नरेंद्र (बेल्लमपल्ली एडीए) ने मिट्टी के पोषण, ऑर्गेनिक कार्बन ग्रोथ, और मिट्टी की जांच के महत्व पर जोर दिया।

डिस्ट्रिक्ट एग्रीकल्चर ऑफिसर सुरेखा ने सभी किसानों को सलाह दी कि वे एग्रीकल्चर और हॉर्टिकल्चर डिपार्टमेंट, खेती के लिए केवीके शत्रु-वेत्तास, और एग्रीकल्चर अधिकारियों की योजनाओं का लाभ उठाएं ताकि वे अच्छी खेती कर सकें।

इस कार्यक्रम ने किसानों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से खेती करने के महत्व को समझाने में मदद की और उन्हें समस्याओं का समाधान खोजने के लिए प्रेरित किया।

कलेक्टर ने केजीबीवी का निरीक्षण किया शिक्षा के स्तर को सुधारने के निर्देश दिए

निर्मल, 05 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। कलेक्टर अभिलाषा अभिनव ने अधिकारियों को राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई 99 दिवसीय कार्ययोजना का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने गुरुवार को यहाँ इस पहल के जमीनी स्तर के पर्यवेक्षण के हिस्से के रूप में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान, कलेक्टर ने स्कूल में मेस के प्रबंधन, भोजन की गुणवत्ता, स्टॉक के रखरखाव और अन्य सुविधाओं की जांच की। उन्होंने छात्रों की चिंताओं को समझने के लिए उनसे बातचीत भी की और संस्थान में प्रदान की जा रही शिक्षा और भोजन की गुणवत्ता का आकलन किया।बाद में, उन्होंने शिक्षण स्टाफ और प्रधानाचार्य के साथ एक समीक्षा बैठक की। कलेक्टर ने इस पहल के उद्देश्यों को प्राप्त करने की आवश्यकता पर जोर दिया और चेतावनी दी कि कार्यक्रम को लागू करने में ढिलाई बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने शिक्षकों से शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए कड़ी मेहनत करने को भी कहा।

राह वीर पुरस्कार: सड़क दुर्घटनाओं में ज़िम्मेदार नागरिकों को मिलेगा 25,000 रुपये का इनाम

जगतियाल, 05 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । जगतियाल ज़िले के एसपी अशोक कुमार ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं के दौरान घायल लोगों को तुरंत मदद देने और उनकी जान बचाने वाले ज़िम्मेदार नागरिकों (अच्छे लोगों) को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई राह वीर स्कीम के तहत 25,000 रुपये का कैश इनाम और एक तारीफ़ का सर्टिफिकेट दिया जाएगा।

हर साल, देश भर में हज़ारों सड़क दुर्घटनाएँ होती हैं और दुर्घटना के पहले घंटे को गोल्डन आवर माना जाता है।

इस दौरान यदि पीड़ितों को समय पर चिकित्सा सहायता मिल जाए, तो कई जानें बचाई जा सकती हैं। अशोक कुमार ने कहा कि कुछ नागरिक पुलिस केस के डर से घायलों की मदद करने से हिचकिचाते हैं, और इसी चीज़ को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार राह वीर स्कीम लागू कर रही है।

इस स्कीम के तहत, सरकार उन लोगों को 25,000 रुपये का कैश इनाम और एक तारीफ़ का सर्टिफिकेट देगी, जो सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को तुरंत नज़दीकी अस्पताल पहुँचाते हैं और चिकित्सा सेवाएँ देकर उनकी जान बचाते हैं। यह स्पष्ट किया गया कि मदद करने वाले व्यक्ति को कोई कानूनी समस्या नहीं होगी।

अशोक कुमार ने यह सुझाव भी दिया कि सड़क दुर्घटना के तुरंत बाद 108 एम्बुलेंस सर्विस को जानकारी दी जानी चाहिए और घायलों को पास के सरकारी या प्राइवेट अस्पताल ले जाना चाहिए। हर नागरिक को ज़िम्मेदारी से काम करना चाहिए और जान बचाने की प्रक्रिया में भागीदार बनना चाहिए।

बेल्लमपल्ली में होली का उत्सव

बेल्लमपल्ली, 05 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । बेल्लमपल्ली नगरवासियों ने धूमधाम से होली का जश्न मनाया। इस विशेष अवसर पर तेलंगाना राज्य के एससी एसटी कमीशन के सदस्य रेनीकुंटला प्रवीण ने नगरवासियों को होली की शुभकामनाएं दी।

इस दिन, बेलमपल्ली के एसीपी रविकुमार और नगर के प्रमुख व्यापारियों ने भी एक-दूसरे को होली की बधाई दी। उन्होंने बेतरतीब ढंग से दुकानों और घरों का दौरा किया, जहाँ उन्होंने नगरवासियों के साथ मिलकर रंगों का उत्सव मनाया। पूरे नगर में होली के गीतों और नृत्य का आनंद लिया गया। विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट खाद्य पदार्थों का वितरण हुआ। इस अवसर पर सभी वर्गों के लोग एकत्रित हुए और आपसी सद्भावना का प्रदर्शन किया। बेल्लमपल्ली में इस तरह के उत्सव समाज में एकजुटता और भाईचारे को बढ़ाने का कार्य करते हैं। सभी ने एक-दूसरे के साथ मिलकर इस रंगीन पर्व का आनंद लिया।

कोत्तागुडेम में नगर पालिका पार्कों की हालत खस्ता निवासियों ने उचित रखरखाव की मांग की

कोत्तागुडेम, 05 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। कोठागुडेम नगर निगम सीमा के भीतर सार्वजनिक पार्क पिछले कुछ वर्षों से रखरखाव के अभाव में बदहाल स्थिति में हैं। पार्कों में आने वाले आगंतुकों को बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उनका आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद अधिकारी पार्कों के रखरखाव के लिए कोई कदम नहीं उठा रहे हैं।

निवासियों का कहना है कि लाखों रुपये का फंड आवंटित होने के बाद भी सुविधाओं में सुधार नहीं हो रहा है। कई पार्कों में खेल क्षेत्र (झश्रू रीशरी) खराब स्थिति में हैं और वहां लगे क्षतिग्रस्त उपकरण सुबह-शाम अपने बड़ों के साथ खेलने आने वाले बच्चों के लिए खतरा बने हुए हैं।

उदाहरण के तौर पर, बार्ले पिट क्षेत्र के राजीव पार्क में बच्चों के खेलने के उपकरण, जैसे कि सी-सॉ (शिशीरु), जंग खाए और टूटे हुए हैं। व्यायाम करने के लिए बनाए गए ओपन जिम की भी यही स्थिति है। स्थानीय निवासी गोवर्धन ने बताया कि इसके अलावा पार्क के चारों ओर कचरे का ढेर लगा रहता है।

राजीव पार्क की तरह, राइटर बस्ती क्षेत्र का पंचतंत्र पार्क और रामावरम का वनमा पार्क भी उचित रखरखाव के अभाव में आगंतुकों के लिए असुविधा का कारण बने हुए हैं। मांग की गई है कि राजीव पार्क के ओपन जिम में एक प्रशिक्षक नियुक्त किया जाए और जिम के उपकरणों की मरम्मत की जाए।

बुदिदगड्डा क्षेत्र के बी. राजू ने मांग की कि कोठागुडेम नगर निगम की नवनियुक्त परिषद को पार्कों पर ध्यान देना चाहिए और उन्हें अच्छी स्थिति में बनाए रखना चाहिए। साथ ही पार्कों के शौचालयों में स्वच्छता सुनिश्चित की जानी चाहिए। निवासियों ने शिकायत की कि बीआरएस शासन के दौरान 20 लाख रुपये की लागत से बना पंचतंत्र पार्क अब कचरे से भरा पड़ा है क्योंकि नगर निगम अधिकारी इसके रखरखाव पर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

कोत्तागुडेम और वरंगल में उत्साह के साथ मनाई गई होली

कोत्तागुडेम /वरंगल, 05 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। रंगों का त्योहार होली बुधवार को कोत्तागुडेम और वरंगल में जीवंत तरीके से मनाया गया।

हनमकोंडा के श्री व्यास आवासम में 'सुलक्ष्य सेवा समिति' द्वारा होली का आनंदमय आयोजन किया गया। उत्सव को सुरक्षित और पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाने के लिए इसमें इको-फ्रेंडली (पर्यावरण के अनुकूल) रंगों का उपयोग किया गया।

समिति के संस्थापक और अध्यक्ष संतोष मांडुवा ने कहा कि पिछले 15 वर्षों से वे व्यास आवासम के छात्रों के साथ यह त्योहार मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों के साथ त्योहार की खुशियाँ साझा करना इसे वास्तव में विशेष और अनमोल बनाता है। समिति के सदस्य साई किरण वंगाला और प्रणीत कपार्थी ने इस अनुभव को अविस्मरणीय बताया, वहीं छात्रों ने इस आयोजन के लिए सुलक्ष्य सेवा समिति का आभार व्यक्त किया।कोठागुडेम में, पुलिस अधीक्षक बी. रोहित राजू जिला पुलिस मुख्यालय में पुलिस अधिकारियों और कर्मियों के साथ होली के जश्न में शामिल हुए। उन्होंने एक-दूसरे को रंग लगाते हुए लोकप्रिय फिल्मी गानों पर नृत्य किया।वारंगल में, होली का उत्सव मंगलवार को आयोजित किया गया था, जहाँ पुलिस आयुक्त सुनप्रीत सिंह ने अधिकारियों, कर्मचारियों, महिलाओं और बच्चों के साथ उत्साहपूर्ण वातावरण में त्योहार मनाया।

होली के पर्व पर रंगों की मस्ती में झूमे बच्चे, युवक-युवतियां

चेन्नूर, 05 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । होली के पावन पर्व पर चेन्नूर नगर में बच्चों, युवाओं और युवतियों ने उत्साह और उमंग के साथ रंगों की होली खेली। सुबह से ही गली-मोहल्लों और कॉलोनियों में रंग-गुलाल की धूम मची रही।

बच्चों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं, वहीं युवाओं ने संगीत की धुन पर नृत्य कर त्योहार का भरपूर आनंद लिया।

इस अवसर पर रामनिवास गिल्डा परिवार के बच्चों ने भी होली की मस्ती में बढ़-चढ़कर भाग लिया। बच्चों ने हंसी-खुशी के साथ एक-दूसरे के साथ रंग खेलते हुए त्योहार को यादगार बनाया। परिवार के सदस्यों ने भी आपस में रंग लगाकर प्रेम, एकता और भाईचारे का संदेश दिया।होली के इस रंगीन पर्व पर समाज के सभी वर्गों ने मिल-जुलकर सौहार्द और आपसी सद्भाव का परिचय दिया। रंगों के इस पावन उत्सव ने पूरे क्षेत्र में खुशी, उत्साह और उल्लास का वातावरण बना दिया।

सभी ने मिलकर इस पर्व को मनाते हुए एक नई ऊर्जा का संचार किया, जो आने वाले दिनों में समाज में एकता और भाइचारे को बढ़ावा देगा।

लाइनमैन दिवस का जश्न पूरे जोश के साथ मनाया गया

बेल्लमपल्ली, 05 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । स्थानीय सब स्टेशन में लाइनमेन दिवस को धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर एडीई काटम श्रीनिवास और सब इंजीनियर के. मौनिका ने बेल्लमपल्ली टाउन सेक्शन के बिजली कर्मचारियों को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। श्रीनिवास ने इस मौके पर बताया, बिजली विभाग कर्मचारियों का मकसद हमेशा 'सेवा, सुरक्षा, स्वाभिमान' रहा है। उन्होंने कहा कि इमरजेंसी के समय बिजली लाइनों की मरम्मत और मेंटेनेंस के लिए लाइनमैन द्वारा उठाए गए सावधानी भरे कदम महत्वपूर्ण होते हैं।उनके मेहनती काम में कटे हुए तारों की मरम्मत, बिजली जाने पर त्वरित कार्रवाई और लाइव तारों को संभालने का समावेश होता है, जो खतरों से भरे होते हैं।श्रीनिवास ने आगे कहा, बिना थके इस लगन से बिजली सेक्टर के फ्रंटलाइन वर्कर्स बिना रुकावट के बिजली उपभोक्ताओं को सेवाएं प्रदान करना चाहते हैं।

इस अवसर पर कर्मचारियों ने एकजुटता और समर्पण के साथ अपने कार्य को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। समारोह ने सभी कर्मचारियों को अपने काम की महत्ता और समाज में अपनी भूमिका को समझने का अवसर प्रदान किया।

खम्मम में होली के दौरान सरपंच के पति पर उबलते पानी से हमला

खम्मम, 05 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिले के करेपल्ली मंडल के गेट रेलाकायालापल्ली गाँव में होली का जश्न सरपंच के पति के लिए दर्दनाक साबित हुआ। सरपंच केलोथ मंगा के पति, बंसी पर कुछ ग्रामीणों ने उबलते पानी से हमला कर दिया, जिससे गाँव में हड़कंप मच गया।

स्थानीय लोगों के अनुसार, बुधवार शाम को होली मनाने के बाद जब बंसी घर लौट रहे थे, तब कुछ ग्रामीणों ने उन्हें होली खेलने के लिए आमंत्रित किया। हालांकि, रंग लगाने के बजाय, उपद्रवियों ने उन पर उबलता हुआ पानी डाल दिया, जिससे वे झुलस गए। जैसे ही बंसी दर्द से चिल्लाने लगे, हमलावर मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए उन्हें अस्पताल पहुँचाया, जहाँ डॉक्टरों ने उनकी स्थिति स्थिर बताई है।

संदेह जताया जा रहा है कि गाँव में राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता इस हमले का कारण हो सकती है। सरपंच ने इस घटना के संबंध में स्थानीय पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

एमपी क्रिकेट लीग में अब आईपीएल जैसा रोमांच पहली बार होगी खिलाड़ियों की नीलामी

फ्रेंचाइजी को मिलेगा 50 लाख का बजट, चार श्रेणियों में बंटेंगे प्रदेश के सितारे; धन वर्षा की तैयारी

इंदौर/ग्वालियर, 05 मार्च (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश क्रिकेट लीग (एमपीसीएल) का तीसरा सत्र प्रदेश के क्रिकेट इतिहास में एक नया अध्याय लिखने जा रहा है। वर्तमान अध्यक्ष महानआर्यमन सिंधिया के नेतृत्व में लीग प्रबंधन ने इस बार सबसे बड़ा नवाचार करते हुए प्लेयर्स आक्शन (नीलामी प्रक्रिया) को हरी झंडी दे दी है। आईपीएल की तर्ज पर होने वाली इस नीलामी से न केवल खिलाड़ियों पर धन वर्षा होगी, बल्कि प्रदेश की छिपी हुई प्रतिभाओं को अपनी कीमत और कौशल दिखाने का एक बड़ा वैश्विक मंच भी मिलेगा। सूत्रों के मुताबिक, नीलामी मार्च के अंतिम सप्ताह में हो सकती है, जबकि रोमांचक मुकाबले जून के महीने में इंदौर और ग्वालियर के स्टेडियमों में खेले जाएंगे।

चार श्रेणियों में लगेगी बोली; 3 लाख तक होगा बेस प्राइज नीलामी प्रक्रिया को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए खिलाड़ियों को उनके अनुभव और प्रदर्शन के आधार पर चार श्रेणियों में विभाजित किया गया है।

1. ए श्रेणी : भारतीय टीम, आईपीएल या भारत-ए के खिलाड़ियों का आधार मूल्य 3 लाख रुपये रखा गया है।

2. बी श्रेणी : रणजी ट्राफी, विजय हजारे और सैयद मुश्ताक अली ट्राफी खेलने वाले सीनियर खिलाड़ियों का बेस प्राइज 1.5 लाख रुपये होगा।

3. सी श्रेणी : प्रदेश की जूनियर टीम में शामिल रहे खिलाड़ियों के लिए 75 हजार रुपये का आधार मूल्य तय है।

4. डी श्रेणी : संभागीय स्तर पर जेएन भाया या माधवराव सिंधिया ट्राफी खेलने वालों की बोली 50 हजार रुपये से शुरू होगी।

नीलामी के गणित और बजट पर एक नजर

प्रत्येक फ्रेंचाइजी टीम को खिलाड़ियों की खरीद के लिए कुल 50 लाख रुपये का पर्स दिया जाएगा। इसी राशि में से टीम को 14 से 15 खिलाड़ी खरीदने या रिटेन करने होंगे।

रिटेंशन और आइकन प्लेयर : टीमें पिछले सत्र से अपना एक पसंदीदा खिलाड़ी रिटेन कर सकेंगी। आइकन खिलाड़ी के लिए अधिकतम 12.5 लाख रुपये की सीमा तय की गई है।

प्लेयर्स डेवलपमेंट प्रोग्राम : मुख्य टीम के अलावा दो अतिरिक्त खिलाड़ी डेवलपमेंट प्रोग्राम के जरिए चुने जाएंगे, जिससे नए चेहरों को मौका मिलेगा।

न्यूज ब्रीफ

मिलर 12 वीं बार भी दक्षिण अफ्रीका को आईसीसी खिताब नहीं जिता पाये

कोलकाता। टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट में दक्षिण अफ्रीका और उसके स्टार बल्लेबाज डेविड मिलर को

एक बार फिर निराशा का सामना करना पड़ा है। दक्षिण अफ्रीका की टीम सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ हार के साथ ही बाहर हो गयी है। इससे उसके स्टार बल्लेबाज डेविड मिलर का विश्वकप जीतने का सपना फिर टूट गया। ये चौथी बार है जब दक्षिण अफ्रीकी टीम विश्वकप में न्यूजीलैंड के खिलाफ हारकर बाहर हुई है। इससे पहले वह ग्रुप स्तर और और सुपर-8 में सभी मैच जीत थी पर वह सेमीफाइनल में हार के सिलसिल को नहीं तोड़ पायी। दक्षिण अफ्रीका की टीम ने इस मैच में कीवी टीम के सामने जीत के लिए 170 रनों का लक्ष्य रखा था जो कीवी टीम ने 12.5 ओवर में ही 9 विकेट पर हासिल कर लिया था। इससे पहले उसे न्यूजीलैंड के हाथों 2025 चैंपियंस ट्राफी के सेमीफाइनल, 2015 विश्व कप सेमीफाइनल और 2011 विश्व कप क्वार्टर फाइनल में हराया था। मिलर ने साल 2013 चैंपियंस ट्राफी के रूप में अपना पहला आईसीसी इवेंट खेला था। दक्षिण अफ्रीका की टीम ने साल 2013 से 2026 के बीत चैंपियंस ट्राफी, टी20 विश्व कप और एकदिवसीय विश्व कप सहित 12 आईसीसी इवेंट में भाग लेते हुए 6 बार टीम सेमीफाइनल या फाइनल में पहुंचने में कामयाब रही है पर यहां आकर उसे हार का सामना करना पड़ा था। इसी कारण वह कोई खिताब नहीं जीत पायी। उसे केवल एक आईसीसी खिताब विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप में मिला था।

अपने ही दामाद पर भड़के शाहिद अफरीदी

लाहौर। पाकिस्तान की टीम का जिस प्रकार से टी20 वर्ल्ड कप 2026 में खराब प्रदर्शन रहा है उससे पूर्व क्रिकेटर भड़के हुए हैं। पूर्व दिग्गजों ने टीम की रणनीति के साथ ही कप्तानी और खिलाड़ियों के कमजोर प्रदर्शन पर सवाल उठाये हैं। टीम के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को भी खराब प्रदर्शन के लिए आड़े हाथों लिया है। शाहीन जबकि उनके दामाद हैं। पाकिस्तान इस टूर्नामेंट में किसी भी टीम के खिलाफ बड़ी जीत नहीं दर्ज कर पाया। । सुपर-8 के मुकाबले में श्रीलंका के खिलाफ उसे बड़ी जीत चाहिये थी पर टीम मामूली अंतर से जीती और इस कारण सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो गयी। इस मैच में अंतिम ओवर में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन से कसी हुई गेंदबाज की उम्मीद थी पर उन्होंने 22 रन दे दिये। इससे भी शाहिद खासे नाराज हैं। उन्होंने कहा कि शाहीन को इतने साल में ये समझ आ जानी चाहिए कि दबाव की स्थिति में कैसे गेंदबाजी करनी है। दांये हाथ के बल्लेबाज के सामने वाइड यार्कर डालना एशियाई पिचों पर फायदेमंद नहीं रहता है। अफरीदी ने यह भी कहा कि शाहीन बार-बार एक ही गलती दोहरा रहे हैं।

गावस्कर का फाउंडेशन कर रहा गोल्फ इवेंट का आयोजन, पूर्व क्रिकेटरों के साथ ही पेस, पादुकोण जैसे दिग्गज भी होंगे शामिल

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का चैंप्स फाउंडेशन 6 मार्च को डीपी वर्ल्ड

सेलिब्रिटी गोल्फ इवेंट आयोजित करने जा रहा है। इसमें कई पूर्व क्रिकेटरों के अलावा अन्य खेलों के दिग्गज भी भाग लेंगे। ये इवेंट मुंबई के चेंबूर स्थित बाम्बे प्रेसीडेंसी गोल्फ क्लब में होगा। इसमें दुनिया भर के नामी गोल्फर भाग लेंगे। ये फाउंडेशन परेशानियों से संघर्ष कर रहे पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की सहायता करता है। इस टूर्नामेंट में 100 से ज्यादा प्रतियोगियों के शामिल होने की संभावना है। इसमें पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह, जी.आर. विश्वनाथ, वेंकटेश प्रसाद, हरभजन सिंह, अजय जडेजा, पार्थिव पटेल, मुरली कार्तिक, एस. बद्रीनाथ, मुरली विजय और निखिल चोपड़ा भी शामिल होंगे। वहीं विदेशी क्रिकेटरों में इयोन मार्गन, माइकल वान और डेविड लायड रहेंगे। क्रिकेट के अलावा टेनिस स्टार लिएंडर पेस, बैडमिंटन दिग्गज प्रकाश पादुकोण और प्रोफेशनल गोल्फर नेहा त्रिपाठी, रिधिमा दिलावरी व गौरव घई भी इस इवेंट में भाग लेंगे। सुनील गावस्कर ने कहा कि चैंप्स फाउंडेशन इस सोच के साथ बनाया गया कि जिन्होंने खेल के जरिए देश का नाम रोशन किया, उन्हें जरूरत के समय अकेला न छोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि यह आयोजन सिर्फ गोल्फ नहीं, बल्कि खेल समुदाय को लौटाने का प्रयास है।वहीं पेस ने कहा कि खेल हमें अनुशासन, मजबूती और एकजुटता सिखाता है। चैंप्स फाउंडेशन इन्हीं मूल्यों का प्रतीक है।

विराट आरसीबी के सबसे बड़े स्टार बने रहेंगे : बोबाट

बेगलुरू, 05 मार्च (एजेंसियां)। रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के क्रिकेट डायरेक्टर मो बोबाट ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर सराहना करते हुए कहा है कि वह हमेशा ही टीम के लिए सबसे बड़े स्टार रहेंगे क्योंकि उन्होंने अपने करियर का पूरा समय आरसीबी के साथ ही बिताया है। जिस प्रकार से वह पिछले कई साल से समर्पित होकर टीम की ओर से खेले रहे है, ऐसा काफी कम देखा गया है। इसलिए हमें उनके लिए एक जीत दर्ज करने वाली टीम बनानी है। आरसीबी आईपीएल में अभी मौजूदा चैंपियन है और उसका लक्ष्य इस बार भी खिताब जीतना रहेगा। टीम ने पिछले सत्र में 18 साल के बाद अपना पहला आईपीएल खिताब रजत पाटीदार की कप्तानी में जीता था। जिसके बाद विराट काफी भावुक हो गये थे क्योंकि लंबे समय तक वह कप्तानी करने के बाद भी वह टीम को खिताब नहीं जिता पाये थे।

बाट ने कहा, विराट हमेशा इस टीम के आईकन रहेंगे। वह लीग की ओर से किसे शानदार प्रदर्शन के लिए इस सम्मान के अधिकारी हैं। उनका रिकार्ड काफी अच्छा है। उन्होंने कहा, मुझे याद है पिछले सत्र मैं उनके आंकड़े देख रहा था जब वह करीब 9000 रन तक पहुंच गए थे और वो भी 18 साल तक केवल एक ही टीम की जर्सी पहनकर। इस प्रकार उन्होंने प्रत्येक सत्र में करीब 500 रन बनाये हैं। बोबाट ने कहा, यह हैरानी की बात है। सात साल तक कुछ खिलाड़ी 500 रन एक सत्र में बनाकर भी फूले नहीं समाते हैं जबकि विराट ने प्रत्येक सत्र में 500 रन बनाये हैं। यह अपने आप में हैरान करने वाली बात है।

कोहली ने सला 2008 से आरसीबी के लिए खेलते हुए 8 शतक भी लगाये हैं। वह आईपीएल में सबसे ज्यादा 9000 रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। साल 2016 में उन्होंने एक ही सत्र में 973 रन बनाये थे। बोबाट ने कहा, वह एंडी फ्लावर के साथ मिलकर उनके लिए एक एक ऐसे टीम बनाना चाहते हैं जो इस बार भी जीते क्योंकि विराट अपने करियर के उस दौर में हैं, जहां वह लगातार जीत चाहते हैं।उन्होंने कहा कि टीम इस बार भी विराट के लिए खिताब जीतने के इरादे से आक्रामक क्रिकेट खेलेगी। टीम का लक्ष्य लगातार दूसरी बार खिताब जीतकर ये दिखाना होगा कि पिछली बार उसकी जीत कोई तुक्का नहीं थी।

आईसीसी एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में मंधाना शीर्ष पर पहुंची, गेंदबाजी रैंकिंग में अलाना किंग नंबर एक पहुंची

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना नंबर एक स्थान पर पहुंच गयी हैं। मंदाना को आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में अच्छे प्रदर्शन का लाभ मिला है। वहीं दक्षिण अफ्रीका की लारा वोल्वार्ड्ट दूसरे नंबर पर खिसक गयी हैं। मंधाना ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज़ में 58 और 31 रन रन बनाये थे जिससे उनके रेटिंग अंक 790 हो गये हैं। । इसके साथ वह वोल्वार्ड्ट के 782 अंकों से आगे निकल गयी हैं। बेथ मूनी 745 अंकों के साथ ही तीसरे नंबर पर हैं। वहीं आस्ट्रेलियाई टीम की कप्तान एलीसा हीली चौथे नंबर पर बनी हुई हैं। हीली ने अपने करियर के अंतिम एकदिवसीय में शतक लगाया था। हीली के 744 रेटिंग पाइंट्स हैं जबकि बेथ मूनी के 749 और एसलीगेह गार्डनर के 724 अंक हैं। वहीं भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर चार स्थान ऊपर आकर शीर्ष दस में पहुंच गयी हैं। वह नौवें स्थान पर हैं। भारत की ही मिमा रोड्रिग्स 12वें स्थान पर बनी हुई हैं। वहीं गेंदबाजी रैंकिंग में भी काफी बदलाव आया है। आस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर अलाना किंग 775 रेटिंग अंक के साथ नंबर-1 बन गई हैं। उन्होंने लगभग चार साल तक नंबर एक पर रहीं। सोफी ऐसलेस्टोन को पीछे छोड़ दिया। अलाना ने सीरीज़ में 16.71 की औसत से सात विकेट लिए, जिसमें तीसरे एकदिवसीय में चार विकेट शामिल हैं। इसके अलावा आलराउंडरों की रैंकिंग में एशलेगाह गार्डनर 516 अंकों के साथ नंबर-1 पर हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज की हेली मैथयूज (418) पर लगभग 100 अंकों की बढ़त बनायी है। भारत की दीप्ती शर्मा गेंदबाजी रैंकिंग में 10वें और आलराउंडर सूची में पांचवें स्थान पर मौजूद हैं।

फिन एलेन ने टी20 विश्व कप में लगाया सबसे तेज शतक

नई दिल्ली, 05 मार्च (एजेंसियां)।

न्यूजीलैंड के विस्फोटक बल्लेबाज फिन एलेन ने टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ महज 33 गेंदों में शतक जड़कर इतिहास रच दिया। यह टी20 विश्व कप के इतिहास का सबसे तेज शतक है। एलेन ने नाबाद 100 रन की पारी खेलते हुए न्यूजीलैंड को 170 रन का लक्ष्य सिर्फ 12.5 ओवर में ही हासिल करा दिया। अपनी तूफानी पारी में उन्होंने 10 चौके और आठ छक्के लगाए।

इससे पहले टी20 विश्व कप में सबसे तेज शतक का रिकार्ड वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के नाम था, जिन्होंने 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ 47 गेंदों में शतक बनाया था।

फिन एलेन का 33 गेंदों का शतक टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में संयुक्त रूप से तीसरा सबसे तेज शतक भी है। उन्होंने नामीबिया के जैन निकोल लाफ्टी-ईटन और जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा के रिकार्ड की बराबरी की। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज शतक एस्टोनिया के साहिल चौहान के नाम है, जिन्होंने 27 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की थी।

टी20 विश्व कप में सबसे तेज शतक

- 1. फिन एलेन (न्यूजीलैंड) - 33 गेंद बनाम दक्षिण अफ्रीका, 2026
- 2. क्रिस गेल (वेस्टइंडीज) - 47 गेंद बनाम इंग्लैंड, 2016
- 3. क्रिस गेल (वेस्टइंडीज) - 50 गेंद बनाम दक्षिण अफ्रीका, 2007
- 4. ब्रेंडन मैकुलम (न्यूजीलैंड) - 51 गेंद बनाम बांग्लादेश, 2012
- 5. राइली रोसो (दक्षिण अफ्रीका) - 52 गेंद बनाम बांग्लादेश, 2022।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम का बांग्लादेश दौरा संकट में फंसा

लाहौर। मध्यपूर्व में जारी संघर्ष को देखते हुए पाकिस्तान की क्रिकेट टीम का बांग्लादेश दौरा संकट में पड़ता नजर आ रहा है। पाक टीम को 11 मार्च से तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए बांग्लादेश दौरे पर जाना था। इसके लिए उसे 9 मार्च को बांग्लादेश पहुंचना था पर अब कहा जा रहा है पाकिस्तान की टीम इस दौरे को आगे बढ़ा सकती है। पिछले कुछ समय से बांग्लादेश बोर्ड (बीसीबी) के साथ पाक बोर्ड (पीसीबी) के संबंध बेहतर हुए हैं और ऐसे में इस दौरे को आयोजित करने की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। दोनो टीम के बीच मीरपुर मे 11, 13 और 15 मार्च को तीन एकदिवसीय मैच होने थे पर अब ये खेले जाएंगे या नहीं तय नहीं है। इसका कारण ये है कि अमेरिका और इजराइल के ईरान पर हमले के बाद से ही दुनिया भर में तनाव का माहौल है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच तीन मैचों की सीरीज तभी आयोजित होगी, जब यात्रा जोखित और सुरक्षा की चिंताएं समाप्त होंगी।ये भी कहा जा रहा कि वर्तमान मौजूदा क्षेत्रीय तनाव की वजह से यह टूर होगा या नहीं कहा नहीं जा सकता है।

एफआईएच हाकी महिला विश्व कप 2026 क्वालिफायर के लिए हैदराबाद पहुंची आस्ट्रिया की टीम

नई दिल्ली, 05 मार्च (एजेंसियां)।

आस्ट्रिया की महिला हाकी टीम एफआईएच हाकी महिला विश्व कप 2026 क्वालिफायर में भाग लेने के लिए गुरुवार को हैदराबाद पहुंच गई। हैदराबाद, तेलंगाना में होने वाले इस टूर्नामेंट में आठ देश हिस्सा लेंगे, जहां से तीन टीमें इस साल अगस्त में एफआईएच हाकी महिला विश्व कप 2026 के लिए क्वालिफाई करेंगी। यह विश्व कप बेल्जियम और नीदरलैंड में आयोजित किया जाएगा। आस्ट्रिया का एफआईएच हाकी महिला विश्व कप में समृद्ध इतिहास रहा है। टीम ने इस प्रतियोगिता के शुरुआती चार संस्करणों में से तीन में भाग लिया था। हालांकि, आस्ट्रिया 1981 के बाद से इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाया है।

कप्तान जोहाना चेक के नेतृत्व में आस्ट्रिया की टीम पूल-ए में इंग्लैंड, इटली और कोरिया के साथ मुकाबला करेगी। टीम का लक्ष्य 45 वर्षों बाद विश्व कप के लिए क्वालिफाई कर इतिहास रचना है।

कप्तान जोहाना चेक ने टूर्नामेंट को लेकर कहा, हम सबके लिए यह भारत में पहली बार है, इसलिए हम काफी उत्साहित हैं और अच्छा हाकी खेलना चाहते हैं। टूर्नामेंट से पहले हमारी तैयारी थोड़ी कम रही क्योंकि हमें केवल एक प्रशिक्षण सत्र मिला, लेकिन हम अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे। यहां मैचों से पहले हमें कुछ और अभ्यास सत्र मिलेंगे और हम मैदान पर अपना सब कुछ झोंक देंगे।

आल इंग्लैंड ओपन 2026: राउंड आफ 32 में हारे सात्विक-चिराग

बर्मिंघम 05 मार्च (एजेंसियां)। भारत की स्टार पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को आल इंग्लैंड ओपन 2026 के राउंड आफ 32 में हार का सामना करना पड़ा। भारतीय जोड़ी को बुधवार को मलेशिया के आरोन ताई और खाई जिंग कांग ने सीधे गेम में 23-21, 21-12 से पराजित किया। मुकाबला 42 मिनट तक चला। विश्व नंबर चार भारतीय जोड़ी पहले गेम में अधिकांश समय पीछे रही। हालांकि उन्होंने दो गेम प्वाइंट बचाते हुए स्कोर 20-20 से बराबर किया, लेकिन मलेशियाई खिलाड़ियों ने निर्णायक अंक जीतकर पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरा गेम पूरी तरह एकतरफा रहा। एक समय रंकीरेड्डी और शेट्टी सात अंकों से पीछे चल रहे थे और वापसी नहीं कर सके, जिससे उन्हें टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा।

मिश्रित युगल में भी निराशा - मिश्रित युगल में भारत के रोहन कपूर और रुथविका गड्डे की जोड़ी को फ्रांस के थाम गिक्वेल और डेलफीन डेलरू के खिलाफ 12-21, 15-21 से हार झेलनी पड़ी। यह मुकाबला भी 42 मिनट में समाप्त हुआ।

आयुष शेट्टी भी हारे - पुरुष एकल में 20 वर्षीय आयुष शेट्टी को इंडोनेशिया के विश्व नंबर 14 अल्वी फरहान के खिलाफ तीन गेम तक चले मुकाबले में हार मिली।

वरुण के बचाव में उतरे मेंटर, उसके प्रदर्शन में कोई कमी नहीं

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के मिस्ट्री स्पिनर के नाम से लोकप्रिय वरुण चक्रवर्ती का प्रदर्शन इस बार टी20 विश्वकप में उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा है। वरुण चक्रवर्ती सुपर 8 के मैच में बल्लेबालों पर पूरी तरह से अंकुश नहीं लगा पाये जिससे उनके ओवरों में पहले से अधिक अधिक रन बने हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में वह प्रभावित नहीं कर पाये हालांकि इसके बाद भी वह भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। वहीं वरुण के मेंटर प्रतीपन ने उनका बचाव करते हुए कहा है कि इस गेंदबाज के फार्मा को लेकर चिन्ता की कोई जरुरत नहीं है। प्रतीपन ने कहा, आंकड़ों पर नजर डालें तो वरुण ने अच्छी गेंदबाजी की है। अगर पिच से किसी और को ज्यादा टर्न मिल रही होती और वरुण को नहीं, तो हम कुछ बदलाव की बात करते पर अभी ऐसा कुछ नहीं है। इसलिए वह परेशान नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वरुण को अभी तकनीक में किसी भी प्रकार के बदलाव की जरुरत नहीं है। उनका फिलहाल किसी तकनीकी बदलाव की जरूरत महसूस नहीं की गई है। केवल एक दो मैच के आधार पर बदलाव सहीं नहीं है। उनके अनुसार अगर विकेट से ज्यादा टर्न नहीं मिल रही, तो गेंदबाज क्रीज और ट्रैजेक्टरी का इस्तेमाल कर कोण बनाकर बदलाव ला सकता सकता है। इसके अलावा ओवर द विकेट और राउंड द विकेट गेंदबाजी कर भी गेंदबाजी और सटीक बनायी जा सकती है।

कर्नाटक में सरकारी अधिकारियों के ठिकानों पर लोकायुक्त की छापेमारी, आय से अधिक संपत्ति का खुलासा

नई दिल्ली, 05 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक में लोकायुक्त ने आय से अधिक संपत्ति के आरोपों के संबंध में विभिन्न जिलों के कई सरकारी अधिकारियों के ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई विभिन्न सरकारी विभागों में कार्यरत अधिकारियों को निशाना बनाते हुए बंगलूरू, मांड्या, धारवाड़, हासन, मैसूरु, विजयपुरा और यादगीर जैसे जिलों में कई स्थानों पर की गई।

किन पदों के अधिकारियों को बनाया गया निशाना

लोकायुक्त अधिकारियों के अनुसार, ये छापे सहायक कार्यकारी अभियंता, जूनियर इंजीनियर, उप विद्युत निरीक्षक और तालुक पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी जैसे पदों पर तैनात अधिकारियों पर केंद्रित थे। इन छापों का उद्देश्य उन सरकारी कर्मचारियों की जांच करना था, जिनकी संपत्ति उनकी घोषित आय से काफी अधिक पाई गई है।

हासन में क्या दृश्य देखने को मिला

छापेमारी के दौरान हासन नगर निगम के सहायक कार्यकारी अभियंता एम.सी सत्यानारायण के आवास पर काफी नाटकीय घटनाक्रम देखने को मिला। लोकायुक्त अधिकारियों को उनके घर का दरवाजा न खुलने के कारण एक घंटे से अधिक समय तक बाहर इंतजार करना पड़ा। जब सत्यानारायण ने गेट खोलने के अनुरोधों का जवाब नहीं दिया, तो अधिकारियों ने घर में प्रवेश करने के लिए पहली मंजिल पर चढ़ने का प्रयास किया। यह घटनाक्रम इस बात का संकेत देता है कि कुछ अधिकारी जांच से बचने का प्रयास कर सकते हैं। हुबली में भी हुई कार्रवाई एक अन्य मामले में, अधिकारियों ने कर्नाटक ग्रामीण अवसंरचना विकास निगम के मुख्य अभियंता वसंतप्पा नायक के हुबली स्थित आवास पर भी तलाशी ली। फिलहाल बंगलूरू में कार्यरत नायक को पिछले साल अप्रैल में हुबली से बंगलूरू स्थानांतरित किया गया था। अधिकारियों ने उनके हुबली स्थित आवास पर भी तलाशी अभियान चलाया।

आय से अधिक संपत्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई

यह व्यापक तलाशी अभियान जल्दी शुरू हुआ और इसमें लोकायुक्त अधिकारियों की कई टीमों ने भाग लिया। यह कार्रवाई संदिग्धों के आवासों और कार्यालयों पर की गई, जो आय से अधिक संपत्ति रखने की शिकायतों के बाद की गई थी।

न्यूज ब्रीफ

चीन ने अपना रक्षा बजट क्यों बढ़ाया पड़ोसी देशों के लिए बढ़ रही चुनौती

नई दिल्ली। चीन ने अपने राष्ट्रीय रक्षा बजट में उल्लेखनीय वृद्धि करते हुए इसे 275 अरब डालर तक पहुंचा दिया है। यह वृद्धि पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 25 अरब अमेरिकी डालर अधिक है, जो देश की सशस्त्र सेनाओं के आधुनिकीकरण की गति को दर्शाता है। चीनी प्रीमियर ली कियांग ने राष्ट्रीय जन कांग्रेस (एनपीसी) में प्रस्तुत अपनी कार्य रिपोर्ट में इस आवंटन की घोषणा की। रक्षा खर्च बढ़ाने के बावजूद सीमित क्यों दिखाता है चीन रिपोर्ट के अनुसार, चीन का रक्षा खर्च कई प्रमुख मानकों के मुकाबले अभी भी अपेक्षाकृत सीमित माना जाता है। इसमें सकल घरेलू उत्पाद (त्रष्ठक्क) में रक्षा बजट की हिस्सेदारी, प्रति व्यक्ति रक्षा व्यय और प्रति सैनिक होने वाला रक्षा खर्च जैसे अहम संकेतक शामिल हैं, जिनके आधार पर चीन का सैन्य खर्च अन्य बड़े देशों की तुलना में अपेक्षाकृत कम दिखता है। रक्षा खर्च में चीन ने पिछले वर्षों में कितनी वृद्धि की यह लगातार चौथा वर्ष है जब चीन ने अपने रक्षा बजट में वृद्धि की है। पिछले वर्ष, 2025 के लिए राष्ट्रीय रक्षा बजट में 7.2 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी, जो 2024 की तुलना में 17 अरब अमेरिकी डालर की वृद्धि के साथ 249 अरब अमेरिकी डालर था। 2024 में, चीन ने अपने रक्षा बजट में 7.2 प्रतिशत की वृद्धि कर इसे लगभग 232 अरब अमेरिकी डालर (1.67 ट्रिलियन युआन) तक बढ़ाया था, जो भारत के रक्षा बजट से तीन गुना से अधिक है। भारत और पड़ोसी देशों पर क्या बढ़ रहा दबाव चीन का रक्षा व्यय, जो अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर है, वर्षों से लगातार बढ़ रहा है। यह वृद्धि भारत और अन्य पड़ोसी देशों पर आर्थिक चुनौतियों के बावजूद अपने रक्षा बजट को बढ़ाने का भारी दबाव डाल रही है।

टाटा मोटर्स तीन नई इलेक्ट्रिक कारें करेगी लान्च

नई दिल्ली। साल 2026 में टाटा मोटर्स तीन नई इलेक्ट्रिक कारें लान्च करने जा रही है, जिनमें टाटा टियागो ईवी फेसलिफ्ट, टाटा अविन्या और टाटा सिएरा ईवी शामिल हैं। ये तीनों माडल अलग-अलग सेगमेंट को टारगेट करते हैं किफायती हैचबैक, प्रीमियम कान्सेप्ट-बेस्ड एसयूवी और मिड-साइज इलेक्ट्रिक एसयूवी। इन लान्च से देश का इलेक्ट्रिक वाहन बाजार और मजबूत होगा, खासतौर पर तब जब ई-केंद्रित और तकनीकी रूप से एडवांस्ड वाहनों की मांग तेजी से बढ़ रही है। टाटा टियागो ईवी फेसलिफ्ट देश की लोकप्रिय किफायती इलेक्ट्रिक हैचबैक का अपडेटेड वर्जन होगा। स्पाई तस्वीरों के अनुसार, इसमें नए डिजाइन वाली लाइट्स, अपडेटेड फ्रंट ग्रिल, रिवाइज्ड बंपर और नई टेललाइट्स देखने को मिलेंगी। संभव है कि इसमें बड़ा बैटरी पैक मिले, जिससे रेंज 250-300 किमी तक पहुंच सकती है। सनरूफ, 360-डिग्री कैमरा और बेहतर इंफोटेनमेंट जैसे फीचर्स इसे और आकर्षक बनाएंगे।

जियो को दुनिया का पहला बड़ा टोकन सर्विस प्रोवाइडर बनने का लक्ष्य

नई दिल्ली। जियो प्लेटफार्म्स के एक ग्रुप अधिकारी ने बार्सिलोना में आयोजित मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस में बताया कि कंपनी आने वाले समय में दुनिया का पहला बड़ा टोकन सर्विस प्रोवाइडर बनने का लक्ष्य रखती है। उन्होंने कहा कि टेलीकाम सेक्टर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) केवल एक अपग्रेड नहीं, बल्कि बड़ा बदलाव है। जो कंपनियां एआई को तेजी से अपनाएंगी, वही भविष्य में सफल होंगी। ग्रुप अधिकारी के अनुसार, टेलीकाम इंडस्ट्री में पहले कमाई काल मिनट्स से होती थी, फिर डेटा से। अब भविष्य में यह माडल टोकन आधारित हो सकता है। जियो इस नए माडल को अपनाने और टोकन इकोनामी का हिस्सा बनने में अग्रणी बनना चाहता है। उनका कहना है कि कंपनी केवल टोकन पाइप बनने का लक्ष्य नहीं रखती, बल्कि टोकन बनाने और पूरे टोकनोमिक्स सिस्टम में सक्रिय भूमिका निभाना चाहती है। उन्होंने कहा कि जियो ने पहले भी भारत में कम कीमत पर सेवाएं देने में सफलता हासिल की है। कंपनी के पास 52.5 करोड़ से ज्यादा ग्राहक हैं और डेटा की कीमत लगभग 9 सेंट प्रति जीबी है, जो दुनिया में सबसे कम है। भविष्य में जियो टोकन आधारित सेवाओं को भी कम कीमत पर उपलब्ध कराना चाहता है। एआई के आने के बाद टेलीकाम नेटवर्क और डिजिटल डिवाइस पूरी तरह बदल जाएंगे। जियो सिर्फ इंटरनेट कनेक्टिविटी देने वाली कंपनी नहीं बनना चाहता, बल्कि एआई इकोसिस्टम का अहम हिस्सा बनना चाहता है। इसके लिए कंपनी एक इंटेलिजेंस आर्किटेक्चर तैयार कर रही है, जिसमें भरोसेमंद एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और स्मार्ट डिवाइस मुख्य भूमिका निभाएंगे।

भारतीय बाजार में अपनी पापुलर इलेक्ट्रिक सेडान सील को लांच करने की तैयारी में बीवायडी

मुंबई, 05 मार्च (एजेंसियां)। चीनी आटोमोबाइल कंपनी बीवायडी अपनी पापुलर इलेक्ट्रिक सेडान सील का नेक्स्ट-जेनरेशन माडल भारत में लांच करने की तैयारी में है। कंपनी ने अपनी वेबसाइट पर नई सील की तस्वीरें साझा की हैं, जो ई-प्लेटफार्म 3.0 ईवीओ पर आधारित होगी। नई सेडान डिजाइन में मौजूदा माडल से मिलती-जुलती है, लेकिन इसमें कई प्रीमियम अपडेट कंपनी की ओर से मिल रहे हैं। फ्रंट में शार्प और स्लिक हेडलैंप्स के साथ इंटीग्रेटेड एलईडी डीआरएल हैं, जबकि स्पोर्टी बंपर, बड़ा ट्रेपेजाइडल लोअर एयर डैम और बाडी-कलर्ड लिप कार को आक्रामक लुक देता हैं। साइड प्रोफाइल में बड़े ड्यूल-टोन अलाय व्हील्स, एयरो इंसर्ट्स और ग्लास-ब्लैक फेंडर ट्रिम हैं। फ्लश-फिटिंग डोर हैंडल और स्लोपिंग रूफ इस कूपे-स्टाइल अपील देते हैं।

रीयर डिजाइन भी अपडेट किया गया है, जिसमें कनेक्टेड एलईडी लाइट बार और नए टेललैंप हैं। नई सील का नया बंपर सेडान और माडर्न बनाता है। कार के डायमेंशन में 4995 मिमी लंबाई, 1910 मिमी चौड़ाई और 1495 मिमी ऊंचाई शामिल है, जबकि 2900 मिमी का व्हीलबेस बेहतरीन कैबिन स्पेस देता है। इंटीरियर में टू-स्पोक मल्टी-फंक्शन स्टीयरिंग व्हील, फुल-डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और बड़ा फ्लोटिंग टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम शामिल हैं। सीटों में वेंटिलेशन, इलेक्ट्रिक एडजस्टमेंट और उच्च क्वालिटी अपहोल्स्ट्री दी गई है। केबिन में बड़ा इलेक्ट्रिक सनरूफ, 360-डिग्री कैमरा, एयरबैग्स, एबीएस और अन्य सेफ्टी टेक्नोलाजी मौजूद हैं। बैटरी पैक में भी बड़ा अपडेट दिया गया है। नई सील में 69.07 किलोवाट प्रतिघंटा की बैटरी मिलने की उम्मीद है, जो 705 किलोमीटर की क्लेम्ड रेंज देती है, जबकि मौजूदा माडल में 61 किलोवाट प्रतिघंटा बैटरी है। यह लंबी रेंज और प्रीमियम फीचर्स इलेक्ट्रिक सेडान सेगमेंट में और भी प्रतिस्पर्धी बनाते हैं। भारत में लांच होने पर नई बीवायडी सील टेस्ला, हुंडई और एमजी जैसी कंपनियों के इलेक्ट्रिक सेडान माडलों के लिए चुनौती पेश कर सकती है। नई डिजाइन, बेहतर सेफ्टी और लंबी रेंज भारतीय खरीदारों के लिए आकर्षक विकल्प बनाती है।बता दें कि नेक्स्ट-जेनरेशन बीवायडी सील न केवल तकनीकी और डिजाइन में अपडेटेड है, बल्कि यह भारतीय ईवी मार्केट में प्रीमियम इलेक्ट्रिक सेडान की पहचान को और मजबूत करेगी।

होंडा की नई क्रासओवर एसयूवी झेडआर-वी लांच करने की तैयारी

नई दिल्ली। कार निर्माता कंपनी होंडा अपनी नई क्रासओवर एसयूवी झेडआर-वी को भारतीय बाजार में उतारने की तैयारी कर रही है। जापान में इसका अपडेटेड माडल हाल ही में पेश किया गया है और इसी महीने इसकी घरेलू लान्चिंग तय मानी जा रही है। नार्थ अमेरिका और चीन में एचआर-वी नाम से मशहूर यह एसयूवी भारत में कंपनी की सीआर-वी से नीचे के सेगमेंट में पेश की जाएगी। 2026 झेडआर-वी में सबसे बड़ा बदलाव इसके इंजन सेटअप में किया गया है। कंपनी ने 1.5-लीटर वीटीईसी टर्बो इंजन को बंद कर दिया है और नई झेडआर-वी को फुल-हाइब्रिड वाहन के रूप में उतारा है। इसमें 2.0-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड इनलाइन-फोर पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 141 पीएस की पावर और 182 एनएम टार्क जेनरेट करता है। यह इंजन ई-सीवीटी ट्रांसमिशन से जुड़ा है और जरूरत पड़ने पर सीधे पहियों को भी पावर देता है। इसका प्लेटफार्म 11वीं जेनरेशन की सिविक जैसा है, जिससे ड्राइविंग स्थिरता और हैंडलिंग बेहतर होने की उम्मीद है। साथ ही ट्रैक्शन मोटर 184 पीएस और 315 एनएम टार्क देने में सक्षम है। फीचर्स की बात करें तो झेडआर-वी में गूगल असिस्टेंट, गूगल मैप्स, गूगल प्ले, 9-इंच कनेक्ट डिस्प्ले, होंडा सेंसिंग सेफ्टी सूट और 12-स्पीकर बोस आडियो सिस्टम जैसे हाई-टेक फीचर्स शामिल हैं। साथ ही 10.2-इंच डिजिटल पैनल, ड्यूल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल और मल्टी-व्यू कैमरा भी दिया गया है। मार्च के अंत में कीमतों का खुलासा होगा और इसके इसी साल भारत में लान्च होने की संभावना है। कंपनी ने पुराने एक्स ट्रिम को हटाकर केवल झेड ट्रिम पेश किया है। इसके अलावा दो स्पेशल एडिशन ब्लैक स्टाइल और क्रास टूरिंग भी उपलब्ध होंगे, जिनमें कास्मेटिक अपडेट दिए गए हैं।

घरेलू बाजार की मजबूत मांग के दम पर होंडा इंडिया ने फरवरी 2026 में बंपर ब्रिकी की

मुंबई, 05 मार्च (एजेंसियां)।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने फरवरी 2026 में शानदार बिक्री दर्ज कर टू-व्हीलर बाजार में अपनी पकड़ और मजबूत की है। कंपनी की कुल बिक्री 5,67,351 यूनिट रही, जो फरवरी 2025 की 4,22,449 यूनिट्स की तुलना में 34.30 प्रतिशत अधिक है।

इस तेज वृद्धि के पीछे घरेलू बाजार की मजबूत मांग मुख्य वजह रही, जहां कंपनी ने 5,13,190 यूनिट्स की बिक्री की और पिछले वर्ष की तुलना में 33.67 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की। निर्यात आंकड़ों में भी होंडा कंपनी ने कमाल कर दिखाया है। फरवरी 2026 में होंडा ने 54,161 यूनिट्स का एक्सपोर्ट किया, जो बीते साल के 38,531 यूनिट्स से 40.56 प्रतिशत ज्यादा है। कुल बिक्री में घरेलू बाजार का योगदान 90.45 प्रतिशत रहा, जबकि निर्यात का हिस्सा 9.55 प्रतिशत रहा। होंडा का लोकप्रिय माडल एक्टिवा और शाइन ने बिक्री बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। हालांकि महीने-दर-महीने तुलना में बिक्री में थोड़ी गिरावट दर्ज हुई है। जनवरी 2026 की 5,74,411 यूनिट्स की तुलना में फरवरी में 1.23 प्रतिशत कमी आई है। घरेलू बिक्री में 6,389 और निर्यात में 671 यूनिट्स की गिरावट देखने को मिली। बावजूद इसके, कंपनी का सालाना प्रदर्शन मजबूत बना हुआ है। वित्त वर्ष 2025-26 में एचएमएसआई की अब तक की कुल बिक्री 58,20,556 यूनिट्स पहुंच गई है, जो बीते वित्त वर्ष की तुलना में 7.70 प्रतिशत अधिक है। घरेलू बिक्री 6.33 प्रतिशत और निर्यात 21.80 प्रतिशत की वृद्धि के साथ तेजी से बढ़े हैं। कुल मिलाकर कंपनी ने इस वित्त वर्ष में 4,16,340 यूनिट्स की अतिरिक्त बिक्री की है। भारतीय टू-व्हीलर बाजार में होंडा का मुकाबला देश की अन्य दिग्गज कंपनियों से है। फरवरी की मजबूत ग्रोथ से कंपनी को इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर सेगमेंट में निवेश और नवाचार बढ़ाने की प्रेरणा मिलेगी, जहां अभी उस उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिली है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

रन...

को क्रमश: हार्दिक पंड्या और जसप्रीत बुमराह ने आउट किया। इसके बाद जोस बटलर को वरुण चक्रवर्ती ने क्लीन बोल्ड करते हुए बड़ी सफलता दिलाई। उन्होंने 17 गेंदों में 25 रन ठोके। इस बीच जैकेब बेथल ने हालांकि विस्फोटक बैटिंग जारी रखी और 19 गेंदों में हाफ सेंचुरी पूरी की। दूसरी ओर, टॉम बैंटन को 17 रनों के निजी स्कोर पर अक्षर पटेल ने आउट किया।

बेथल का विल जैक्स बखूबी साथ दे रहे थे और दोनों छोर से ताबड़तोड़ बैटिंग हो रही थी। इसी बीच 14वें ओवर की आखिरी गेंद पर अर्शदीप सिंह को विल जैक्स ने हवाई शॉट खेला। गेंद 6 रनों के लिए बाउंड्री से बाहर जा रही थी कि अक्षर पटेल ने कमाल करते हुए गेंद को लपका और जब खुद बाउंड्री के बाहर जाने लगे तो करीब आए शिवम दुबे की ओर गेंद उछाल दिया। इस तरह से जैक्स की पारी 20 गेंदों में 4 चौके और 2 छक्के की मदद से 35 रनों पर समाप्त हुई। बेथल (105 रन, 48 गेंद, 8 चौके और 7 छक्के) ने 45 गेंदों में शतक पूरा किया। हालांकि, वह जीत नहीं दिला सके। बुमराह ने गजब की गेंदबाजी करते हुए 4 ओवरों में 33 रन दिए और एक विकेट झटका। उनका 18वां ओवर मैच का टर्निंग पॉइंट रहा।

तुम्हारा सुप्रीम...

ट्रंप ने स्पष्ट रूप से कहा, वे अपना समय बर्बाद कर रहे हैं। खामेनेई का बेटा एक लाइटवेट है। मुझे नियुक्ति में शामिल होना होगा। खामेनेई का बेटा मेरे लिए अस्वीकार्य है। हम ऐसे किसी को चाहते हैं जो ईरान में सद्भाव और शांति लाए। यह बयान ऐसे समय आया है जब अली खामेनेई की हत्या के बाद ईरान में सुप्रीम लीडर चुनने की प्रक्रिया चल रही है।

कई दिनों से ईरानी सरकार नए सुप्रीम लीडर की घोषणा टाल रही है। लेकिन गुरुवार को ईरानी नेताओं के बयानों से पता चला कि घोषणा जल्द ही हो सकती है। ट्रंप ने कहा, वे अपना समय बर्बाद कर रहे हैं। खामेनेई का बेटा लाइटवेट है। मुझे अपॉइंटमेंट में शामिल होना होगा, जैसे वेनेजुएला में डेल्सी रोड्रिग्ज के चुनाव में हुआ था। ट्रंप ने कहा कि हमें कोई ऐसा नेता चाहिए जो शांति लाए और मेलजोल बढ़ाए।

मोजतबा खामेनेई हैं रेस में सबसे आगे

बता दें कि 56 वर्षीय मोजतबा खामेनेई ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के बेटे हैं। ईरान के सर्वोच्च नेता की रेस में वे सबसे आगे हैं। वह आईआरजीसी और बसीज से गहरे जुड़े हैं, और उन्हें हार्डलाइनरों का समर्थन प्राप्त है। इस मामले में असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स जल्द फैसला ले सकती है।

इजराइल ने भी चेतावनी दी है कि नया लीडर अगर दुश्मनी जारी रखे तो वह भी टारगेट बनेगा। ईरान में अभी इंटरिम लीडरशिप काम कर रही है। इसमें प्रेसिडेंट मसूद पेजेश्कियन, आयतुल्लाह अलिरेजा आरफी और ज्यूडिशियरी हेड शामिल हैं। लेकिन पावर वैक्यूम गहरा रहा है। ट्रंप के बयान से साफ है कि अमेरिका ईरान की आंतरिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप की तैयारी में है।

इजरायल-अमेरिका का हमला जारी

इस बीच ईरान पर इजरायल का हमला जारी है और ईरान के जवाबी एक्शन भी मध्य पूर्व में चल रहे हैं। ईरान में मरने वालों की संख्या अब तक 1230 पहुंच चुकी है। इजरायल के मिलिट्री कैंपेन से जुड़े दो सूत्रों ने बताया कि ईरान में इज़रायल की लड़ाई दूसरे फेज़ में जा रही है, जिसमें उसके फाइटर जेट ज़मीन के नीचे दबी बैलिस्टिक मिसाइल साइट्स पर हमला करेंगे।

ईरान में अमेरिका के साथ जॉइंट एयर असॉल्ट अपने पहले हफ़्ते के आखिर में है। इस हमले के शुरुआती दिनों में ईरान के लीडर मारे गए और इज़रायल, गल्फ और इराक में ईरानी हमलों और लेबनान में इज़रायली हमलों के साथ एक रीजनल वॉर शुरू हो गया।

इज़रायल की मिलिट्री का कहना है कि उसने जमीन के ऊपर सैकड़ों ईरानी मिसाइल लॉन्चर को निशाना बनाया है जो इज़रायली शहरों को टारगेट कर सकते थे। सूत्रों ने कहा कि दूसरे फेज में बैलिस्टिक मिसाइल और इक्विपमेंट स्टोर करने वाले बंकर शामिल होंगे। एक सूत्र ने कहा कि इज़रायल का मकसद युद्ध के आखिर तक इज़रायल पर हवाई हमले करने की ईरान की काबिलियत को बेअसर करना था, जो इस्लामिक रिपब्लिक की लीडरशिप को खत्म करने पर भी फोकस था।

बिहार में...

राज्यसभा का नामांकन करने से पहले सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने गुरुवार को कहा कि वह अपनी इच्छा से राज्यसभा जा रहे हैं। संसदीय जीवन शुरू करने के समय ही उनके मन में इच्छा थी कि वह बिहार विधान मंडल के दोनों सदनों के साथ-साथ संसद के भी दोनों सदनों के सदस्य बने। इसी के लिए वह इस बार हो रहे चुनाव में राज्यसभा का सदस्य बनना चाह रहे हैं।

गौरतलब हो कि राज्यसभा चुनाव के लिए मतदान 16 मार्च को होगा। बताया जा रहा है कि राज्यसभा सांसद बनने के बाद नीतीश कुमार मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे। फिर पटना से निकलकर दिल्ली की राजनीति में कदम रखेंगे। उनके पद छोड़ने के बाद बिहार में नई सरकार का गठन होगा। अगला मुख्यमंत्री भारतीय जनता पार्टी से होगा, इसकी चर्चा जोरों पर है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दो दशक से अधिक लंबे कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां दर्ज की गईं, लेकिन महिला सशक्तिकरण और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में किए गए उनके कामों को विशेष रूप से याद किया जाएगा। वहीं वर्ष 2006 में नीतीश कुमार ने बिहार की त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देने का ऐतिहासिक फैसला लिया। बाद में यही व्यवस्था नगर निकाय चुनावों में भी लागू की गई। इस निर्णय का असर यह हुआ कि गांव-गांव में महिला मुखिया और वार्ड सदस्य दिखाई देने लगीं। शुरुआत में मुखिया पति जैसे व्यंग्य सुनने को मिले, लेकिन समय के साथ महिलाओं ने खुद नेतृत्व संभाल लिया। जबकि शिक्षा के क्षेत्र में लड़कियों की पढ़ाई को बढ़ावा देने के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री बालिका साइकिल योजना और पोशाक योजना की शुरुआत की। इस योजना के तहत छात्राओं को साइकिल खरीदने के लिए उनके बैंक खातों में राशि दी गई। इन योजनाओं का बड़ा प्रभाव पड़ा और कुछ ही वर्षों में मैट्रिक परीक्षा में शामिल होने वाले लड़कों और लड़कियों की संख्या लगभग बराबर हो गई। इसके साथ ही लड़कियों के लिए कई तरह की छात्रवृत्ति योजनाएं भी शुरू की गईं। इसके साथ ही 2016 में बिहार प्रदेश में शराबबंदी कानून लागू कर पूरे प्रदेश में शराब की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया। लेकिन शराब माफियाओं के कारण अभी होम डिलीवरी जैसे सुविधा विपक्षियों द्वारा लगाए जाते हैं। वहीं रेत(बालू)के अवैध खनन एवं परिवहन आज भी विपक्षियों का बड़ा मुद्दा है। हालांकि राज्य सरकार द्वारा इस पर लगाम लगाने की भारी कोशिशों के बाबजूद माफियाओं द्वारा शराब और बालू का अवैध कारोबार जारी रहने की खबरें अक्सर आती हैं। वैसे नीतीश कुमार का बिहार और केंद्र की राजनीति में अब तक जलवा रहा है। बीते दो दशक से बिहार में किसी भी गठबंधन की सरकार को सत्ता के केंद्र में नीतीश ही रहे। 2005 में बिहार का मुख्यमंत्री बनने से पहले वे अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में रेल और कृषि मंत्री रहे। वहीं राजनीतिक पंडितों के अनुसार बिहार की सियासत में एक युग का अंत होने जा रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सीएम की कुर्सी छोड़ने और राज्यसभा जाने का ऐलान कर दिया है हालांकि अचानक नीतीश कुमार के इस बड़े फैसले को लेकर बिहार की सियासत में कई सवाल उठ रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल है कि क्या बिहार में भी ऑपरेशन लोटस हो गया है?

खूब पछताएगा...

ईरानी सेना की ओर से यह बयान भी सामने आया कि होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों की आवाजाही पर उसका नियंत्रण रहेगा। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब क्षेत्र में संघर्ष लगातार तेज होता जा रहा है।

बताया जा रहा है कि हालिया संघर्ष में ईरान में 1200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि छह अमेरिकी सैनिकों के भी मारे जाने की खबर है।

डेना पर हमले के बाद बढ़ा तनाव

ईरान का यह दावा उस घटना के 24 घंटे से भी कम समय बाद आया है जब श्रीलंका के दक्षिणी तट के पास डेना को एक अमेरिकी पनडुब्बी द्वारा डुबोने की खबर सामने आई थी। इस हमले में कम से कम 87 ईरानी नाविकों के मारे जाने की जानकारी दी गई।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने इस घटना को समुद्र में अत्याचार बताते हुए चेतावनी दी कि इसके लिए अमेरिका को बहुत पछतावा होगा। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा, मेरे शब्दों को याद रखना, अमेरिका ने जो मिसाल दी है उस पर उसे कड़ा पछतावा होगा।

छठे दिन भी जारी संघर्ष

ईरान, इसराइल और अमेरिका के बीच जारी टकराव छठे दिन भी जारी है। ईरान की राजधानी तेहरान में गुरुवार को भी कई धमाकों की आवाज सुनी गई।इजरायल ने दावा किया कि उसने तेहरान और अन्य क्षेत्रों में मिसाइल लॉन्च साइट्स, रक्षा सिस्टम और लॉजिस्टिक ठिकानों सहित कई ठिकानों पर हमले किए। वहीं इसराइल रक्षा बल के अनुसार पिछले 24 घंटों में हिज्बुल्लाह से जुड़े लगभग 80 ठिकानों को निशाना बनाया गया है।

दूसरी ओर ईरान ने इजरायल और अमेरिकी ठिकानों के अलावा दोहा, कतर , बहरीन , यूएई, सऊदी अरब और अन्य क्षेत्रों में मिसाइल और ड्रोन हमले करने का दावा किया है। हालांकि कतर ने कहा कि दोहा की ओर आए मिसाइल हमले को समय रहते इंटरसेप्ट कर दिया गया।

इस पूरे घटनाक्रम ने पश्चिम एशिया में युद्ध के दायरे को और व्यापक बना दिया है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ा दी है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 06 मार्च, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

प्राकृतिक उत्पाद अनुसंधान में अनुवादकीय अवसरों पर

सीएसआईआर-आईआईसीटी द्वारा राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

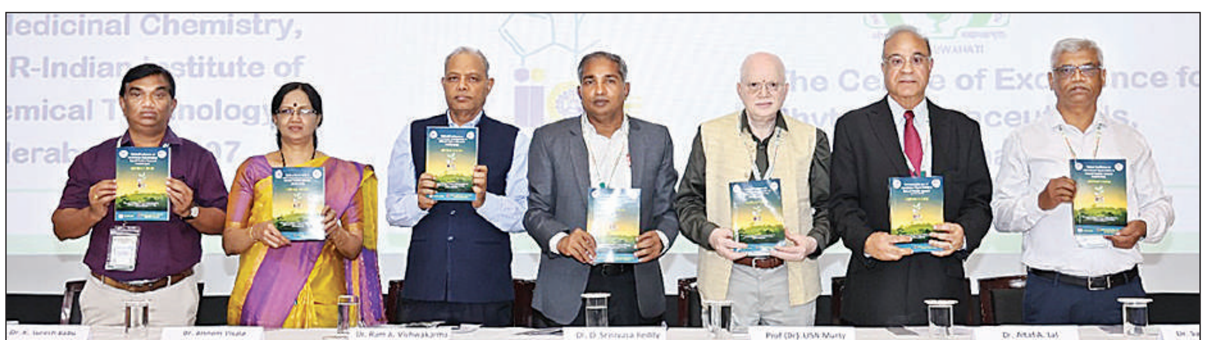

हैदराबाद, 05 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्राकृतिक उत्पाद हमेशा दवा की खोज में सबसे आगे रहे हैं, और भारत में पेश किए गए फाइटोफार्मास्युटिकल नियम शोधकर्ताओं के लिए पारंपरिक ज्ञान को वैज्ञानिक रूप से मान्य दवाओं में बदलने का एक रोमांचक अवसर प्रदान करते हैं। यह बात केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन की संयुक्त औषधि नियंत्रक अन्नम विसाला ने कही।

वह सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएसआईआर - आईआईसीटी), हैदराबाद द्वारा आयोजित 'नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन ट्रांसलेशनल ऑपर्च्युनिटीज इन नेचुरल प्रोडक्ट्स रिसर्च -2026' के उद्घाटन सत्र में भारत में नई दवा विकास के लिए नियामक ढांचे पर बोल रही थीं। यह सम्मेलन प्राकृतिक उत्पादों में अनुवादकीय अनुसंधान, फाइटोफार्मास्युटिकल दवा विकास और हर्बल दवाओं के नियामक ढांचे पर केंद्रित था।

सीएसआईआर-आईआईसीटी के निदेशक डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी ने स्वागत भाषण दिया और आधुनिक दवा खोज में प्राकृतिक उत्पादों के बढ़ते महत्व पर जोर दिया। उन्होंने उल्लेख किया कि वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद सक्रिय रूप से फाइटोफार्मास्युटिकल अनुसंधान में मिशन-मोड कार्यक्रमों को आगे बढ़ा रहा है, और सीएसआईआर-आईआईसीटी प्रोसेस केमिस्ट्री, प्राकृतिक उत्पाद रसायन विज्ञान और दवा खोज कार्यक्रमों के माध्यम से इसमें महत्वपूर्ण योगदान देता है।

सम्मेलन का एक मुख्य आकर्षण डॉ. राम ए. विश्वकर्मा का आमंत्रित व्याख्यान था, जिन्होंने प्राकृतिक उत्पाद अनुसंधान में उभरते अवसरों पर बात की और प्राकृतिक उत्पादों को चिकित्सकीय रूप से प्रासंगिक उपचारों में बदलने में अंतःविषय सहयोग की भूमिका पर जोर दिया।

नियामक एजेंसियों, शिक्षा जगत और उद्योग जगत के कई प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने सम्मेलन में भाग लिया, जिनमें - यू. एस. एन. मूर्ति, निदेशक, राष्ट्रीय औषधि शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (छ्खझएठ) गुवाहाटी अल्ताफ ए. लाल, अध्यक्ष, ग्लोबल हेल्थ एंड फार्मा, हेमंत जी. कोशिया, पूर्व आयुक्त, खाद्य एवं औषधि नियंत्रण प्रशासन, गुजरात, पुलोक के. मुखर्जी, जादवपुर विश्वविद्यालय, सी. के. कटियार, पूर्व सीईओ, इमामी, बैद्यनाथ मिश्रा, डाबर, लाल हिंगोरानी, फार्मांजा हर्बल्स शामिल हैं।

कार्यक्रम में आमंत्रित व्याख्यान, पैनल चर्चा, फ्लैश टॉक, मौखिक प्रस्तुतियां और पोस्टर सत्र शामिल थे, जिनमें - एथ्नोफार्माकोलॉजी और फाइटोफार्मास्युटिकल विकास, हर्बल दवाओं के लिए नियामक मार्ग,फाइटोकेमिकल्स का पृथक्करण और व्यवसायीकरण, प्राकृतिक उत्पाद अनुसंधान में अनुवादकीय प्रगति, आधुनिक दवा खोज के साथ पारंपरिक ज्ञान का एकीकरण विषयों को कवर किया गया

फाइटोफार्मास्युटिकल्स में अवसरों पर एक पैनल चर्चा ने नियामकों, वैज्ञानिकों और उद्योग जगत के नेताओं को भारत में प्राकृतिक उत्पाद-आधारित दवा विकास में तेजी लाने की रणनीतियों पर विचार-विमर्श करने के लिए एक साथ लाया।

सम्मेलन में भारत के 18 से अधिक राज्यों के शोधकर्ताओं, संकाय सदस्यों और छात्रों सहित लगभग 300 प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिससे प्राकृतिक उत्पाद अनुसंधान में अकादमिक-उद्योग संपर्क और ज्ञान के आदान-प्रदान के लिए एक जीवंत मंच तैयार हुआ।सम्मेलन का समन्वय डॉ. संदीप बी. भराटे (अध्यक्ष, प्राकृतिक उत्पाद और औषधीय रसायन विभाग) और डॉ. के. सुरेश बाबू ने अन्य सहयोगियों के साथ किया। इस सम्मेलन ने समकालीन स्वास्थ्य चुनौतियों के समाधान और भारत में अनुवादकीय दवा खोज को आगे बढ़ाने में प्राकृतिक उत्पादों और फाइटोफार्मास्युटिकल्स की बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 162वां नि:शुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर 8 मार्च को

कई विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा स्वास्थ्य जांच, नेत्र परीक्षण और कृत्रिम अंगों की सुविधा

हैदराबाद, 05 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा श्री रोशनलाल अग्रवाल फाउंडेशन ट्रस्ट तथा डॉ. बी.आर. अम्बेडकर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन्स के सहयोग से 162वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर रविवार, 8 मार्च को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक बागलिंगमपल्ली स्थित डॉ. बी.आर. अम्बेडकर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन्स में आयोजित किया जाएगा।

अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार शिविर में किम्स अस्पताल, बेगमपेट द्वारा हड्डी, हृदय, ईसीजी, 2डी इको, बीएमडी, आरबीएस, रक्तचाप तथा सामान्य चिकित्सा की सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

नेत्रों की जांच एलसीएच साधुराम आई हॉस्पिटल, दोमलगुडा द्वारा की जाएगी। जांच के पश्चात योग्य रोगियों को निशुल्क चश्मों का वितरण किया जाएगा तथा आवश्यक रोगियों के लिए मोतियाबिंद के ऑपरेशन की भी व्यवस्था की जाएगी।जनरल फिजिशियन की सेवाएं डॉ. अखिल्स क्लिनिक (पुरणदास रणछोडदास) के डॉ. अखिल सुगंधी एवं डॉ. मिनल खैरिया सुगंधी द्वारा प्रदान की जाएंगी।

फिजियोथैरेपी की सेवा बजाज फिजियो की डॉ. मीता बजाज द्वारा तथा दांतों की जांच एसएनआर डेंटल के डॉ. एस. तेजस्वी नवनीत द्वारा की जाएगी।इस अवसर पर श्री भगवान विकलांग सहायता समिति, हैदराबाद द्वारा भी निशुल्क जांच कर योग्य व्यक्तियों को एड्स एवं एप्लायंसेज जैसे कृत्रिम अंग, हैंड किट्स, कैलिपर्स, हैंड्स आदि उपलब्ध कराए जाएंगे।शिविर में आवश्यकता अनुसार रोगियों के लिए निशुल्क डायलिसिस की भी सेवा प्रदान की जाएगी।

शिविर में आने वाले रोगियों से अनुरोध किया गया है कि वे अपने पूर्व चिकित्सा रिकॉर्ड साथ लेकर आएं, ताकि उन्हें उचित परामर्श दिया जा सके।शिविर में नाम पंजीकरण सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक शिविर स्थल पर किया जाएगा, जबकि शिविर दोपहर 2 बजे तक जारी रहेगा। क्षेत्र के निवासियों से इस स्वास्थ्य शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आग्रह किया गया है। अधिक जानकारी के लिए शिविर के संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, राजेश अग्रवाल, रघु तथा लक्ष्मण वर्मा से संपर्क किया जा सकता है।

जरूरतमंदों की सेवा ही हमारा सच्चा धर्म : उमाकांत गुप्ता

हैदराबाद, 05 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का श्रद्धा और सेवा भावना के साथ आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंदों और असहाय लोगों को भोजन वितरित कर मानवता की सेवा का संदेश दिया गया।इस मौके पर उमाकांत गुप्ता ने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा ही हमारा सच्चा धर्म है। समाज में कई ऐसे लोग हैं जिन्हें दो समय का भोजन भी नसीब नहीं हो पाता। ऐसे में अन्नदान के माध्यम से उनकी मदद करना सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप लगातार सेवा भाव के साथ जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाने का कार्य कर रहा है, जो समाज के लिए प्रेरणादायक है।

कार्यक्रम के दौरान उमाकांत गुप्ता, संजय गुप्ता, सुभाष अग्रवाल तथा हरीश तोलाराम हिंदूजा सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर सेवा कार्य में सहयोग दिया।

अ.भा. पुराने मंदिर पुनर्वास ट्रस्ट ने उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू से की शिष्टाचार भेंट

हैदराबाद, 05 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अखिल भारतीय पुराने मंदिर पुनर्वास ट्रस्ट (एआईओटीआरटी) ने पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू से उनके हैदराबाद स्थित निवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान ट्रस्ट के प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें संगठन के उद्देश्यों और कार्ययोजना से अवगत कराया।

भेंट के दौरान ट्रस्ट के अध्यक्षआर.के. जैन ने श्री नायडू को ट्रस्ट के उद्देश्यों और लक्ष्यों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह ट्रस्ट भारत भर में प्राचीन धरोहर मंदिरों के संरक्षण, पुनर्स्थापन और पुनरुद्धार के प्रति समर्पित है। इसके साथ ही उन्होंने ट्रस्ट की महत्वाकांक्षी पहल मिशन 108 परियोजना के बारे में भी विस्तृत रूप से समझाया, जिसका लक्ष्य 108 ऐतिहासिक मंदिरों का पुनर्वास करना है।

इस मिशन के तहत अब तक 55 मंदिरों की पहचान की जा चुकी है, जिनमें तेलंगाना के 30 मंदिर और आंध्र प्रदेश के 15 मंदिर शामिल हैं। ये मंदिर मुख्य रूप से संबंधित राज्य पुरातत्व विभागों के संरक्षित स्मारकों में से चुने गए हैं। वर्तमान में इन मंदिरों की स्थिति आकलन और दस्तावेजीकरण प्रक्रिया जारी है। वेंकैया नायडू ने आर.के. जैन और उनकी टीम के प्रयासों की सराहना की और भारत की पवित्र धरोहर के संरक्षण के प्रति उनके समर्पण की प्रशंसा की। उन्होंने इस पहल के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं और हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

आर.के. जैन ने ट्रस्ट के प्रमुख संरक्षण कार्यक्रम, प्राचीन तोतलाकोंडा बौद्ध स्थल पर चल रहे पुनर्वास कार्य की विस्तृत जानकारी भी प्रस्तुत की। इस पर श्री नायडू ने गहरी रुचि दिखाते हुए परियोजना के बारे में विस्तार से पूछताछ की और किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

इस भेंट में एआईओटीआरटी टीम के सदस्यों डॉ. समथा, डॉ. रामादेवी, सीमा जैन, दिनेश जैन, महेंद्र जैन, बाबूलाल जैन, जितेंद्र सिंह और श्रीनाथ रेड्डी भी उपस्थित थे।

पहाड़ी श्याम मंदिर में होली के उपलक्ष्य में रंगोत्सव का आयोजन

हैदराबाद, 05 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। महिन्द्रा हिल्स स्थित पहाड़ी श्याम मंदिर में होली के पावन अवसर पर भव्य 'रंगोत्सव' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्याम भक्तों ने उत्साह और श्रद्धा के साथ भाग लेकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

कार्यक्रम में चेयरमैन अरुण डाकोतिया, ट्रस्टी प्रवीण अग्रवाल, अशोक सिंघानिया, राहुल अग्रवाल, अक्षय डाकोतिया, ब्रिजेश मोदी, विजय अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, मनोज अग्रवाल सहित अनेक श्याम प्रेमी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर बाबा श्याम के समक्ष होली के रंगों के साथ भक्ति और आनंद का उत्सव मनाया।

इस दौरान मंदिर परिसर में भजनों और कीर्तन की मधुर स्वर लहरियों के बीच भक्तों ने फूलों और गुलाल से होली खेली। श्रद्धालुओं ने बाबा श्याम के दर्शन कर परिवार और समाज की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

मंदिर प्रबंधन के अनुसार होली के पर्व को लेकर मंदिर में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग ले रहे हैं। भक्तों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और भाईचारे व प्रेम का संदेश दिया।

अनुसंधान–उन्मुख सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला प्रारंभ

देशभर से आयुर्वेद वैज्ञानिक और शोधकर्ता हुए शामिल

हैदराबाद, 05 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएवस) के अधीन ङ्गराष्ट्रीय भारतीय आयुर्विज्ञान विरासत संस्थानफ (एनआईआईएमएच), हैदराबाद द्वारा गुरुवार को नामपल्ली स्थित होटल क्वालिटी इन के इम्पीरियल हॉल में अनुसंधान–उन्मुख सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रमों (AMHCP-SCSP, WCH-SCSP, THCRP-TSP Am¡a AHC-NE) के अंतर्गत एक ऐतिहासिक तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का भव्य शुभारंभ किया गया।

सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों को अनुसंधान से जोड़ने पर जोर

इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों को आधुनिक अनुसंधान पद्धतियों से जोड़ना है। वर्तमान में कई महत्वपूर्ण शोध परियोजनाएं इन कार्यक्रमों के साथ एकीकृत हैं, जैसे सिकल सेल एनीमिया में आयुर्वेद–आधारित जीवनशैली और औषधीय पौधों के प्रभाव का मूल्यांकन तथा ङ्गविरुद्ध आहारफ एवं सोरायसिस के बीच संबंध पर केस–कंट्रोल सर्वे अध्ययन शामिल हैं।

संस्थान के अनुसार, उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए यह प्रशिक्षण देशभर के विभिन्न आयुर्वेद संस्थानों से जुड़े चिकित्सा अधिकारियों, शोधकर्ताओं और शिक्षकों को कार्यप्रणाली, प्रलेखन और सर्वेक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर कौशल प्रदान करेगा। अनुसंधान प्रक्रिया में अन्वेषकों की टीम की अनुसंधानपरक क्षमता का निर्माण ही वास्तव में जमीनी प्रभाव लाने की कुंजी साबित होती है।

आयुष विभाग और सीसीअ–रएएस के सहयोग पर बल

उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में तेलंगाना सरकार के आयुष विभाग के निदेशक डॉ. पेरुगु श्रीकांत बाबू उपस्थित रहे। साथ ही केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के महानिदेशक प्रो. (वैद्य) रबिनारायण आचार्य, उप–महानिदेशक डॉ. एन. श्रीकांत तथा एनआईआईएमएच हैदराबाद के प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. जी. पी. प्रसाद सहित सीसीआरएएस के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं सीसीआरएएस कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात डॉ. जी. पी. प्रसाद ने अतिथियों का औपचारिक स्वागत किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दीपा माखीजा (सहायक अनुसंधान अधिकारी, आयुर्वेद) ने उपस्थित प्रतिनिधियों को कार्यशाला के उद्देश्य, नियोजन और महत्व के बारे में जानकारी दी।

यूनानी चिकित्सा पांडुलिपियों पर पुस्तकों का विमोचन

कार्यक्रम समन्वयक और सह–अध्यक्ष डॉ. एन. श्रीकांत ने अन्–वेषकों के लिए आवश्यक अनुसंधान बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए वर्तमान परिप्रेक्ष्य में इसकी आवश्यकता पर बल दिया। मुख्य अतिथि डॉ. पेरुगु श्रीकांत बाबू ने अपने उद्बोधन में सीसीआरएएस और तेलंगाना आयुष विभाग के बीच सहयोगात्मक कार्यों में विशेष रुचि दिखाते हुए आयुर्वेद को जन–सामान्य तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

महानिदेशक प्रो. (वैद्य) रबिनारायण आचार्य ने परिषद द्वारा अनुसंधान–उन्मुख सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में दिए जा रहे योगदान तथा इसे अधिक लोकोपयोगी बनाने के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी।

इस अवसर पर संस्थान द्वारा प्रकाशित दो पुस्तकों सीसीअ–रएएस–राष्ट्रीय भारतीय आयुर्विज्ञान विरासत संस्थान (एनआईआईएमएच), हैदराबाद, भारत में संरक्षित 105 यूनानी चिकित्सा पांडुलिपियों की वर्णनात्मक सूची तथा इब्न सीना एकेडमी ऑफ मेडिवल मेडिसिन एंड साइंसेज (आईएएमएमएस), अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, भारत में संरक्षित 373 यूनानी चिकित्सा पांडुलिपियों की वर्णनात्मक सूचीका भी विमोचन किया गया।

कार्यशाला में देशभर के 31 राज्यों से 150 से अधिक आयुर्वेद वैज्ञानिक एवं अनुसंधानकर्ता भाग ले रहे हैं।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. सुभोस (एडी), डॉ. गोविंदा रेड्डी (एडी), डॉ. अशफाक अहमद, डॉ. वी. श्रीदेवी तथा संस्थान के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सक्रिय सहयोग रहा।कार्यक्रम का संचालन डॉ. साकेत राम (अनुसंधान अधिकारी) ने किया, जबकि डॉ. संतोष माने (अनुसंधान अधिकारी) ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

बेगम बाजार में राधे-राधे ग्रुप द्वारा भव्य अन्नदान सेवा

हैदराबाद, 05 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने गुरुवार को नियमित अन्नदान सेवा कार्यक्रम श्रद्धा और सेवा भावना के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर मानव सेवा का संदेश दिया गया।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सेवाभावियों ने कहा कि समाज में सेवा और सहयोग की भावना को मजबूत करने के लिए ऐसे अन्नदान कार्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। राधे–राधे ग्रुप द्वारा निरंतर किए जा रहे सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणादायक हैं।इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, रवि अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, गोविंद राम पचेरीया, विनोद तोषनीवाल, अरुण विजयवर्गीय, महेश गोयल, लता गोयल, नीलम विजयवर्गीय और पूजा सांघी सहित अन्य सेवाभावी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर सेवा कार्य में अपना योगदान दिया और जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया।

अत्तापुर में श्री श्याम सेवक सम्मान समारोह 8 को

निशान यात्रा के सहयोगियों का होगा सम्मान

हैदराबाद, 05 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री श्याम मित्र मंडल (सूरजगढ़ निशान) अत्तापुर द्वारा आयोजित भव्य सूरजगढ़ श्री श्याम निशान यात्रा के सफल आयोजन में सहयोग करने वाले श्याम सेवकों का सम्मान समारोह 8 मार्च को प्रातः 10:00 बजे से अत्तापुर स्थित इस्कॉन मंदिर के पास मोदी भवन में आयोजित किया जाएगा।इस संबंध में जानकारी देते हुए श्री श्याम मित्र मंडल के यात्रा संयोजक पवन नालपुरिया, अध्यक्ष सुरेश कुमार मोदी एवं यात्रा संयोजक संतोष अग्रवाल ने बताया कि इस विशाल सम्मान समारोह में निशान यात्रा के सफल आयोजन में सहयोग करने वाले सभी श्याम सेवकों को आमंत्रित किया गया है। समारोह में अतिथियों द्वारा सभी सेवकों का स्वागत एवं सम्मान किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में बतौर अतिथि अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, श्री श्याम मंदिर हैदराबाद के मुख्य पुजारी रामचरण जी महाराज, दिव्य श्री श्याम कथा के कथाव्यास महाराज पवन गुरु, राजेंद्र नगर भाजपा नेता एवं पार्षद तोकला श्रीनिवास तथा बीआरएस अत्तापुर अध्यक्ष वनम श्री राम रेड्डी उपस्थित रहेंगे।

इसके अतिरिक्त निशान यात्रा में सहयोग देने वाले सभी श्रद्धालु और सेवक भी समारोह में उपस्थित रहेंगे, जिनका अतिथियों द्वारा सम्मान किया जाएगा।

श्री वासुपूज्य जैन श्वेतांबर हंस मंदिर में देवदर्शन

श्री सुमति पार्श्वनाथ जैन संघ के पदाधिकारियों ने किए दर्शन

हैदराबाद, 05 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद कुलपाकजी तीर्थ रोड पर यादगिरीगुट्टा गेट के सामने मुथुकुर रोड पर नवनिर्मित श्री वासुपूज्य जैन श्वेतांबर हंस मंदिर के दर्शन हेतु श्री सुमति पार्श्वनाथ जैन संघ टी–19 टावर, रानीगंज सिकंदराबाद के पदाधिकारियों का आगमन हुआ।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में हंस मंदिर के ट्रस्टी जिनेंद्र बाफना एवं विनय मुणोत ने बताया कि पूज्य आचार्य भगवंत श्री विमलसागर सुरीश्वरजी महाराज साहब के वरद हस्त से हंस मंदिर में विराजमान होने वाले श्री वासुपूज्यस्वामी भगवान, श्री चंद्रप्रभस्वामी भगवान, श्री अजीतनाथ स्वामी भगवान, श्री नाकोड़ा भैरव देव, श्री पद्मावती माता तथा मुणोत परिवार की कुलदेवी श्री नागणेची माता की गदग नगर में अंजनशलाका के पश्चात हंस मंदिर परिसर में सभी की चल प्रतिष्ठा की गई है।होली की छुट्टी के अवसर पर श्री कुलपाकजी तीर्थ दर्शन हेतु जाते समय श्री सुमति पार्श्वनाथ जैन संघ टी–19 टावर्स के पदाधिकारियों ने हंस मंदिर पहुंचकर परमात्मा एवं सभी देवों के दर्शन किए। मंदिर परिसर में पहुंचकर सभी पदाधिकारियों और ट्रस्टियों ने अत्यंत प्रसन्नता व्यक्त की तथा मंदिर में विभिन्न लाभ लेने की भावना भी प्रकट की।इस अवसर पर संघ की ओर से मंदिर परिसर में एक सुंदर लाभ लेने का निर्णय भी लिया गया तथा इसके लिए हंस मंदिर के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया गया।इस अवसर पर हंस मंदिर के ट्रस्टी जिनेंद्र बाफना, विनय मुणोत, श्री सुमति पार्श्वनाथ जैन संघ टी–19 टावर, रानीगंज सिकंदराबाद के अध्यक्ष घेवरचंद सुराणा, मंत्री भेरूलाल ढेलड़िया, सहमंत्री अशोक चौधरी, कोषाध्यक्ष अशोक सालेचा, कार्यकारिणी सदस्य गजेंद्र जैन, जीवदया प्रेमी रिद्धिश जागीरदार, श्री जैन संस्कार वाटिका के मुकेश जैन चौहान, स्नेहा मुणोत, हंस मंदिर के मैनेजर सुनील गौर, राजू भाई सहित अन्य उपस्थित रहे।इस अवसर पर मुकेश चौहान ने बताया कि इस भूमि को लेने के बाद कुलपाकजी तीर्थ आने–जाने के दौरान लगभग 1400 से 1500 साधु–साध्वी भगवंतों का अब तक इस भूमि पर पदार्पण हो चुका है। कोरोना काल के दौरान पूज्य साध्वी श्री लक्ष्ययशाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा–3 ने लगभग 60–70 दिन तक इस भूमि पर स्थिरता की थी तथा उवसग्गहरम पार्श्वनाथ भगवान की आराधना–साधना भी संपन्न की थी। विभिन्न संप्रदायों के साधु–साध्वी भगवंतों ने यहां पधारकर इस भूमि को पावन किया है। रिद्धिश जागीरदार ने मंदिर परिसर में एक छोटी गौशाला प्रारम्भ करने का निवेदन किया। उन्होंने टी–19 टावर संघ द्वारा उदारतापूर्वक देवद्रव्य के उपयोग की सराहना करते हुए अन्य संघों से भी देवद्रव्य का उपयोग उदारता से करने का आग्रह किया।जिनेन्द्र बाफना ने बताया कि वर्ष 2026 के चातुर्मास के पश्चात श्रेष्ठ शुभ मुहूर्त में पूज्य आचार्य श्री विमलसागर सुरीश्वरजी महाराज साहब की निश्रा में ऐतिहासिक प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। वहीं विनय मुणोत ने सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से हंस मंदिर पधारकर दर्शन–पूजा का लाभ लेने का निवेदन किया।

परिवार के साथ होली उत्सव मनाते हुए डॉ. मोहन गुप्ता।

गौसंरक्षण के लिए कानूनों से अधिक उनका प्रभावी क्रियान्वयन आवश्यक : महेश अग्रवाल

गोशाला में निःशुल्क मिनरल मिक्सचर वितरण, समाज की भागीदारी पर जोर

हैदराबाद, 05 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद समर्पण द्वारा आज कट्टलमंडी स्थित श्री काशीविश्वनाथ मंदिर संचालित गोशाला में निःशुल्क रूप से मिनरल मिक्सचर वितरित किया गया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री महेश अग्रवाल ने कहा कि हमारे देश में गौ माता केवल एक पशु नहीं है। वह कृषि व्यवस्था की आधारशिला है, ग्रामीण आजीविका का स्रोत है और करुणा व संवेदनशीलता का प्रतीक है।डी अग्रवाल ने बताया कि तेलंगाना राज्य सरकार ने गोसंरक्षण के लिए कई कड़े कानून बनाए हैं, किन्तु केवल कानून बना देना पर्याप्त नहीं है। किसी भी कानून की वास्तविक शक्ति उसके प्रभावी क्रियान्वयन में निहित होती है।

संसाधनों की कमी से जूझ रही हैं कई गौशालाएँ

आज किसान बढ़ती चारे की लागत, सीमित चरागाह भूमि और अपर्याप्त आर्थिक सहायता के कारण अनुपयोगी पशुओं के पालन में कठिनाई महसूस करते हैं। कई गौशालाएँ संसाधनों की कमी और भीड़भाड़ की समस्या से जूझ रही हैं। कानून प्रवर्तन एजेंसियों के पास पर्याप्त जनशक्ति और तकनीकी साधनों का अभाव भी एक बड़ी चुनौती है।उन्होंने आगे कहा कि यदि हम सचमुच गौ–कल्याण चाहते हैं, तो हमें प्रतीकात्मक संरक्षण से आगे बढ़कर व्यावहारिक और टिकाऊ समाधान अपनाने होंगे। सबसे पहले कानून के कठोर और निष्पक्ष क्रियान्वयन की आवश्यकता है। प्रत्येक जिले में समर्पित पशु–कल्याण अधिकारियों की नियुक्ति, पशुओं के परिवहन की सख्त निगरानी तथा उल्लंघनों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए।

किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना जरूरी

किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त करना अनिवार्य है। देशी नस्लों के संरक्षण के लिए प्रोत्साहन, गोबर एवं गौ–आधारित उत्पादों से जैविक खेती को बढ़ावा, तथा बायोगैस और प्राकृतिक खाद उद्योग का विकास गौ–संरक्षण को आर्थिक रूप से व्यवहार्य बना सकता है। गौशालाओं का आधुनिकीकरण आवश्यक है। उचित पोषण, नियमित पशु चिकित्सा सेवा, स्वच्छता और पारदर्शी प्रबंधन प्रणाली अनिवार्य मानक बनने चाहिए।लॉयंस इंटरनेशनल के जीव–जंतु कल्याण विभाग के चेयरमैन श्री प्रेम चंद मुनोत ने कहा कि गोसंरक्षण एवं गौसंवर्धन में समाज की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। गौ–संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं हो सकता। स्थानीय निकायों, स्वैच्छिक संगठनों और युवाओं को सक्रिय भूमिका निभानी होगी।गौ–कल्याण केवल प्रतिबंध का विषय नहीं है, यह संरक्षण, उत्पादकता और करुणा का विषय है। यह ऐसा तंत्र विकसित करने का प्रयास है, जिसमें किसान सशक्त हों, पशु सुरक्षित हों और समाज लाभान्वित हो।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना में यह क्षमता है कि वह वैज्ञानिक और मानवीय दृष्टिकोण के साथ गौ–कल्याण के क्षेत्र में एक आदर्श राज्य बन सके। सरकार, समाज और नागरिकों के समन्वित प्रयास से हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि हमारे कानून केवल कागजों तक सीमित न रहें, बल्कि व्यवहार में भी उतारें।इस अवसर पर आर्य समाजी भक्त राम एवं गोशाला प्रबंधक आर्य सतीश भी उपस्थित थे।

सिखवाल ब्राह्मण समाज ने विजयशंकर ढुंढ मंडली द्वारा होली पर पदाधिकारी अपने सदस्यों के साथ 31 परिवारों के घर जाकर ढुंढ किया। इस अवसर पर एक परीवार के घर पर ढुंढ कार्यक्रम पर परीवार एवं स्वजातीय सदस्य उपस्थित हैं।

विश्व मंगलया महासभा के अधिन आयोजित होने वाला मातृ संस्कार समागम कार्यक्रम दि. 4 और 5 अप्रैल को कान्हा शान्ति वनम में होने जा रहा है। इसके प्रचार हेतु डी. सुमन के नेतृत्व में विट्ठल रुक्मिणी मन्दिर गौलीपूरा डिवीजन में आयोजित एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रचार के लिए पधारे गायत्री जी का सम्मान करती हुईं सुमन जी।

नारायणलाल उपाध्याय (नरजी) की स्मृति में शोकसभा आयोजित

हैदराबाद, 05 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री राम दरबार पंचायती बाड़ा में नारायणलाल जी उपाध्याय (नरजी) की स्मृति में शोकसभा आयोजित की गई, जिसमें परिजनों एवं समाजबंधुओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। सभा में रामदेव नागला ने कहा कि विनम्र, मिलनसार और हंसमुख स्वभाव के हर दिल अजीज नरजी को भुला पाना असंभव है।

उन्होंने अपने जीवन में समाज के प्रति समर्पण और सद्भावना का परिचय दिया।

सिखवाल समाज नागौर पट्टी क्षेत्र के अध्यक्ष अनिल जायलवाल ने अपने संदेश में दिवंगत द्वारा समाज हित में किए गए कार्यों की सराहना की और कहा कि उनकी कमी समाज को हमेशा महसूस होगी।

शोकसभा में परिवार के सदस्यगण एवं समाज के अनेक बंधुओं ने उपस्थित होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धासुमन अर्पित किए और ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

श्री अजीत पार्श्व जैन युवा संगठन के पदाधिकारियों का सम्मान

डॉ. घीसुलाल जैन, संजय जैन और नरेश पारेख का अभिनंदन

हैदराबाद, 05 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन, लव फॉर काऊ फाउंडेशन एवं श्री जैन सेवा संघ हैदराबाद की ओर से आज अजीत पार्श्व जैन युवा संगठन के नवनियुक्त पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया।

यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में फाउंडेशन की अध्यक्षा जया जागीरदार ने बताया कि रामकोट स्थित श्री जैन सेवा संघ भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में श्री अजीत पार्श्व जैन युवा संगठन के नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ. घीसुलाल जैन, उपाध्यक्ष संजय जैन चिनारिया तथा निदेशक नरेश पारेख का अभिनंदन किया गया।

श्री जैन सेवा संघ की ओर से चेयरमैन योगेश सिंघवी, मंत्री विमल मुथा, पूर्व मंत्री अमित मुणोत, कार्यकारिणी सदस्य राजेश साभद्रा एवं महावीर तातेड (कोरा), लव फॉर काऊ फाउंडेशन की ओर से चेयरमैन जसमत पटेल तथा ट्रस्टी मुकेश चौहान, वहीं जागीरदार फाउंडेशन की ओर से रिद्धीश जागीरदार ने शॉल और माला पहनाकर सभी का अभिनंदन किया।इस अवसर पर रिद्धीश जागीरदार ने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि डॉ. घीसुलाल जैन द्वितीय बार श्री अजीत पार्श्व जैन युवा संगठन के अध्यक्ष चुने गए हैं। उनका अभिनंदन करते हुए उन्हें गर्व का अनुभव हो रहा है। उन्होंने कहा कि संजय जैन और नरेश पारेख भी कई संस्थाओं से जुड़े हुए हैं और अपनी ओर से तन, मन और धन से समाज सेवा में योगदान दे रहे हैं।उल्लेखनीय है कि डॉ. घीसुलाल जैन विभिन्न धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इनमें महावीर अस्पताल के ट्रस्टी, महावीर अस्पताल फार्मेसी विभाग के संयोजक, श्री जैन सेवा संघ हैदराबाद की कार्यकारिणी समिति के पूर्व सदस्य, श्री जैन सेवा संघ माइनॉरिटी विभाग के पूर्व चेयरमैन, भारतीय जैन संगठन तेलंगाना के पूर्व मंत्री, लव फॉर काऊ फाउंडेशन एवं प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन के परामर्शदाता शामिल हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने आंध्र प्रदेश केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष पद को भी कई वर्षों तक सुशोभित किया है।कार्यक्रम में योगेश सिंघवी और विमल मुथा ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए सभी से एकजुट और संगठित रहकर जैन समाज को प्रगति के मार्ग पर अग्रसर करने के लिए योगदान देने का आग्रह किया।

अंत में डॉ. घीसुलाल जैन ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए जीवदया के कार्यक्रमों में हमेशा तन, मन और धन से सहयोग देने का आश्वासन दिया।

सेवा और संवेदना से समाज मजबूत होता है : सविता अग्रवाल

हैदराबाद, 05 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास गुरुवार को नियमित अन्नदान (अनुदान) कार्यक्रम श्रद्धा और सेवा भाव के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंद और गरीब लोगों को भोजन वितरित कर मानव सेवा का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर सविता अग्रवाल ने कहा कि समाज में जरूरतमंद लोगों की सेवा करना सबसे बड़ा पुण्य है। राधे-राधे ग्रुप द्वारा निरंतर किए जा रहे सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणादायक हैं और इससे लोगों में सहयोग और मानवता की भावना मजबूत होती है।

कार्यक्रम में रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, जयप्रकाश सारड़ा, भगतराम गोयल, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, मनीष अग्रवाल, सविता अग्रवाल और प्रीतिका अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने सेवा कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाई।

कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने संकल्प लिया कि भविष्य में भी इसी प्रकार जरूरतमंदों की सेवा और अन्नदान का यह कार्य निरंतर जारी रखा जाएगा।

श्री आईमाता जी बडेर में धूमधाम से मनाया गया होली महोत्सव

ढूंढ उत्सव, फूलों की होली और गैर नृत्य से सजा उत्सव

हैदराबाद, 05 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
जीडिमेटला स्थित श्री आईमाता जी बडेर में होली महोत्सव उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। मंगलवार को सुबह 8:15 बजे से पूजा-अर्चना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई, जिसके बाद बाल गोपालों की पारंपरिक ढूंढ का आयोजन किया गया।इस अवसर पर फूलों की होली खेली गई और चंग की थाप पर रंगारंग गैर नृत्य का आयोजन किया गया। शाम 7:15 बजे से रात्रि 10:30 बजे तक पांच गैर मंडलियों द्वारा आकर्षक गैर नृत्य प्रस्तुत किए गए। सभी गैर कलाकार पारंपरिक राजस्थानी वेशभूषा में सपरिवार उपस्थित हुए और ढूंढ उत्सव तथा भोजन प्रसादी का लाभ लिया।कार्यक्रम में जीडिमेटला गैर मंडली और कुतबुलापुरम गैर मंडली द्वारा ढूंढ की गई। कार्यक्रम के अंत में सभी गैर मंडलियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर संरक्षक मांगीलाल काग, उपाध्यक्ष सोहनलाल परिहार, उपाध्यक्ष दुर्गाराम मुलेवा, सचिव प्रेम पंवार, सह सचिव मगलराम पंवार, कोषाध्यक्ष भंवरलाल काग सहित समस्त कार्यकारिणी सदस्य और समाज के अनेक भाई-बहन उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर होली महोत्सव कार्यक्रम को सफल बनाया।

अग्रवाल समाज बंजारा सेंट्रल शाखा का होलिकोत्सव आयोजित

हैदराबाद, 05 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अग्रवाल समाज, बंजारा सेंट्रल शाखा के तत्वावधान में होली का रंगारंग कार्यक्रम धूमधाम से रोड नं. 13, बंजारा हिल्स स्थित एमराल्ड स्वीट्स के समीप परिसर में संपन्न हुआ।कार्यक्रम संयोजक रमेश कुमार अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया गया कि महाराजा अग्रसेन जी की पूजा अर्चना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। अवसर पर सदस्य परिवारों के लिये डीजे संगीत, रेन डांस व ऑर्गेनिक गुलाल की व्यवस्था की गई। जिसका सभी ने भरपूर आनंद उठाया । इस अवसर पर शाखा द्वारा ठंडाई इत्यादि के साथ सुरुचिपूर्ण सहयोग का आयोजनकिया गया। कार्यक्रम में शाखा सदस्य परिवारों व निमंत्रित अतिथियोंसहित लगभग 400 व्यक्तियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में जयदीप गुप्ता, मनीष कुमार अग्रवाल, सह संयोजक नवल किशोरबंसल, सीए अरविंद अग्रवाल का विशेष सहयोग रहा।शाखा अध्यक्ष सुनील कुमार अग्रवाल ने कार्यक्रम को भव्यता प्रदान कर सफल बनाने के लिये सभी का धन्यवाद दिया। अवसर पर शाखा परामर्शदाता मोहन मित्तल, विनोद टिकमाणी, शाखा निवर्तमान अध्यक्ष कमल किशोर अग्रवाल, अश्विन अग्रवाल, सुभाष केडिया, महेश अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, विनय गुप्ता, दिलीप अग्रवाल, रवि अग्रवाल, वेद प्रकाश अग्रवाल, अनिल कुमार झुंझनवाला, सुनील झुंझुनवाला, विजय कुमार गुप्ता, पवन मोदी, राजीव मोदी, ललित अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

भारतीय योग संस्थान पब्लिक गार्डन शाखा द्वारा पब्लिक गार्डन नामपल्ली में योगा क्लास होने के पश्चात एक दूसरे को रंग लगाकर होली खेली गई।, जिसमें नरेंद्र सिंह वालिया, सुधीर कुलकर्णी, बी. मधुसूदन उमेश किटी, जीतू भाई, चिंतामणि, मारुति अन्ना, नागसेट्टी आदि उपस्थित थे ।

कुमावत समाज बालाजी नगर में होली महोत्सव उत्साहपूर्वक मनाया गया

हैदराबाद, 05 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
कुमावत समाज बालाजी नगर में होली महोत्सव के अवसर पर पारंपरिक उत्साह और उल्लास के साथ विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चों की पारंपरिक ढूंढ कार्यक्रम के साथ फूलों की होली खेली गई। कार्यक्रम के दौरान चंग की थाप पर रंगारंग गैर नृत्य का भी आयोजन किया गया, जिसमें समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पारंपरिक माहौल में आयोजित इस कार्यक्रम ने सभी उपस्थित लोगों को होली के उल्लास में सराबोर कर दिया।इस अवसर पर अध्यक्ष पूनमचंद डैया, सचिव चेतन पटेल नाराणिया, समस्त कार्यकारिणी सदस्यगण, महिला मंडल तथा समाज के अनेक बंधु उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

अवन्ति नगर, बशीरबाग में सामूहिक होलिका दहन कार्यक्रम में सम्पन्न हुआ। संयोजक महेंद्र कुमार अग्रवाल ने सभी को गुलाल लगाकर अभिनन्दन किया। पुरुषों एवं महिलाओं ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। वातावरण में भक्ति उत्साह एवं सामूहिक एकता की भावना स्पष्ट दिखाई दी।

पॉट मार्केट टुकारा बस्ती सिकंदराबाद में शंकरलाल बालोडिया के निवास पर होली मनाने का दृश्य।

DAILY शुभ लाभ Classifieds

CHANGE OF NAME
I, Army No. 15828640N Nk AMIT RANA of AOC Records, C/o.56 APO, Secunderabad that my mother name is changed from RITA RANA to RITA KUMARI

CHANGE OF NAME
I, Service No. 15417169L Hav M KANDEEPA KANNAN, R/o. D.No.639/C3, Vill:Mela Vaniyankudi, Post:Siviganga, Teh:Annamal Nagar, Dist:Siviganga, Tamilnadu-630561 of Unit:454 Field Hospital, C/o.56 APO hereby declare that my father name is changed from V MARIAPPAN to MARIYAPPAN V vide affidavit dt:05-03-2026 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No. 15417169L Hav M KANDEEPA KANNAN, R/o. D.No.639/C3, Vill:Mela Vaniyankudi, Post:Siviganga, Teh:Annamal Nagar, Dist:Siviganga, Tamilnadu-630561 of Unit:454 Field Hospital, C/o.56 APO hereby declare that my mother name is changed from M SUSILA to SUSILA M vide affidavit dt:05-03-2026 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, No.16125433A Nk SHAKTHIVEL R, Residing at D.No.72/40, Mariyamman Koil Street, Anna Nagar, Dist: Krishnagiri, Tamilnadu-635001 hereby declare that my father name is changed from RAMU to RAMU GOVINDAN and mother name is changed from MEENA to MEENA RAMU vide affidavit dt:04-03-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, No.16123875A Nk SURESH J, Residing at 107, Pillaiyar Kovil Street, PO-Teh:Sengunam, Dist: Tiruvannamalai, Tamil Nadu-606803 hereby declare that my Wife name is changed from JEEVITHA S to JEEVITHA SURESH, Son name is changed from KABILAN S to S KABILAN and my mother name & DOB is changed from NEELA J, DOB:14-08-1970 to NEELA JAYARAMAN, DOB:05-05-1973 vide affidavit dt:04-03-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, S CHINNA REDDI KUMAR, S/O. S NAGAIAH, resident of H.No. 3-28, Moorevandlapalli, Munellapalli, Kalikiri Mandal, Chittoor District, Andhra Pradesh 517213, india that in my official Army records, my mother's name and date of birth have been wrongly recorded. As S PARVATHMMA and DOB. 04-09-1956 (incorrect) to S PARVATHAMMA and DOB is 01-01-1946 (Correct)

CHANGE OF NAME & DOB
I, B PADMAWATI, is legally wedded spouse of Army No. 139072077, Ranic: EX-SEPOY/AA, Name: B HEMANT RAO presently resident of H.No. 12-45/1, Plot. No. 600 & 601, Vill: RAJSUKH NAGAR, PO: NAGARAM, Teh: KEESARA, Dist: MEDCHAL MALKAJGIRI, State: TELANGANA, Pin: 500083, do hereby That I want to change my name from B PADMAWATI to BURAGAPU PADMAVATI. I have changed my Date of Birth from 01-07-1948 to 03-03-1948. That my date of Birth is 03-03-1948

CHANGE OF NAME
I, P SAJITHA is legally wedded Spouse of Service No-14657404P Rank-HAV Name- Vino T, Residing at H.No-22/61-C, Vill-Valvachakostam, PO-Palliyadi, Dist-Kanyakumari, PIN-629169, State-Tamil Nadu. I have changed my name from P SAJITHA * to *SAJITHA P and Date of Birth is 20/05/1985 dated 03 Mar 2026 before X Spl Judicial Magistrate Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, DULAM MADHAVI is legally wedded Spouse of Service No-14667388W, Rank-HAV Name-Malleshgoud Rangu R/o H.No-21-120, Girinagar,Opp IDPL Colony, Quthbullapur, Distt-Medchal, Hyderabad, PIN-500037,State-Telangana, I have changed my Name from DULAM MADHAVI to RANGU MADHAVI add in my husband service documents vide affidavit date 03 Mar 2026 before X Spl Judicial Magistrate Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No-14667388W, Rank-HAV Name-Malleshgoud Rangu R/o H.No-21-120, Girinagar, IDPL Colony, Quthbullapur, Distt- Medchal, Hyderabad, PIN-500037,State-Telangana, I have changed my Daughter Name from R GRISHMA to RANGU GRISHMA and date of birth changed from 14/02/2011 to 14/02/2010 add in my service documents vide affidavit date 02 Mar 2026 before G Ramchander Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Yogesh Sharma, S/o. Nandkishore Sharma, R/o H.No. 7-1-841, 865, Buguru Chetty Bazar, Monda Market, Secunderabad-500003, Telangana State, India., declare that my name in Aadhar card is mentioned as YOGESH but correct Name is YOGESH SHARMA. I request to the concerned authorities to kindly accept this sworn affidavit dated: 19/02/2026 before M.Kalidas, B.Com, LLB, Advocate High Court & Notary, Old Bowenpally, Secunderabad

CHANGE OF NAME
I, ARTI DEVI Spouse of Service No-14686428F, Rank- HAV, Name- RISHIKESH KUMAR BAITHA, R/o Vill & PO- Tiyay, Teh- Siwan, Dist- Siwan, Bihar. I have to change my Name From ARTI DEVI to ARTI KUMARI for all purpose vide affidavit dated: 03/03/2026.

CHANGE OF NAME
I, BISHNU MAYA Mother of Service No-15201050N, Rank- HAV, Name- BIKASH PRADHAN, R/o. Vill – Jayanti Tea Garden, PO- Hatipotha, Teh- Kumargram, Dist- Jalpaiguri, W.B. I have to change my Name From BISHNU MAYA to BISHNU MAYA NEWAR for all purpose vide affidavit dated: 05/03/2026.

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

राधे-राधे ग्रुप द्वारा राधे संग श्याम होली उत्सव का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 05 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में राधे संग श्याम होली उत्सव का भव्य और भक्तिमय आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने भगवान राधा-कृष्ण के जयकारों के बीच फूलों और गुलाल से होली खेलते हुए प्रेम, सौहार्द और भाईचारे का संदेश दिया।कार्यक्रम में भक्ति गीतों, होली के पारंपरिक रसिया और कीर्तन से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और समाज में प्रेम, एकता और सद्भाव बनाए रखने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों ने कहा कि होली केवल रंगों का पर्व ही नहीं, बल्कि प्रेम, अपनत्व और समाज सेवा का संदेश देने वाला त्योहार है। इसी भावना के साथ ग्रुप द्वारा समय-समय पर अन्नदान और सेवा के विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं, जिनका उद्देश्य जरूरतमंद लोगों की सहायता करना और समाज में सेवा भावना को बढ़ावा देना है।

होली प्रेम और एकता का संदेश देती है : सतीश गुप्ता

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में जारी नियमित अन्नदान कार्यक्रम के अंतर्गत नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के सामने गौशाला तथा कवर पार्क पर होली का पर्व हर्षोल्लास, उत्साह और सेवा भावना के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ग्रुप के सदस्यों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप के संयोजक सतीश गुप्ता ने कहा कि होली प्रेम, भाईचारे और एकता का पर्व है, जो समाज में आपसी सद्भाव को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि त्योहारों के साथ सेवा कार्य जुड़ जाएं तो उनका महत्व और बढ़ जाता है।

होली दिलों को जोड़ने का पावन पर्व : जगत नारायण अग्रवाल

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के सामने गौशाला तथा कवर पार्क पर होली का पर्व हर्षोल्लास और भाईचारे के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं बल्कि दिलों को जोड़ने वाला पावन पर्व है। यह हमें प्रेम, सौहार्द और अपनत्व की भावना के साथ समाज में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

होली हमारे सनातन धर्म का महान पर्व : रामप्रकाश अग्रवाल

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में जारी नियमित अन्नदान कार्यक्रम के दौरान नामपल्ली पब्लिक गार्डन, बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के सामने गौशाला तथा कवर पार्क पर होली का उत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया।इस अवसर पर रामप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि होली हमारे सनातन धर्म का महान पर्व है, जिसमें सभी लोग मिलकर खुशी और उमंग के साथ भाग लेते हैं। यह त्योहार समाज में प्रेम और भाईचारे का संदेश फैलाता है।

होली हमें एकजुट रहने का संदेश देती है : महेश अग्रवाल

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली पब्लिक गार्डन, बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के सामने गौशाला तथा कवर पार्क पर होली का पर्व हर्षोल्लास और सेवा भावना के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप के संयोजक महेश अग्रवाल ने कहा कि होली का त्योहार हमें एकजुट रहने और समाज में प्रेम व सहयोग की भावना को बढ़ाने का संदेश देता है।

अग्रवाल समाज रामनगर शाखा ने मनाई फूलों की होली

भक्ति, संगीत और पारिवारिक सहभागिता के साथ मनाया गया उत्सव

हैदराबाद, 05 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज रामनगर शाखा द्वारा 3 मार्च 2026 को फूलों की होली अपने के संग थीम के साथ भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के सभी बंधुओं ने परिवार सहित भाग लेकर उत्साहपूर्वक होली का आनंद लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत महाराज अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके बाद फूलों की होली खेलते हुए सभी ने आपसी प्रेम, भाईचारे और उल्लास के साथ होली के पर्व को यादगार बनाया।

इस अवसर पर संगीत, नृत्य और होली के जश्न के साथ लाइव संगीत एवं गायक की प्रस्तुति भी हुई, जिसने कार्यक्रम को और भी आकर्षक बना दिया। उपस्थित लोगों ने ठंडाई, कुल्फी और रात्रि भोज का आनंद लेते हुए उत्सव को पूरे उत्साह के साथ मनाया।

यह कार्यक्रम अग्रवाल समाज बैंक्वट हॉल, पैराडाइज, सिकंदराबाद में आयोजित किया गया, जिसमें पहलादराय टिबरेवाल, प्रशांत धन्नावत, दीपक गुप्ता, पवन टिबरेवाल, सतीश अग्रवाल, अशोक दिवान, विजय अग्रवाल सहित शाखा के सभी सदस्य अपने परिवारों के साथ शामिल हुए।

इस होली मिलन समारोह ने समाज के सदस्यों के बीच प्रेम, सौहार्द और एकता की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया। सभी ने फूलों की होली की मस्ती में डूबकर इस उत्सव का भरपूर आनंद लिया।

कुमावत समाज में ढूंढ कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

हैदराबाद, 05 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। कुमावत समाज तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष तिलायचा सोनाराम कुमावत के पौते के ढूंढ कार्यक्रम का आयोजन हर्षोल्लास और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ किया गया। इस अवसर पर समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं समाजबंधु उपस्थित होकर शुभकामनाएं प्रदान की।कार्यक्रम में सोहनलाल मानणिया, पापूराम बाकरेचा, धर्माराम डेया, बंशीलाल जलंधरा, रामलाल, राजूराम, ओमप्रकाश बाकरेचा, रूपाराम मालीवाड़, ओमप्रकाश हांगर, बुधाराम होतवाल, जयप्रकाश चांदोरा, नारायण कुमावत, ओमप्रकाश मोटावत सहित तिलायचा एवं जलंधरा परिवार के सदस्य तथा अन्य समाजबंधु उपस्थित रहे।सभी ने पारंपरिक ढूंढ कार्यक्रम में भाग लेते हुए बालक के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और परिवार को शुभकामनाएं दीं।

संजीविया पार्क में रंगों की बरसात, हर्षोल्लास के साथ मनाई गई होली

हैदराबाद, 05 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद स्थित संजीविया पार्क होली का पर्व बड़े हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। जैन रत्न रमेश पी. तातेड के अनुसार इस अवसर पर स्टाफ सदस्यों को मिठाई, चॉकलेट और रंग वितरित किए गए। सभी ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर प्रेम और सद्भाव के साथ होली खेली।

इस अवसर पर बुद्धमलजी सेखानी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी गईं, वहीं पुष्पाबेन एवं रमेश पी. तातेड की वैवाहिक जीवन की 48वीं वर्षगांठ भी उत्साहपूर्वक मनाई

म में अशोक दोषी, रामसिंहीजी चौहान, सुरेश बाफना, अशोक चौधरी, कमलेश जैन, राजेश संघवी, परवीन पोरवाल, रमेश पी. तातेड, रमिलाबेन चौधरी, मिसेज पोरवाल, सरदारमलजी भोडोतरिया, अनुराग भोडोतरिया, कैलाश चौवटिया, चंपक चौधरी, मुकेश संघवी सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर रंगों के इस पर्व का आनंद लिया।

इसामिया बाज़ार में श्रीअष्टकोनी रामदेवरा प्रभात फेरी द्वारा फूलों की होली का आयोजन

हैदराबाद, 05 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के एसामिया बाज़ार स्थित श्री अष्टकोनी रामदेवरा प्रभात फेरी द्वारा भगवान श्री राधा-कृष्ण के सान्निध्य में फूलों की होली का भव्य एवं भक्तिमय आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं प्रभात फेरी के सदस्य उपस्थित रहे।कार्यक्रम में इस्कॉन अबिड्स के भक्तों द्वारा मधुर भजन-कीर्तन प्रस्तुत किए गए। कीर्तन की दिव्य धुनों पर भक्तजन भक्ति भाव से नाचते-गाते हुए भगवान के नाम का संकीर्तन करते रहे। पूरे वातावरण में राधे-श्याम के जयकारों से भक्ति और आनंद का माहौल बन गया।फूलों की वर्षा के साथ भक्तों ने भगवान श्री राधा-कृष्ण के साथ होली का आनंद लिया। सभी श्रद्धालु नाचते-गाते और भक्ति भाव से सराबोर होकर इस पावन उत्सव में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के अंत में सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया तथा भगवान से सभी के सुख-शांति और समृद्धि की प्रार्थना की गई।

बालाजी नगर में श्री आईमाता जी बडेर में धूमधाम से मनाया गया होली महोत्सव

हैदराबाद, 05 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के बालाजी नगर स्थित श्री आईमाता जी बडेर में होली महोत्सव धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में सीरवी समाज के श्रद्धालुओं ने परिवार सहित उपस्थित होकर कार्यक्रम का लाभ लिया।सोमवार को रात्रि 8:15 बजे विधि-विधान के साथ होलिका पूजन-अर्चन के पश्चात होलिका दहन किया गया। इसके बाद बुधवार को सुबह 9:15 बजे पूजा-अर्चना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ तथा बच्चों का पारंपरिक ढुंढ कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस अवसर पर फूलों की होली खेली गई और चंग की थाप पर रंगारंग गैर नृत्य का आयोजन किया गया। गैर में शामिल कलाकारों ने पारंपरिक राजस्थानी वेशभूषा में आकर्षक प्रस्तुति दी, जिससे पूरा वातावरण उत्साह और उल्लास से भर गया। श्रद्धालुओं ने नृत्य और भक्ति के साथ होली के इस पर्व का आनंद लिया।कार्यक्रम के पश्चात सभी उपस्थित श्रद्धालुओं ने भोजन प्रसादी का लाभ लिया।इस अवसर पर अध्यक्ष जयराम पंवार, उपाध्यक्ष नारायणलाल बर्फा, सचिव हीरालाल सोयल, कोषाध्यक्ष नरेश सोलंकी, सह कोषाध्यक्ष सोहनलाल पंवार, अचलाराम हाम्बड़ सहित समस्त कार्यकारिणी सदस्य एवं सीरवी समाज के अनेक बंधु उपस्थित रहे।

कृष्णा सखी माथुर वैश्य इंटरनेशनल द्वारा होली मिलन कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 05 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। सनतनगर में कृष्णा सखी माथुर वैश्य इंटरनेशनल की अध्यक्षा श्रीमती सपना गुप्ता के नेतृत्व में होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वीना, सुनीता, रेखा, अंजू, प्रमिला, पिंकी, जनक, सोनिया, किरण, निवेदिता, अनिता सहित बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने होली के पारंपरिक गीत गाए, नृत्य प्रस्तुत किए तथा विभिन्न मनोरंजक खेलों में भाग लिया। सभी ने मिलकर फूलों की होली खेली और आपसी प्रेम व भाईचारे का संदेश दिया। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को होली की टोपी पहनाई गई तथा विजेताओं को पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

इसके पश्चात सभी ने सामूहिक रूप से स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया। कार्यक्रम के अंत में संस्कृत संयोजिका एवं अध्यक्षा श्रीमती सपना गुप्ता ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए सभी को होली की शुभकामनाएं दीं।

होली के अवसर पर चार महल फाग मंडली मंडली द्वारा सभी सदस्यों के फाग होली के अवसर पर उत्तर भारत में गाए जाने वाले लोकगीत प्रस्तुत किए गए ।

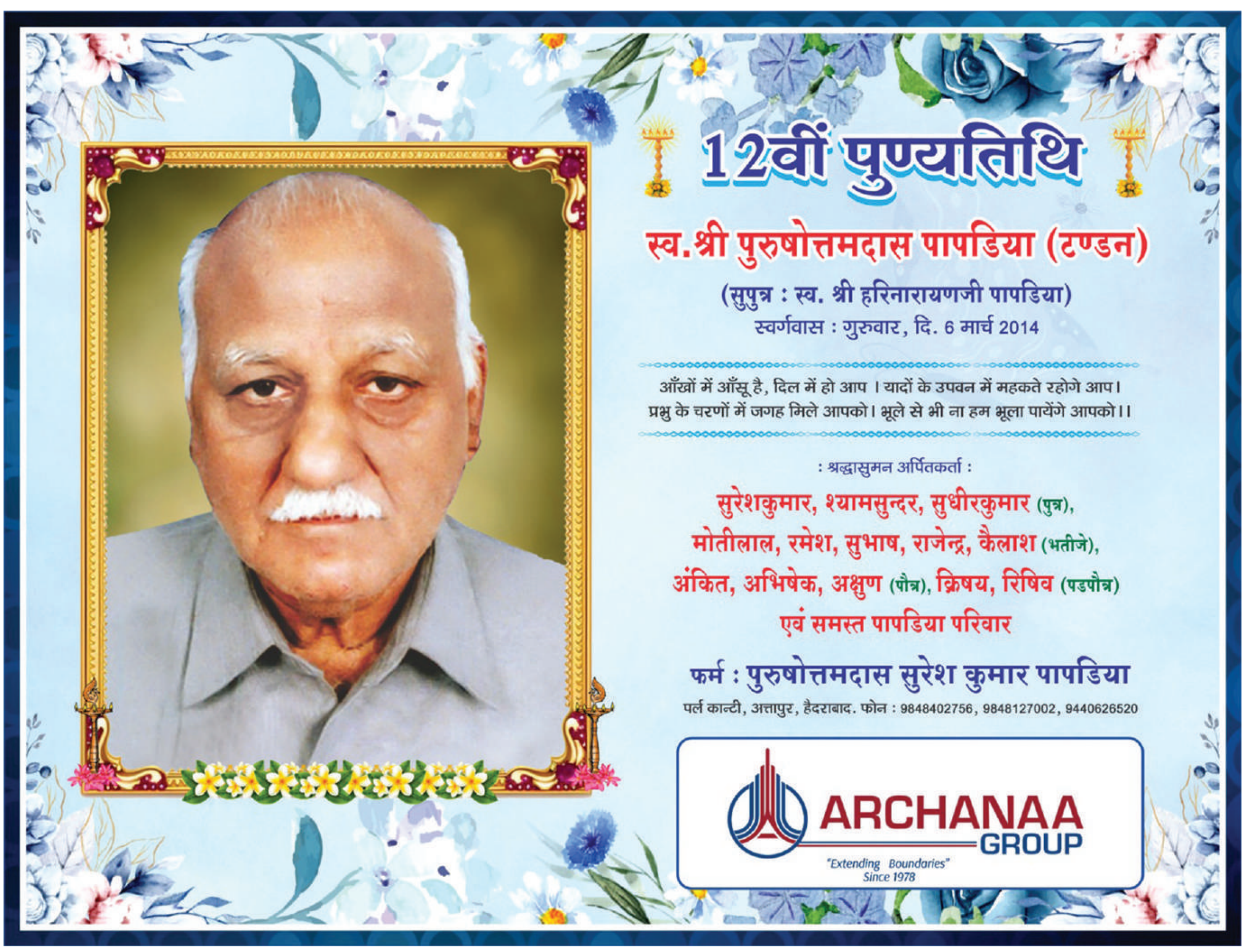

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.